बालाघाट
सोमवार 23 नवम्बर 2026
कार्तिक शुक्ल 14 विक्रम संवत 2083
वर्ष 17, अंक 62
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

मप्र के नए डीजीपी की नियुक्ति की प्रक्रिया तेज

भोपाल। मध्यप्रदेश में नए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की नियुक्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ गई है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की एम्पैनलमेंट कमेटी की बैठक के कार्यवृत्त से जुड़ी फाइल गृह विभाग ने मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल को भेज दी है। अब मुख्य सचिव इस फाइल को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास भेजेंगे। मुख्यमंत्री पैनल में शामिल तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों में से किसी एक के नाम पर अंतिम मुहर लगाएंगे। इसके बाद फाइल दोबारा मुख्य सचिव के पास पहुंचेगी और नए डीजीपी की नियुक्ति का आदेश जारी किया जाएगा। यूपीएससी की कमेटी ने डीजीपी पद के लिए 1991 बैच के तीन आईपीएस अधिकारियों वरुण कपूर, उपेंद्र जैन और प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव के नामों का पैनल तैयार किया है। अब इन तीनों में से किसी एक अधिकारी को प्रदेश पुलिस की कमान सौंपी जाएगी। वर्तमान डीजीपी कैलाश मकवाना 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। ऐसे में सरकार को उनके रिटायरमेंट से पहले नए डीजीपी की नियुक्ति करनी है।

शुरू हुआ सीजेपी का कॉकरोच क्लब

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपना कॉकरोच क्लब रविवार से शुरू कर दिया है। इसकी जानकारी सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए दी। उन्होंने यह भी बताया कि यह क्लब शुरू करने के पीछे सीजेपी के विचार और आइडिया हैं। सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर सौरव दास ने इसका वीडियो भी शेयर किया, जिसमें वह यह कहते नजर आए कि जब हम गांधी, नेहरू और अंबेडकर को पढ़ेंगे तो हमारी फताह जरूर होगी और इसी का उद्घाटन हुआ है क्लब से। कॉकरोच क्लब में यह तो ट्रेलर था, जैसे आगे बढ़ेंगे तो हमें पता चलेगा कि यह कैसे बेहतर हो सकेगा। इससे ज्यादा से ज्यादा लोग जुड़ेंगे।

300 करोड़ की जमीन हड़पने की साजिश

पटना। बिहार के बक्सर से आरजेडी सांसद सुधाकर सिंह ने मोतिहारी के पिपराकोठी में 17 एकड़ जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि इस जमीन की कीमत करीब 300 करोड़ रुपए है और इसे वाटर पार्क बनाने के नाम पर हड़पने की कोशिश की जा रही है। इस मामले में उन्होंने बीजेपी सांसद राधा मोहन सिंह पर भी भूमाफियाओं के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया है। पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सुधाकर सिंह ने कहा कि करीब दो महीने पहले जब उन्होंने जमीन पर निर्माण कार्य का विरोध किया था, तब सरकार को ओर से उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करा दी गई थी।

कुछ ना कहना



हादसों का रविवार

अलग-अलग हादसों की 28 की गई जान, पीएम ने जताया शोक

नई दिल्ली। अलग-अलग सड़क हादसों में चार परिवार उजाड़ दिए। राजस्थान में जहां एक परिवार खाटू श्याम के दर्शन कर लौट रहा था, वहीं दूसरा हादसा रामदेवरा दर्शन के लिए जाते समय हुआ। सबसे दर्दनाक हादसा गुजरात के कच्छ में हुआ। गुजरात के हादसे ने एक आर्मी परिवार उजाड़ दिया। चौथा हादसा करनाल में हुआ, वहीं बिहार में भी एक हादसा हुआ। इन पांचों हादसों के साथ ही एक अन्य हादसे में कुल 28 लोगों की मौत हुई है।

जूनागढ़ से माधवपुर जा रही तेज रफ्तार स्विफ्ट कार मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गई और उसमें आग लग गई। कार में सवार चार में से तीन लोगों की जलकर मौत हो गई। इम्प्लुएंसर कृष्णा चूड़ासमा शीशा टूटने के बाद बाहर गिरीं, जिससे जान बच गई। रविवार सुबह करीब 5 बजे केशोद-वालागाम रोड पर चामिडाना गांव के पास लाल रंग की स्विफ्ट कार हादसे का शिकार हो गई। कार तेज रफ्तार के कारण मोड़ पर सड़क किनारे पत्थर से टकराकर पलट गई और उसमें आग लग गई। पीएम मोदी ने गुजरात के कच्छ में हुए सड़क हादसे में लोगों की मौत पर दुख जताया है। हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए दिए जाएंगे। वहीं, घायलों को 50 हजार रुपए की आर्थिक मदद मिलेगी।



जानकारी के मुताबिक शनिवार-रविवार की दरमियानी रात चार बड़े सड़क हादसे हुए। इन हादसों ने चार परिवार उजाड़ गए। सबसे दर्दनाक हादसा गुजरात के कच्छ में हुआ। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और कई शव सड़कों पर बिखरे गए। वहीं, हरियाणा के करनाल में भी एक भीषण सड़क हादसा हुआ। यह दुर्घटना नाता पुलिस थाना क्षेत्र के झंभूपुरा गांव के पास हुई। यह परिवार खाटू श्यामजी के दर्शन करके लौट रहा था। जानकारी के मुताबिक, गाड़ी चलाते समय ड्राइवर को झपकी आ गई जिसकी वजह से उसका ध्यान रास्ते से हट गया। इसी दौरान बरूजर गाड़ी असंतुलित हो गई और सीधे सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में बच्चों समेत दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं, हादसे में घायल छह लोगों का अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

हादसे में घायल एक व्यक्ति ने बताया कि परिवार कई गाड़ियों में सफर कर रहा था। खाटूश्यामजी से धार की तरफ जाते समय उनकी दो गाड़ियां पीछे रह गई थीं, जबकि तीन गाड़ियां आगे निकल गई थीं। इसी दौरान उनके साथ मौजूद एक महिला का फोन आया कि गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया है। सूचना मिलते ही वे तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे तब उन्हें हादसे का पता चला।

वहीं राजस्थान में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात को दो सड़क हादसे हुए हैं। दूसरा हादसा जोधपुर में हुआ। जोधपुर में कार और ट्रैवल टेम्पो की टक्कर हो गई। इस टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 15 घायल हैं। घायलों को मयूराटास माथुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल अधीक्षक ने बताया कि घायल और मृतक एक ही परिवार के लोग हैं। ये सभी लोग गुजरात से रामदेवरा जा रहे थे, जिस दौरान यह हादसा हुआ।

गुजरात के भुज-खावड़ा नेशनल हाईवे पर देर रात एक और भीषण सड़क हादसा हो गया। खावड़ा के पास ट्रेलर और कार के बीच जोरदार टक्कर हुई। केबकिरा के रेगिस्तानी इलाके में एक कार और ट्रेलर की जोरदार टक्कर हो गई। कार में एक ही परिवार के सदस्य सवार थे। हादसे में छोटे बच्चों और महिलाओं समेत सात लोगों की मौत हो गई है। उत्तराखंड का यह परिवार कच्छ घूमने आया था। सड़क पर शव बिखरे पड़े थे। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का भी माहौल रहा।

हरियाणा के करनाल में मॉडल टाउन के नजदीक ज्वेल्स रोड पर दो गाड़ियों में टक्कर हो गई। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई। हादसे में तीन-चार लोगों घायल हुए हैं। हादसा इतना तेज था कि दोनों गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। पुलिस की टीमें ने मौके पर पहुंचकर दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर मामले की जांच की शुरू कर दी है। वहीं बिहार में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है। वहीं, तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बारात शादी से लौट रही थी, जिस दौरान यह हादसा हुआ। अथमलगोला थाना क्षेत्र में सवनीमा पेट्रोल पंप के पास अनियंत्रित हाइवा ने स्कॉर्पियो को जोरदार टक्कर मारी। हादसा इतना भीषण था कि स्कॉर्पियो में सवार सात लोगों में से चार की मौत हो गई।

उत्तर प्रदेश में भी एक सड़क हादसा हुआ। एनएच-2 पर भीषण हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई। जबकि 15 घायल है। दरअसल, रविवार को बेकाबू डबल डेकर बस की एक ट्रक से टक्कर हो गई। इस हादसे में 15 यात्री घायल हुए हैं जिसमें से सात की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह बस दिल्ली से बनारस जा रही थी।

देश के कई राज्यों में बढ़ी ठंड, राजस्थान के 6 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे

मध्यप्रदेश के 12 जिलों में बारिश का अलर्ट, यूपी के 24 जिलों में छाया घना कोहरा

नई दिल्ली। दिल्ली, राजस्थान समेत देश के कई राज्यों में ठंड बढ़ गई है। राजस्थान के 6 शहरों में शनिवार रात न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। फतेहपुर में सबसे कम 6.1 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। सीकर में 7.7, उदयपुर में 8.7 और चूरू में 9.5 डिग्री पारा दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार में चक्रवात 'अकवान' के चलते बारिश होने और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मौसम बदल गया है।

मध्यप्रदेश के जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है। उज्जैन में ठंड के चलते आठवीं तक के स्कूलों का समय बदलकर सुबह 9 बजे के बाद कर दिया गया है। बिहार में रविवार सुबह नालंदा और भागलपुर में बारिश हुई। पिछले 24 घंटे में पटना समेत 9 जिलों में बारिश दर्ज की गई। यूपी के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। वहीं, झारखंड में खराब मौसम के कारण शनिवार की रांची एयरपोर्ट पर 20 फ्लाइट रद्द और चार को डायवर्ट किया गया।

सर्दी बढ़ने के साथ प्रदूषण का स्तर भी बढ़ रहा है। राजस्थान के बीकानेर में एक्यूआई 311, भिवाड़ी में 301 में दर्ज किया गया। दिल्ली की हवा की गुणवत्ता शनिवार को भी 'खराब' बनी रही। एक्यूआई 265 दर्ज किया गया। दरअसल, सर्दी में हवा ठंडी और भारी होने लगती है, उसकी रफ्तार भी कम हो जाती है। इससे प्रदूषक कण जमीन के पास जमा होने लगते हैं। यही वजह है कि पंजाब, हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में पराली जलाने से उठा धुआं पश्चिमी राजस्थान तक पहुंच रहा है।

रेगिस्तानी इलाकों में रात को तापमान तेजी से गिरता है। इससे थर्मल इन्वर्जन की स्थिति बन सकती है। इस दौरान प्रदूषक कण और धुआं ऊपर फैलने के बजाय निचली हवा में ही फंसे रहते हैं। हवा की ऊपरी परत गर्म होने से प्रदूषण को फैलने का रास्ता नहीं मिलता। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश से आ रही सर्द हवाओं से राजस्थान में ठंड बढ़ने लगी है। चक्रवाती तूफान 'अकवान' और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मध्य प्रदेश में मौसम बदल गया है। जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है, जबकि भोपाल, इंदौर और उज्जैन में ठंड बढ़ गई है। रविवार को 12 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली, शाजापुर में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। वहीं यूपी के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। संभल, मुजफ्फरनगर, देवरिया और बुलंदशहर समेत कई जिलों में विजिबिलिटी कम रही। ग्रामीण इलाकों में 10 मीटर दूर तक देखना मुश्किल हो गया। हरदोई में रात का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

दिल्ली से कश्मीर तक दवाओं की अवैध सप्लाई के अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़

जम्मू। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) जम्मू जोनल यूनिट ने दिल्ली जोनल यूनिट के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए दिल्ली से कश्मीर घाटी तक फार्मास्युटिकल दवाओं की अवैध सप्लाई करने वाले अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच में दिल्ली के शाहदरा में एक गुप्त गोदाम से पांच लाख से ज्यादा टैबलेट, कैप्सूल और कई दवाओं की बोतलें बरामद की गई हैं। एनसीबी के मुताबिक विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर 16 नवंबर 2026 को तड़के जम्मू यूनिट ने उधमपुर जिले के चेनानी स्थित माडा टोल प्लाजा के पास श्रीनगर जा रही एक यात्री बस को रोककर तलाशी ली।

इस दौरान डोडा जिले के भद्रवाह निवासी एक व्यक्ति से करीब 7 किलोग्राम कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया। इसके बाद मामला दर्ज किया गया। आगे की जांच में कश्मीर घाटी में कार्रवाई करते हुए, अनंतनाग जिले के एक शख्स को पकड़ा, जिसे इस खेप का मुख्य प्राप्तकर्ता बताया जा रहा है। सप्लाई लिंक की जांच दिल्ली तक पहुंचने पर एनसीबी जम्मू और दिल्ली की संयुक्त टीम ने दिल्ली में इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को गिरफ्तार किया और 18 नवंबर को 356 बोतल कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया।

इसके बाद जांच में शाहदरा, दिल्ली में किराए के परिसर में संचालित एक गुप्त गोदाम का पता चला। 18 और 19 नवंबर को की गई तलाशी में पांच लाख से ज्यादा टैबलेट, कैप्सूल और दवाओं की बोतलें बरामद हुईं, जिनमें ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड, अल्प्राजोलम, नाइट्राजेपाम और कोडीन युक्त औषधीय पदार्थ शामिल थे। एनसीबी अब इन दवाओं की बैध सप्लाई चेन से अवैध रूप से निकासी, इनके स्रोत, सप्लायरों, वितरकों तथा नेटवर्क से जुड़े वित्तीय लेन-देन की जांच कर रही है। एजेंसी का उद्देश्य सप्लाई के मूल स्रोत तक पहुंचकर इस नेटवर्क की पूरी तरह ध्वस्त करना है। एनसीबी ने नागरिकों से नशा तस्करी और दवाओं के अवैध डायवर्जन से संबंधित विश्वसनीय जानकारी गोपनीय रूप से राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन मानस 1933 पर साझा करने की अपील की है।

अर्धनारीश्वर की मूर्ति की तस्वीर शेयर कर राहुल गांधी बोले भाजपा-आरएसएस को भारतीय संस्कृति की समझ नहीं

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने रविवार को भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधा। उन्होंने दोनों संगठनों को असभ्य, लालची, जातिवादी और पुरुषवादी बताया। राहुल ने कहा कि इन्हें भारत की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं की बिल्कुल समझ नहीं है। राहुल ने एक्स पर एलिफेंटा की गुफाओं में बनी अर्धनारीश्वर की मूर्ति की तस्वीर शेयर की। इस मूर्ति में भगवान शिव और माता पार्वती एक ही स्वरूप में दिखाई देते हैं।

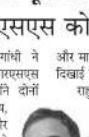

राहुल ने लिखा कि मैं जितना भारतीय आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं को समझ रहा हूं, उतना ही यह साफ होता जा रहा है। भाजपा और आरएसएस असभ्य, लालची, जातिवादी और पुरुषवादी हैं। उन्हें हमारी आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं की बिल्कुल समझ नहीं है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने एलिफेंटा की गुफाओं में बनी भगवान शिव और माता पार्वती की संयुक्त प्रतिमा की तस्वीर भी साझा की। इसे अर्धनारीश्वर स्वरूप के रूप में जाना जाता है। राहुल का पिछले 6 दिनों में यह दूसरा पोस्ट है। इससे पहले 17 नवंबर को उन्होंने 12वीं सदी की शिव-पार्वती की तस्वीर पोस्ट की थी। जिसमें पार्वती भगवान शिव की गोद में बैठीं थीं।

अफगानिस्तान में 72 घंटे में दूसरी बार कांपी धरती

नई दिल्ली। भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान में महज 72 घंटों के भीतर दूसरी बार धरती कांप उठी है, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। शनिवार दोपहर को यहां रिक्टर स्केल पर 4.6 की तीव्रता वाला तेज भूकंप दर्ज किया गया। भारत के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि यह झटका 21 नवंबर 2026 को भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजकर 40 मिनट और 30 सेकंड पर रिकॉर्ड किया गया। जानकारी के अनुसार, भूकंप का केंद्र उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान के बदख्शां और हिंदुकुश क्षेत्र में जमीन से 159 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। चूंकि यह इलाका भारत की उत्तरी सीमा के बेहद करीब है, इसलिए यहां होने वाली हर भूगर्भीय हलचल पर भारतीय एजेंसियां कड़ी नजर रख रही हैं। तीन दिन के अंदर एक ही क्षेत्र में दो बार जमीन हिलने से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है और प्रशासन भी अलर्ट मोड पर आ गया है।

यह भूकंप इसलिए भी ज्यादा चर्चा में है क्योंकि दो दिन पहले ही, यानी गुरुवार 19 नवंबर को इसी बेल्ट में धरती हिली थी। एनसीएस के आंकड़ों के मुताबिक, 19 नवंबर को आया भूकंप भारतीय समयानुसार शाम 4 बजकर 42 मिनट और 28 सेकंड पर दर्ज किया गया था, जिसकी तीव्रता 3.9 थी। उस भूकंप का केंद्र भी जमीन में काफी गहराई पर, करीब 183 किलोमीटर नीचे था। महज 72 घंटों के भीतर एक ही भौगोलिक क्षेत्र में दो बार भूकंप आना इस बात का साफ इशारा है कि जमीन के भीतर टेक्टोनिक प्लेटों में लगातार हलचल और दबाव बना हुआ है। जिस हिंदुकुश और बदख्शां इलाके में ये भूकंप आए हैं, वह भारत के लद्दाख और जम्मू-कश्मीर की सीमा से बहुत ज्यादा दूर नहीं है। हिंदुकुश पर्वत श्रृंखला सीधे हिमालय और कराकोरम की पहाड़ियों से जुड़ी हुई है, यही वजह है कि अफगानिस्तान के इस हिस्से में कोई भी बड़ा या गहरा भूकंप आने पर उसकी तरंगें जमीन के अंदर से होते हुए पाकिस्तान के साथ-साथ कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और कई बार दिल्ली-एनसीआर तक महसूस की जाती हैं।

मैं पीठ पीछे वार करने वालों में से नहीं, सीधे काम करने में विश्वास रखता हूं

-केरल के मंत्री मुरलीधरन मंत्रिमंडल में मतभेदों के आरोपों को किया खारिज

तिरुवनंतपुरम। केरलम के स्वास्थ्य मंत्री के मुरलीधरन ने राज्य मंत्रिमंडल में मतभेदों से जुड़ी जानकारी लीक करने के आरोपों को रविवार को खारिज करते हुए कहा कि वह पीठ पीछे वार करने वालों में से नहीं हैं और सीधे तरीके से काम करने में विश्वास रखते हैं। मुरलीधरन ने केरलम लोक सेवा आयोग (पीएससी) के सदस्यों की नियुक्ति को लेकर सीएम वीडी सतीशन और उनके कुछ मंत्रिमंडलीय सहयोगियों के बीच तीखी बहस की खबरों और इन मतभेदों से जुड़ी जानकारी लीक करने के आरोपों के संबंध में कहा कि वह सीधे तरीके से काम करने में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि मैं पीठ पीछे वार नहीं करता। मेरा रवैया साफ और सीधा है और मैं इस तरह परोक्ष हमले नहीं करता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुरलीधरन ने कहा कि अब इस पर चर्चा करने की कोई जरूरत नहीं है। सरकार के कई अच्छे कामों की चर्चा नहीं हो रही है। इस तरह के मुद्दों की तरफ्जो देने के बजाय हमें सरकार की परियोजनाओं पर ध्यान देना चाहिए और यह तय करना चाहिए कि सरकार मिलकर आगे बढ़ें। हमने सामूहिक रूप से यही फैसला किया है। उन्होंने कांग्रेस और यूडीएफ में समन्वय की कमी होने की बात से भी इनकार किया। मुरलीधरन ने कहा कि अगर ऐसा होता तो हम 102 सीट नहीं जीत पाते। यदि कांग्रेस निश्चिंत रहती तो क्या उसे 102 सीट मिल पातीं? पार्टी, मोर्चा और सरकार मिलकर आगे बढ़ते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार के सत्ता संभालने के बाद से हर बुधवार को मंत्रिमंडल की बैठक हो रही है और मुख्यमंत्री मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी मीडिया को दे रहे हैं, जो दर्शाता है कि सरकार व्यवस्थित तरीके से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतभेद होना स्वाभाविक है और उन्हें दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पीएससी के सदस्यों की सूची को अंतिम रूप देने में कोई खास देरी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने एक नाम को लेकर थोड़ा संदेह जताया था। अगले दिन उनके दिल्ली रवाना होने से पहले उसी दिन इसका समाधान कर लिया गया था। सूची राज्यपाल को भेज दी गई है।

अपनी बहन पद्मजा वेणुगोपाल के बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में लौटने के संबंध में पूछे जाने पर मुरलीधरन ने कहा कि वह इस मुद्दे पर पहले ही प्रतिक्रिया दे चुके हैं और अपनी बात दोहराना नहीं चाहते।

अडानी समूह को बड़ा झटका!

महाराष्ट्र में 5,675 करोड़ के पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट का काम रोकने का आदेश

पुणे। महाराष्ट्र में अडानी समूह को एक बड़ी ऊर्जा परियोजना को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सातारा जिले के पाटण तालुका स्थित सावरघर गांव में चल रहे खुदाई और निर्माण कार्य पर महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) ने रोक लगाने का आदेश जारी किया है। यह काम अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) की सहायक कंपनी अडानी रिन्यूएबल एनर्जी वन लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित 1,500 मेगावाट क्षमता वाली तारली ओपन लूप्ड पंप स्टोरेज परियोजना से जुड़ा है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 5,675 करोड़ रुपये बताई गई है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी किरण हसबनीस ने 20 नवंबर को स्टॉप वर्क नोटिस जारी किया। इससे पहले बोर्ड के सातारा उप-क्षेत्रीय अधिकारी अशोल सातपुते ने सावरघर गांव का निरीक्षण किया था और उसी दिन कानूनी कार्रवाई का प्रस्ताव सौंपा था। निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार, सावरघर गांव के गट नंबर 33 और 34 में अस्थायी मजदूर शिविर और भंडारण सुविधाएं तैयार करने के लिए खुदाई और विकास कार्य शुरू किया गया था। आरोप है कि इस काम की जानकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नहीं दी गई थी और आवश्यक अनुमति भी प्राप्त नहीं की गई थी।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि संबंधित खुदाई और विकास गतिविधियों के लिए सक्षम प्राधिकरण से पर्यावरणीय मंजूरी नहीं ली गई थी।

- वन्यजीव संरक्षक की शिकायत के बाद कार्रवाई

एमपीसीबी की कार्रवाई से एक दिन पहले, 19 नवंबर को सातारा के मानद वन्यजीव संरक्षक रोहन भाटे ने बोर्ड के सदस्य सचिव राहुल रेखावार को पत्र लिखकर सावरघर में बड़े पैमाने पर कथित अनधिकृत खुदाई और निर्माण कार्य का मुद्दा उठाया था। उन्होंने मामले में तत्काल हस्तक्षेप और स्वतंत्र जांच की मांग की थी। उन्होंने यह भी सवाल उठाया था कि केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की ओर से 11 फरवरी 2025 को दी गई पर्यावरणीय मंजूरी में सावरघर गांव का उल्लेख नहीं है। उस मंजूरी में केवल निवाडे, तोंडोशी, कलंबे और जालू गांवों को प्रभावित गांवों के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। एमपीसीबी ने जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 33ए और वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 31ए के तहत यह आदेश जारी किया है।

दीपथून पर दीप जलाने की अनुमति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची तमिलनाडु सरकार

नई दिल्ली। तमिलनाडु सरकार ने मदुरै की तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित पत्थर के स्तंभ 'दीपथून' पर 24 नवंबर को पारंपरिक 'कार्तिगई दीपम' जलाने की अनुमति देने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर की है। राज्य के हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के आयुक्त ने 21 नवंबर को शीर्ष अदालत का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक बार के लिए दीपथून पर दीप जलाने की अनुमति दी थी।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने अपने आदेश में स्पष्ट किया था कि दीप जलाने के लिए केवल मंदिर प्रशासन यानी देवस्थानम द्वारा अधिकृत व्यक्ति और संबंधित सरकारी अधिकारी ही पहाड़ी पर जा सकेंगे। आम लोगों के वहां जाने पर रोक लगाई गई थी। अदालत ने यह भी कहा था कि दीप जलाने का काम पूरा होने के बाद अधिकृत दल वहां से चला जाएगा और कोई अस्थायी ढांचा या वस्तु पीछे नहीं छोड़ी जाएगी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को स्मारक और आसपास के क्षेत्र की सुरक्षा व संरक्षण के लिए आवश्यक शर्तें तय करने को कहा गया था। किसी स्मारक, धार्मिक ढांचे या संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, खुदाई, निर्माण अथवा स्थायी स्थापना की अनुमति नहीं होगी।

जरूरत पड़ने पर केंद्र सरकार को सीआरपीएफ की उपयुक्त टुकड़ी की तैनाती पर विचार करने को कहा गया था। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि दीप जलाने का काम पूरा होने के बाद अधिकृत दल वहां से चला जाएगा और कोई अस्थायी ढांचा या वस्तु पीछे नहीं छोड़ी जाएगी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को स्मारक और आसपास के क्षेत्र की सुरक्षा व संरक्षण के लिए आवश्यक शर्तें तय करने को कहा गया था। किसी स्मारक, धार्मिक ढांचे या संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, खुदाई, निर्माण अथवा स्थायी स्थापना की अनुमति नहीं होगी।

मंडई घूमकर घर लौटा 24 वर्षीय युवक कुछ देर बाद बिगड़ी तबीयत और चली गई जान

नागपुर से गांव मर्री आया था महेंद्र बिसेन, सुबह अचानक दो बार हुई उल्टी, अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में तोड़ा दम, पिता और बड़े भाई को पहले ही खो चुका था महेंद्र, परिवार में मां, भाभी और दो बच्चों का था सहारा

पद्मेश न्यूज. बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम मर्री में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। जहां मंडई घूमकर घर लौटे 24 वर्षीय युवक की कुछ ही घंटों के भीतर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक की अचानक तबीयत बिगड़ने, उल्टियां होने और उपचार के लिए अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ देने की घटना से परिवार में मातम छा गया है। मृतक महेंद्र पिता हनस लाल बिसेन 24 वर्ष ग्राम मर्री निवासी है। महेंद्र की मौत किन परिस्थितियों में और किस कारण से हुई यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। जिला अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित किए जाने के बाद पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम करवाया और परिजनों को सौंप दिया। अब पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। जिसके बाद ही युवक की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा होने की संभावना है।

दीपावली मनाने के बाद नागपुर लौट गया था महेंद्र

प्राप्त जानकारी के अनुसार महेंद्र बिसेन अपने परिवार के साथ ग्राम मर्री में रहता था लेकिन रोजगार के सिलसिले में वह नागपुर में भवन निर्माण कार्य में मिस्त्री का काम करता था। मेहनत-मजदूरी कर वह अपने परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में सहयोग करता था। बताया गया है कि दीपावली के त्योहार पर महेंद्र अपने गांव आया था। परिवार के साथ दीपावली मनाने के बाद वह वापस नागपुर काम पर चला गया था। इसके बाद 20 नवंबर को वह फिर अपने गांव मर्री पहुंचा। गांव में इन दिनों मंडई का आयोजन था जिसके चलते ग्रामीणों में उत्साह का माहौल था। महेंद्र भी गांव आने के बाद मंडई घूमने और अपने परिचितों से मिलने-जुलने में लगा हुआ था। किसी को इस बात का अंदाजा नहीं था कि गांव आने के अगले ही दिन उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ेगा।

दोस्त के साथ सुबह 3 बजे मंडई घूमने गया था

बताया गया है कि 21 नवंबर की सुबह करीब 3 बजे महेंद्र अपने दोस्त अभिषेक सोनी के साथ गांव में आयोजित मंडई घूमने के लिए निकला था। दोनों दोस्तों ने मंडई में आयोजित रात्रिकालीन कार्यक्रमों को देखा। इसके बाद वे गांव की बस्ती में भी घूमते रहे। पूरी रात मंडई का माहौल देखने और घूमने के बाद दोनों दोस्त सुबह करीब 7 बजे अपने-अपने घर लौट आए। घर पहुंचने के बाद महेंद्र की तबीयत अचानक खराब होने लगी। बताया गया है कि घर आने के कुछ समय बाद उसे उल्टी हुई। इसके बाद वह फ्रेश होने के लिए गया लेकिन कुछ देर बाद उसे फिर उल्टी होने लगी। लगातार दो बार उल्टी होने के बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी। अचानक इस तरह तबीयत खराब होने से परिवार के लोग घबरा गए।

सालेटेका अस्पताल से जिला अस्पताल किया गया रेफर

महेंद्र की बिगड़ती हालत को देखते हुए उसके दोस्त अभिषेक सोनी और परिवार के अन्य सदस्य उसे तत्काल उपचार के लिए सालेटेका अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों द्वारा उसका उपचार किया गया लेकिन उसकी स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। इसके बाद परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल के लिए रवाना हुए। हालांकि जिला अस्पताल पहुंचने के दौरान रास्ते में ही महेंद्र की मौत हो चुकी थी। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया और उसे मृत घोषित कर दिया। कुछ समय पहले तक अपने दोस्त के साथ मंडई घूम रहे महेंद्र की अचानक मौत की खबर सुनकर परिजनों और परिचितों को गहरा सदमा पहुंचा।

10 साल पहले पिता और ढाई साल पहले बड़े भाई की हो चुकी है मौत

महेंद्र की मौत की घटना इसलिए भी बेहद दुखद है क्योंकि उसके परिवार पर पहले भी कई दुखों का पहाड़ टूट चुका है। जानकारी के अनुसार महेंद्र के पिता हनस लाल बिसेन का करीब 10 वर्ष पहले ही निधन हो गया था। पिता की मृत्यु के बाद परिवार की जिम्मेदारियां धीरे-धीरे महेंद्र और उसके बड़े भाई पर आ गई थीं। लेकिन करीब ढाई वर्ष पहले एक सड़क दुर्घटना में उसके बड़े भाई की भी मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद परिवार में महेंद्र की मां रेखा बिसेन, उसकी भाभी और भाभी के दो बच्चे ही रह गए थे। महेंद्र नागपुर में रहकर भवन निर्माण कार्य में मिस्त्री का काम करता था और उसकी मां गांव में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करती थी। परिवार पहले ही पिता और बड़े बेटे को खोने का दर्द झेल चुका था। अब महेंद्र की असमय मौत ने परिवार को एक बार फिर गहरे सदमे में डाल दिया है। परिवार के सामने अब भरण-पोषण और भविष्य की जिम्मेदारियों को लेकर भी चिंता खड़ी हो गई है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगी मौत की वजह

जिला अस्पताल में युवक को मृत घोषित किए जाने के बाद अस्पताल पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाया और अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल महेंद्र की मौत किन परिस्थितियों में हुई इसका स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। अचानक उल्टी होने के बाद तबीयत बिगड़ना और कुछ ही समय में मौत हो जाना कई सवाल खड़े कर रहा है। हालांकि मौत के कारण को लेकर अभी किसी तरह की पुष्टि नहीं हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चिकित्सकीय जांच के आधार पर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इस मामले में जिला अस्पताल पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम किया है। आवश्यक कार्रवाई के लिए मर्ग डायरी घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना किरनापुर भेज दी गई है। अब किरनापुर पुलिस द्वारा मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आईटीआई के दो प्रशिक्षणार्थियों ने राज्य स्तर पर टॉप कर बढ़ाया बालाघाट का गौरव

कौशल दीक्षांत समारोह में सांसद भारती पारधी ने मेधावी प्रशिक्षणार्थियों को किया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) बालाघाट में शनिवार, 21 नवंबर को कौशल दीक्षांत समारोह-2026 का आयोजन किया गया। समारोह में बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर संस्था के 15 व्यवसायों के 49 उत्कृष्ट प्रशिक्षणार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। समारोह में बालाघाट आईटीआई के लिए विशेष गौरव का क्षण तब आया, जब संस्था के दो प्रशिक्षणार्थियों ने राज्य स्तर पर टॉपर बनकर जिले का नाम रोशन किया। मैसन व्यवसाय की प्रशिक्षणार्थी कु. नंदिनी बम्बारे तथा स्वीईंग टेक्नोलॉजी व्यवसाय के प्रशिक्षणार्थी आदिल खान ने यह उपलब्धि हासिल की। दोनों को समारोह में विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली प्रशिक्षण अधिकारी सुश्री राखी मोटवानी एवं श्रीमती अंजुम परवीन को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में संस्था स्तर पर समारोह आयोजित किया गया। इसके बाद लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह का सीधा प्रसारण दिखाया गया। राष्ट्रीय समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में आईटीआई और आईटीआई के विद्यार्थियों को समान महत्व एवं सम्मान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि व्यावहारिक कौशल और हुनर विकसित भारत की बड़ी ताकत हैं। आईटीआई से प्रशिक्षित युवा देश के औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने भारत को विश्व की स्किल कैपिटल बनाने का आह्वान भी किया। मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती भारती पारधी ने प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि बालाघाट जैसे जिले से दो प्रशिक्षणार्थियों का राज्य स्तर पर टॉपर बनना गर्व और प्रसन्नता का विषय है। यह संस्था के प्रशिक्षण अधिकारियों के समर्पित मार्गदर्शन तथा विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने सभी सफल प्रशिक्षणार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संस्था की प्राचार्य श्रीमती सपना रहांगडाले ने संस्था की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि आईटीआई बालाघाट में 15 इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग व्यवसायों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संस्था का प्रयास है कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक प्रशिक्षण के साथ रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएं। कार्यक्रम में श्रीमती मीना रहांगडाले एवं श्रीमती सुषमा पटले विशेष रूप से उपस्थित रहीं। समारोह में उत्कृष्ट प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र, शील्ड एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। इस अवसर पर संस्था के अधिकारी-कर्मचारी, प्रशिक्षण अधिकारी, प्रशिक्षणार्थी एवं उनके अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में संस्था परिवार ने अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्री महावीर भवन में भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। श्री दिगंबर जैन पंचायत बालाघाट के तत्वाधान में श्री महावीर भवन में परम पूज्य मुनिराज श्री 108 विराटसागर जी महाराज एवं मुनिराज श्री 108 निस्संगसागर जी महाराज ससंघ के मंगल सान्निध्य में आयोजित श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ के अंतर्गत रविवार को 256 अर्घ्य समर्पण के पश्चात पावन पिच्छिका परिवर्तन समारोह श्रद्धा, भक्ति एवं धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ।इस अवसर पर मुनिराज श्री 108 विराटसागर जी महाराज की पुरानी पिच्छिका प्राप्त करने का सौभाग्य भोपाल निवासी डॉ. अनुज सोनिया जैन को प्राप्त हुआ, वहीं मुनिराज श्री 108 निस्संगसागर जी महाराज की पिच्छिका स्वदेश अल्पना जैन बालाघाट को प्राप्त हुई। समारोह में उपस्थित समस्त इंद्र-इंद्राणियों द्वारा विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ पिच्छिका खोलने का धार्मिक कार्यक्रम संपन्न कराया गया। पूरा वातावरण जयकारों एवं भक्ति भाव से गुंजायमान हो उठा।पिच्छिका जैन साधु की अहिंसा, संयम एवं जीवदया की भावना का प्रतीक मानी जाती है। इसका परिवर्तन आत्मसंयम, त्याग और अहिंसामय जीवन के संकल्प को और अधिक दृढ़ करने का पावन अवसर होता है।विधानाचार्य ब्र.ब्र. चिदरूप भैया जी एवं संघस्थ ब्र.ब्र. ऋतिक भैया जी के मार्गदर्शन में विधान की धार्मिक क्रियाएं विधिपूर्वक संपन्न हो रही हैं। इस आयोजन को सफल बनाने में पंचायत कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्यों के के साथ ही नवयुवक मंडल, बालिका मंडल, बहू मंडल, महिला मंडल, सखी मंडल, पाठशाला समिति एवं श्री चंद्र प्रभु तीर्थ क्षेत्र



कमेटी चंद्रपुरी के पदाधिकारी एवं सदस्यों की महत्वपूर्ण सहभागिता बनी हुई है। सभी मंडल एवं समितियां अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए आयोजन की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संपन्न करा रहे हैं।

बालाघाट के समीप होगा भव्य दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र का निर्माण

इस चातुर्मास की एक विशेष उपलब्धि के रूप में मुनिराज श्री विराटसागर जी महाराज की मंगल प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से बालाघाट से लगभग 15 किलोमीटर दूर ग्राम चंद्रपुरी (बालाघाट लालबर्रा रोड पर)में एक अद्भुत एवं भव्य दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र का निर्माण सकल जैन समाज एवं श्री दिगंबर जैन पंचायत बालाघाट के सहयोग से कराया जा रहा है। इस पुनीत कार्य के लिए दानदाताओं एवं पात्रों का चयन भी पूर्ण हो चुका है। आगामी दिनों में मंदिर निर्माण का भव्य भूमि पूजन समारोह आयोजित किया जाएगा। यह तीर्थ क्षेत्र भविष्य में धर्म, संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना एवं जैन समाज की आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।इस संबंध में श्री दिगंबर जैन पंचायत के सह सचिव अमन सिंघई ने जानकारी देते हुए बताया कि सिद्धचक्र महामण्डल विधान एवं पिच्छिका परिवर्तन जैसे धार्मिक आयोजन समाज में धर्मप्रभावना, एकता, त्याग एवं संयम की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं से धार्मिक आयोजनों एवं प्रस्तावित तीर्थ निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया।धर्म की प्रभावना के साथ विश्व शांति एवं मंगल की भावना से आयोजित यह महापर्व बालाघाट के जैन समाज के लिए श्रद्धा, भक्ति और गौरव का विशेष अवसर बना हुआ है।

पुराना पैसा खर्च नहीं, नए फंड पर सरकार ने लगाई शर्त

ग्रामीण पेयजल व्यवस्था पर दोहरी मार, अल्प वर्षा के बीच गर्मी से पहले जल संकट से निपटने की चुनौती

पंचायतों पर 3390 करोड़ खर्च करने का दबाव, तभी मिलेगी 16वें वित्त आयोग की किस्त

भोपाल। गांवों में पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त रखने की जिम्मेदारी संभालने वाली ग्राम पंचायतों के सामने अब फंड और खर्च का दोहरा संकट खड़ा हो गया है। एक ओर पंचायतों के खातों में 15वें वित्त आयोग की टाइड ग्रांट के 3390 करोड़ रुपए खर्च होने का इंतजार कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार ने नल-जल योजनाओं की मरम्मत और आकस्मिक पेयजल व्यवस्था के लिए मिलने वाली राशि में करीब 75 फीसदी कटौती कर दी है। सरकार ने नई किस्त जारी करने के लिए पुरानी राशि खर्च करने की शर्त लगा दी है। यानी पंचायतों को पहले पुराने बजट का उपयोग साबित करना होगा, तभी 16वें वित्त आयोग की नई राशि का रास्ता खुलेगा। इसका असर ऐसे समय में सामने आया है, जब प्रदेश के कई जिलों में कम बारिश के कारण भूजल स्तर गिरने और गर्मी में पेयजल संकट बढ़ने की आशंका है। नल-जल योजनाओं में लीकेज, खराब मोटर-पंप, क्षतिग्रस्त पाइपलाइन और पानी की टंकियों की मरम्मत जैसे कामों के लिए पंचायतों के पास इस साल पिछले वर्ष की तुलना में महज एक चौथाई फंड बचा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा में सामने आया है कि 30 जुलाई 2026 को स्थिति में ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर पंचायतों के विभिन्न स्तरों पर 15वें वित्त आयोग की टाइड ग्रांट के 3390.42 करोड़ रुपए खर्च नहीं हुए हैं। इसके अलावा करीब 137 करोड़ रुपए जिला पंचायतों के खातों में जमा हैं। इस स्थिति को देखते हुए विभाग ने 16वें वित्त आयोग की नई किस्त जारी करने के लिए खर्च की शर्त तय कर दी है। पंचायतों को 15वें वित्त आयोग से मिली पिछली राशि का कम से कम 50 प्रतिशत खर्च करना होगा। इसके बाद ही नई किस्त मिलने का रास्ता साफ होगा। इस शर्त के पीछे सरकार की मंशा पंचायतों के खातों में जमा राशि का उपयोग सुनिश्चित करना है। लेकिन सवाल यह है कि जिन पंचायतों को तत्काल पाइपलाइन सुधार, मोटर बदलने, टैंकर लगाने और वैकल्पिक जल स्रोत तैयार करने की जरूरत है, वे सीमित आवंटन में इन कामों को कैसे पूरा करेंगी?

पंचायतों को मिलने वाली टाइड ग्रांट का इस्तेमाल केवल नई पेयजल योजनाएं बनाने के लिए नहीं होता, बल्कि पहले से संचालित नल-जल योजनाओं को चालू रखने में भी इसकी अहम भूमिका है। इसी राशि से पाइपलाइन का लीकेज सुधारा जाता है। खराब मोटर, पंप, वाल्व और कंट्रोल पैनल की मरम्मत होती है। पानी की टंकियों की सफाई, क्लोरीनीकरण और क्षतिग्रस्त स्टेरेज की मरम्मत भी इसी मद से होती है। इसके अलावा जब किसी गांव में मौजूदा जल स्रोत सूखने लगते हैं तो बोरवेल, हैंडपंप, टैंकर और अन्य वैकल्पिक इंतजाम किए जाते हैं। जरूरत पड़ने पर पाइपलाइन का विस्तार और पानी के स्रोतों के रिचार्ज के काम भी करवाए जाते हैं। यही नहीं, सरकारी स्कूलों, आंगनबाड़ियों, हाट बाजारों, बस स्टैंड और खेल मैदानों में शुद्ध पानी के कनेक्शन देने तथा क्लोरीन डोजर और कीटाणुशोधक की व्यवस्था भी इसी फंड से की जाती है। ऐसे में बजट घटने का असर केवल मरम्मत तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों की पूरी पेयजल व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

आकस्मिक पेयजल आपूर्ति के लिए पंचायत राज संचालनालय ने इस साल सबसे कम राशि आवंटित की है। पिछले वर्षों के आंकड़े देखें तो बजट में लगातार उतार-चढ़ाव रहा है, लेकिन 2026-27 में इसमें बड़ी कटौती हुई है। वित्तीय वर्ष में 2022-23 में 24.20 करोड़ मिले थे। वहीं 2023-24 में 24.20 करोड़, 2024-25 में 19.80 करोड़, 2025-26 में 55 करोड़ और 2026-27 में 13.75 करोड़ का आवंटन हुआ है। पिछले वित्त वर्ष में 55 करोड़ रुपए का आवंटन था, जिसे इस साल घटाकर 13.75 करोड़ रुपए कर दिया गया है। यानी एक साल में 41.25 करोड़ रुपए की कमी आई है। यह करीब 75 फीसदी की कटौती है।

बजट कटौती का असर प्रदेश के सभी जिलों में पड़ा है। पिछले साल सबसे अधिक आवंटन पाने वाले रीवा जिले को इस बार केवल 51.54 लाख रुपए मिले हैं। इसी तरह भोपाल और इंदौर जैसे बड़े जिलों का बजट भी काफी कम हो गया है। रीवा को 2025-26 में 2.06 करोड़ वहीं 2026-27 में 51.54 लाख, धार को 2025-26 में 1.89 करोड़ वहीं 2026-27 में 47.25 लाख, सतना को 2025-26 में 1.81 करोड़ 2026-27 में 45.49 लाख, सागर को 2025-26 में 1.67 करोड़ 2026-27 में 41.79 लाख, खरगोन को 2025-26 में 1.65 करोड़ 2026-27 में 41.29 लाख, भोपाल को 2025-26 में 44.84 लाख 2026-27 में 11.21 लाख, इंदौर को 2025-26 में 92.90 लाख 2026-27 में 23.22 लाख और सबसे कम आवंटन निवाड़ी जिले को महज 8.59 लाख रुपए मिला है।

इस साल कम बारिश के कारण प्रदेश के कई इलाकों में जल स्रोतों पर दबाव बढ़ने की आशंका है। ऐसे में पंचायतों के सामने दोहरी चुनौती होगी। उन्हें एक तरफ नल-जल योजनाओं को चालू रखना है, वहीं दूसरी तरफ जल स्रोतों के कमजोर पड़ने पर वैकल्पिक व्यवस्था भी करनी होगी।

कुएं में मिला 19 वर्षीय बी-फार्मा छात्र का शव20 घंटे से था लापता

घर के सामने स्थित सरकारी कुएं में मिला युवक का शव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामपायली थाना क्षेत्र के ग्राम बोदलकसा में उस समय सनसनी फैल गई जब घर के सामने स्थित एक सरकारी कुएं में 19 वर्षीय युवक का शव मिला। मृतक की पहचान गांव के ही रिंशुइ पिता दिनेश जैतवार 19 वर्ष के रूप में हुई है। युवक पिछले करीब 20 घंटे से अपने घर से लापता था। कुएं में शव मिलने की सूचना पर परिजनों सहित पूरे गांव में शोक का माहौल निर्मित हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रिंशुइ जैतवार के माता-पिता खेती-किसानी करते हैं। परिवार में दो भाई हैं। रिंशुइ बी-फार्मा की पढ़ाई कर रहा था। बताया गया है कि 21 नवंबर की रात करीब 11 बजे से रिंशुइ अचानक घर से लापता हो गया था। उसके घर नहीं लौटने पर परिजन चिंतित हो गए और 22 नवंबर की सुबह से ही उसकी तलाश शुरू कर दी।परिजनों ने गांव-मोहल्ले, आसपास के खेतों, पड़ोसियों और रिश्तेदारी वाले गांवों में उसकी तलाश की लेकिन काफी प्रयासों के बाद भी उसका कहीं पता नहीं चल पाया। परिवार के लोग लगातार उसकी खोजबीन में जुटे हुए थे। इसी दौरान 22 नवंबर की शाम घर के सामने स्थित एक सरकारी कुएं में रिंशुइ का शव दिखाई दिया। कुएं में शव मिलने की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना रामपायली पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही रामपायली थाने में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक महलसिंह धुर्वे पुलिस स्टाफ के साथ ग्राम बोदलकसा पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कुएं से शव बाहर निकालने की कार्रवाई शुरू करवाई। काफी प्रयासों के बाद शाम करीब 7:30 बजे रिंशुइ के शव को कुएं से बाहर निकाला गया। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए रामपायली अस्पताल भिजवाया जहां शव को अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया है। 23 नवंबर की शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। जिसके बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। फिलहाल रिंशुइ की कुएं में किन परिस्थितियों में मौत हुई, इसका स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। युवक स्वयं कुएं में गिरा या घटना के पीछे कोई अन्य कारण है, यह जांच का विषय है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही युवक की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

बैंकिंग सेक्टर में शानदार नौकरी का अवसर

- FOS COLLECTION TEAM LEADER (TL)
- SBI FOS COLLECTION EXECUTIVE
- SEWA SARTHI / BANKING OPERATIONS

सैलरी 22,000 to 25,000+ अतिरिक्त

JOB LOCATION: balaghat. Seoni. Mandla. jabalpur

RSM JOB PLACEMENT
Recruitment | Manpower Service
8964873418

अतिशीघ्र आवश्यकता है

बैंक एटीएम हॉस्पिटल में जॉब लोकेशन छिंदवाड़ा मंडला, सिवनी बालाघाट सिक्योरिटी गार्ड 17500 सुपरवाईजर 22500 अस्पताल में रिसेप्शनिस्ट 18500/ ड्यूटी 8 घंटे 26 दिन रहने की व्यवस्था
8964873418

श्री गोपाल स्मृति एग्रो (प्रा.लि.) बालाघाट द्वारा उत्पादित 'जम्बूनीर' एडेड मिनरल (वाटर) बाटलिंग प्लांट के लिये वितरक नियुक्त किया जाना है जिस हेतु जिले के सभी तहसीलों से इच्छुक व्यापारी संपर्क करें। कार्या. वार्ड नं. ३३ मोतीनगर, बालाघाट
संपर्क सूत्र 9425447638, 9770674420

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध



निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सड़क हादसा नहीं, 10 लाख की सुपारी देकर कराई गई थी रियांश की हत्या, 5 गिरफ्तार, एक फरार

पहले लोहे के एंगल से सिर पर किया ताबड़तोड़ वार और फिर सड़क हादसे का रचाया ड्रामा, प्रेम संबंध बने 20 वर्षीय रियांश चौहान की मौत की वजह, युवती के पिता और भाई ने रची थी हत्या की खूनी साजिश, हट्टा पुलिस ने पांच दिन की सघन जांच में सुलझाई अंधी हत्या की गुत्थी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र में 20 वर्षीय युवक रियांश चौहान की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने ऐसा सनसनीखेज खुलासा किया है, जिसने प्रेम संबंधों की आड़ में रची गई खूनी साजिश की पूरी कहानी उजागर कर दी है।जिस घटना को शुरुआत में सड़क दुर्घटना बताने की कोशिश की गई थी, वह दरअसल एक सुनियोजित हत्या निकली।रियांश की हत्या के लिए न केवल पूरी योजना बनाई गई, बल्कि हत्या को दुर्घटना का रूप देकर पुलिस को गुमराह करने की भी साजिश रची गई थी। पुलिस की पांच दिनों की सघन विवेचना, तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और संदेहियों से लगातार पूछताछ के बाद इस अंधे हत्या कांड की गुत्थी सुलझ गई।जिसमे पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि एक कि तलाश जारी है।



युवती के पिता और भाई ने रची थी रियांश कि हत्या की साजिश,10 लाख का ऑफर

पुलिस जांच में सामने आया कि ग्राम नाहरवानी की एक युवती के साथ रियांश के प्रेम संबंधों से नाराज युवती के पिता जीवन पटले और भाई आशुतोष पटले ने उसकी हत्या की योजना बनाई थी। आरोप है कि दोनों ने चार युवकों को रियांश की हत्या करने के एवज में 10 लाख रुपये देने का लालच दिया।इसके बाद आरोपियों ने ग्राम परासपानी की मंड़ई में मौजूद रियांश को अपने साथ सुनसान स्थान पर ले जाकर पहले शराब पिलाई और फिर लोहे के एंगल से उसके सिर के पीछे ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद शव को उसकी एक्टिवा के साथ सड़क किनारे रख दिया, ताकि पूरा मामला सड़क हादसा प्रतीत हो। पुलिस ने इस मामले में अब तक 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है।

सड़क हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस, घटनास्थल ने खोली हत्या की आशंका

ग्राम जानकारी के अनुसार 17 नवंबर 2026 को थाना हट्टा पुलिस को लोहारा से परासपानी मार्ग पर बांधा तालाब के पास सड़क दुर्घटना होने की सूचना मिली थी।सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची, जहां एक युवक का शव लहूलुहान अवस्था में पड़ा हुआ था और उसके पास ही एक्टिवा वाहन भी पड़ा था। पहली नजर में मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत कराने का प्रयास किया गया था, लेकिन घटनास्थल की परिस्थितियों और उपलब्ध साक्ष्यों का बारीकी से निरीक्षण करने पर पुलिस को मामला संदिग्ध लगा। पुलिस ने मृतक की पहचान रियांश पिता दिनेश चौहान, उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम नाहरवानी के रूप में की। शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवक की मौत हत्या से होने की पुष्टि होने के बाद थाना हट्टा में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

प्रेम संबंधों को लेकर पहले भी हुआ था विवाद, फिर रची गई हत्या की साजिश

मामले की जांच में पुलिस के सामने जो कहानी आई, उसने इस वारदात के पीछे छिपी दुश्मनी को उजागर कर दिया। विवेचना में पता चला कि रियांश चौहान का ग्राम नाहरवानी की एक युवती के साथ प्रेम संबंध था। इस रिश्ते को युवती के पिता जीवन पटले और भाई आशुतोष पटले पसंद नहीं करते थे। इसी बात को लेकर पूर्व में रियांश और युवती के भाई के बीच कहासुनी एवं विवाद भी हो चुका था। बताया गया कि इसी नाराजगी और रंजिश के चलते आशुतोष पटले ने रियांश को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। इस योजना में उसके पिता जीवन पटले की भी भूमिका सामने आई। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने रियांश की हत्या करवाने के लिए चार युवकों को 10 लाख रुपये देने का लालच दिया। इसके बाद हत्या की पूरी पटकथा तैयार की गई और मौका मिलते ही वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई गई।

मंड़ई में मिला रियांश, बहाने से सुनसान जगह ले गए आरोपी

पुलिस विवेचना के अनुसार 16 नवंबर 2026 की रात ग्राम परासपानी में मंड़ई का आयोजन था। इस दौरान रियांश चौहान भी वहां मौजूद था। इसी मौके की आरोपियों ने अपनी साजिश को अंजाम देने के लिए चुना।चारों युवक रियांश को अपने साथ लेकर एक सुनसान स्थान पर पहुंचे, जहां उसे शराब पिलाई गई। आरोपियों ने मौका पाकर लोहे के एंगल से उसके सिर के पीछे जोरदार वार किया, जिससे वह बेसुध होकर गिर पड़ा।इसके बाद भी आरोपियों ने उस पर लोहे के एंगल से दोबारा वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने शव को सड़क किनारे उसकी एक्टिवा के साथ रख दिया। उनका मकसद यह था कि पुलिस और स्थानीय लोगों को युवक की मौत सड़क दुर्घटना में होना प्रतीत हो और हत्या की सच्चाई सामने न आ सके। हालांकि घटनास्थल के साक्ष्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने आरोपियों की इस साजिश को बेनकाब कर दिया।

पांच दिनों तक पुलिस की सघन जांच, तकनीकी साक्ष्यों से खुलती गई परतें

अंधे हत्या कांड की इस गंभीर वारदात को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया पुलिस अधीक्षक बालाघाट मलय जैन के निर्देशन में तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस लांजी दीपक तोमर की अगुवाई में विशेष टीम गठित की गई। थाना प्रभारी हट्टा निरीक्षक शैलेन्द्र पटेल के नेतृत्व में पुलिस ने घटनास्थल का वैज्ञानिक तरीके से परीक्षण किया। आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए, तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया और घटना से जुड़े संभावित लोगों की गतिविधियों की जानकारी जुटाई गई। 16 नवंबर की दरम्यानी रात आरोपियों के आवागमन और संदिग्ध गतिविधियों को लेकर जानकारी एकत्रित की गई। इसके बाद संदेहियों को चिन्हित कर उनसे अलग-अलग पूछताछ की गई। लगातार पांच दिनों तक चली सघन विवेचना में पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले और पूछताछ के दौरान आरोपियों ने रियांश की हत्या करना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने वारदात में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों में इनका शमावेश

पुलिस ने इस हत्याकांड में अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें यश पारधी पंवार उम्र 20 वर्ष निवासी शिवलाल टोला परासपानी, यश पटले उम्र 20 वर्ष निवासी परासपानी, विकास उर्फ बग्गा चौधरी उम्र 27 वर्ष निवासी परासपानी, युवती का भाई आशुतोष पटले उम्र 20 वर्ष निवासी नाहरवानी और युवती का पिता जीवन पटले उम्र 46 वर्ष निवासी नाहरवानी थाना हट्टा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार प्रकरण में एक अन्य आरोपी की भूमिका भी सामने आई है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार प्रयास कर रही है। आरोपियों की निशानदेही पर वारदात के दौरान पहने गए कपड़े, मोबाइल फोन तथा मुख्य घटनास्थल से खून लगी मिट्टी सहित अन्य महत्वपूर्ण भौतिक साक्ष्य जब्त किए गए हैं।

हत्या के साथ साक्ष्य छिपाने और पुलिस को गुमराह करने की भी कोशिश

पुलिस ने प्रकरण में प्रारंभिक रूप से दर्ज धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के साथ विवेचना के दौरान धारा 61(2), 49, 3(5) और 238 भारतीय न्याय संहिता का इजाफा किया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ एवं जब्त साक्ष्यों के आधार पर पुलिस मामले की आगे की विवेचना कर रही है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपी को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

पिकअप में क्रूरतापूर्वक भरकर ले जाए जा रहे तीन बैल मुक्त

महाराष्ट्र के कत्लखाने ले जाने की थी तैयारी, पिकअप वाहन जप्त ; एक आरोपी गिरफ्तार-दूसरे के खिलाफ भी मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी पुलिस ने गोवंश की अवैध तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन बैलों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया है। तस्करी के लिए इस्तेमाल किए जा रहे बोलेरो पिकअप वाहन को पुलिस ने जप्त कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है वहीं वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मूक कराए गए तीनों बैलों को सुरक्षित देखभाल के लिए गौशाला भेजने की व्यवस्था की गई है। खैरलांजी पुलिस के मुताबिक 22 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक बोलेरो पिकअप वाहन में तीन बैलों को ठूंस-ठूंसकर और क्रूरतापूर्वक भरकर महाराष्ट्र राज्य के कत्लखाने ले जाया जा रहा है। सूचना में बताया गया था कि वाहन खैरलांजी क्षेत्र से होकर महाराष्ट्र की ओर जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की योजना बनाई और पुलिस टीम को रवाना किया।पुलिस टीम ने खैरलांजी से किन्ही रोड पर घेराबंदी कर संदिग्ध बोलेरो पिकअप वाहन को रोक लिया। वाहन के बाहर हरे रंग की जालीदार मैटी बंधी हुई थी। पुलिस ने जब वाहन की जांच के लिए जाली खोलकर अंदर देखा तो उसमें तीन बैल बेहद अमानवीय तरीके से ठूंस-ठूंसकर भरे हुए मिले। बैलों को इस तरह से वाहन में रखा गया था कि उन्हें पर्याप्त जगह और आराम नहीं मिल पा रहा था। तीनों मवेशी चोटिल अवस्था में पाए गए। इसके बाद पुलिस ने वाहन चालक से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान चालक ने अपना नाम नितिन पिता सोम पारधी 28 वर्ष ग्राम जूनी गली माता वार्ड, डोरली.थाना तुमसर, जिला भंडारा (महाराष्ट्र) निवासी बताया। पुलिस द्वारा मवेशियों के परिवहन के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे जाने पर चालक कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में चालक नितिन पारधी ने पुलिस को बताया कि उक्त तीनों बैल इमारचंद तुरकर ग्राम साकड़ी थाना सिहोरा जिला भंडारा (महाराष्ट्र)निवासी के कहने पर बोलेरो पिकअप वाहन से महाराष्ट्र राज्य के कत्लखाने ले जाए जा रहे थे। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने इमारचंद तुरकर को भी इस मामले में आरोपी बनाया है।पुलिस ने इस प्रकरण में आरोपी नितिन पारधी एवं इमारचंद तुरकर के विरुद्ध मध्यप्रदेश गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 की धारा 4, 6 एवं 9, मध्यप्रदेश कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4 एवं 6 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। पुलिस ने वाहन चालक नितिन पारधी को गिरफ्तार कर लिया है तथा तस्करी में प्रयुक्त बोलेरो पिकअप वाहन को जप्त कर लिया है।वहीं पुलिस ने कार्रवाई के दौरान मुक्त कराए गए तीनों बैलों की सुरक्षा एवं देखभाल को ध्यान में रखते हुए उन्हें गौशाला कच्चेखनी भिजवाने की व्यवस्था की है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी शशांक राणा के मार्गदर्शन में प्रधान आरक्षक वीरेंद्र सिंह नागभिर, प्रधान आरक्षक विवेक ठाकरे, प्रधान आरक्षक रमेश ठाकरे,आरक्षक पुनीत बघेल आरक्षक दयानंद दोहरे की सराहनीय भूमिका रही।



पिता को पॉलीथिन और बिस्तर में रस्सी से बांधा, फिर पेट्रोल डालकर लगा दी थी आग

80 वर्षीय पिता को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने ले आरोप में पुत्र गिरफ्तार, बेटी को संपत्ति में हिस्सा और पिता की पेंशन देना बेटे को नहीं था मंजूर, सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा, फरार आरोपी बेटा अनिल खोब्रागड़े गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बेटी को पिता की संपत्ति में हिस्सा देना और उसे पेंशन सहित शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाना एक कुपूत बेटे को इतना नागवार गुजरा कि उसने रिश्तों को शर्मसार करते हुए अपने ही 80 वर्षीय पिता को पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया। लांजी थाना क्षेत्र के ग्राम सोगालपुर में हुई इस दिल दहला देने वाली वारदात में पुलिस ने फरार आरोपी बेटे अनिल खोब्रागड़े को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पिता को पॉलीथिन और बिस्तर में रस्सी से बांधकर पेट्रोल छिड़का और आग के हवाले कर दिया था। घटना के बाद से वह पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए फरार था। पीएम रिपोर्ट, एफएसएल जांच और परिजनों के बयान के आधार पर पुलिस ने मामले की गुत्थी सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है।



14 नवंबर को घर के कोने में मिला था अधजला शव

ज्ञात हो कि 14 नवंबर को लांजी थाना पुलिस को ग्राम सोगालपुर में घर के एक कोने में डूडेश्वर पिता टीकाराम खोब्रागड़े (80) का अधजला शव मिला था। बुजुर्ग की इस संदिग्ध मौत ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी। शुरुआती जांच में मामला सामान्य आगजनी का नहीं, बल्कि हत्या का प्रतीत हो रहा था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाते हुए एफएसएल जांच कराई। इसके साथ ही परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों से पूछताछ की गई। जांच की कड़ियां जुड़ने के बाद पुलिस को हत्या के पीछे पारिवारिक विवाद और संपत्ति का कारण सामने आया।

विवाद के बाद पिता को बनाया आग का शिकार

बताया गया कि 13 नवंबर की रात भी इसी बात को लेकर अनिल का अपने पिता डूडेश्वर से विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी ने अपने ही पिता की हत्या की साजिश को अंजाम दे दिया। उसने पिता को पॉलीथिन और बिस्तर में रस्सी से बांधा, फिर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इस अमानवीय वारदात में 80 वर्षीय बुजुर्ग की दर्दनाक मौत हो गई। अगले दिन सुबह जब बेटी रोजाना की तरह पिता को नाश्ता देने घर पहुंची तो वहां पिता का अधजला शव पड़ा मिला। घटना के बाद आरोपी बेटा मौके से फरार हो गया था।

5 दिन बाद पुलिस के हाथ लगा आरोपी

बताया गया कि घटना के बाद लांजी पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए साक्ष्यों और तकनीकी पहलुओं की जांच शुरू की। पीएम रिपोर्ट, एफएसएल जांच और परिजनों के बयानों से मिले तथ्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी बेटे अनिल खोब्रागड़े को चिन्हित किया। लगातार तलाश के बाद रविवार को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। अपने ही पिता की निर्मम हत्या के इस मामले में बेटे की गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र में घटना को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। जिस पिता ने बेटे को पाल-पोसकर बड़ा किया, उसी बेटे ने संपत्ति में बेटी के हिस्से और पिता की पेंशन को लेकर उपजे विवाद में उनकी जिंदगी छीन ली।

बेटी को हिस्सा देने और पेंशन दिलाने से नाराज था पुत्र- दीपक तोमर

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान लांजी एसडीओपी दीपक तोमर ने बताया कि आरोपी अनिल खोब्रागड़े अपने पिता से इस बात को लेकर नाराज रहता था कि वे अपनी संपत्ति में से बेटी को हिस्सा देना चाहते थे। इतना ही नहीं, पिता द्वारा बेटी को पेंशन सहित अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने की बात भी उसे खटकती थी। इसी नाराजगी के चलते वह पिता को नाश्ता और भोजन देने आने वाली अपनी वहन के साथ-साथ बड़े भाई को भी ऐसा करने से मना करता था। परिवार में इस बात को लेकर आए दिन विवाद की स्थिति बनी रहती थी।उसी ने ही पिता को बिस्तर में बांधकर पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी।जिससे बुजुर्ग की मौत हो गई थी।इस मामले में आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर लिया गया है वैधानिक कार्यवाही जारी है।

जिले की मंडई एवं मेलों में खाद्य सुरक्षा पर रहेगी विशेष निगरानी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में दीपावली के बाद आयोजित होने वाली मंड़ई एवं मेलों में खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा विशेष निगरानी व्यवस्था बनाई गई है। कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन, राजस्व, ग्रामीण विकास एवं पुलिस विभाग के समन्वय से जिलेभर में खाद्य दुकानों का निरीक्षण किया जाएगा। इसके लिए एसडीएम द्वारा अपने-अपने अनुभाग में आयोजित होने वाली मंड़ई एवं मेलों की तिथि और स्थान की जानकारी खाद्य सुरक्षा विभाग को उपलब्ध कराई गई है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के साथ तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी एवं पंचायत अमला भी निगरानी में सहयोग करेगा। मंड़ई मेले में खाद्य सामग्री बेचने वाले विक्रेताओं की सूची तैयार कर उनके खाद्य पंजीयन एवं लाइसेंस की जांच की जाएगी। निरीक्षण के दौरान बासी भोजन, खराब मिठाई, दूषित पेयजल, सड़े-गले फल तथा मिलावटी खाद्य सामग्री की बिक्री पर विशेष नजर रखी जाएगी। चाऊमीन, चाट-पकौड़ी, मिठाई, पानी-पुरी, खोवा, दूध, जूस एवं अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की जाएगी। खाद्य सामग्री को खुल-मिट्टी और मक्खियों से बचाने के लिए ढककर रखने, साफ पानी का उपयोग करने तथा खाना बनाने एवं परोसने वाले स्थान पर स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

भक्तिभाव और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया श्री सत्य सांई बाबा का 101 वां जन्मोत्सव





बुट्टा ह. में जन्म जयंती सप्ताह समारोह का हुआ समापन, बाल विकास के बच्चों ने मूल्य गीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम की दी प्रस्तुति

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 14 किमी. दूर ग्राम पंचायत बुट्टा ह. स्थित पौराणिक शिव मंदिर परिसर में गत 17 नवंबर से जारी भगवान श्री सत्य सांई बाबा का 101 वां जन्म जयंती सप्ताह समारोह का 22 नवंबर को विविध धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित कर समारोहपूर्वक समापन किया गया। इस अवसर पर 22 नवंबर को प्रातः सुप्रभातम्, नगर संकीर्तन किया गया, जिसके बाद सुबह 9 बजे शिव मंदिर परिसर से भगवान श्री सत्य सांई बाबा की शोभायात्रा निकाली गई जो पंवारीटोला, सागरटोला सहित ग्राम का भ्रमण करते हुए वापस कार्यक्रम स्थल पहुंची एवं दोपहर 1 बजे से बाल विकास के छात्र-छात्राओं के द्वारा मूल्य गीत व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी गई। जिसके बाद सांई मंडलों के द्वारा सांई बाबा की जीवनी पर आध्यात्म कथा का वाचन किया गया।

केक काटकर मनाया गया जन्मोत्सव

वहीं शाम 4 बजे पांच भजन, जन्म जयंती गीत के बाद सांई बाबा का केक काटकर जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। तत्पश्चात महामंगल आरती व विभूति प्रसादी के बाद भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण कर श्री सत्य सांई बाबा के 101 वां जन्म जयंती समारोह कार्यक्रम का समापन किया गया। इस श्री सत्य सांई बाबा के 101 वें जन्मोत्सव के अवसर पर समिति के द्वारा ग्राम के एक दर्जन से अधिक वृध्दजनों को कंबल वितरण कर उनका सम्मान किया गया। वहीं 17 नवंबर से जारी श्री सत्य सांई बाबा के जयंती कार्यक्रम से पूरा ग्राम भक्तिमय हो गया और आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से सभी से कहा गया कि मानव सेवा ही माधव सेवा है, सबसे प्रेम करों, सबकी सेवा करों इसलिए जीवन में आये है तो अच्छा कर्म करें और श्री सत्य सांई बाबा के बताये मार्ग पर चलकर अपने जीवन को बेहतर बनाने एवं बाबा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही गई। चर्चा में श्री सत्य सांई सेवा समिति बुट्टा ह. संयोजक लक्ष्मीनारायण झंझाड़े ने बताया कि गत 17 नवंबर से 22 नवंबर तक श्री सत्य सांई बाबा का 101 वां जन्म जयंती सप्ताह समारोह मनाया गया और इस अवसर पर प्रतिदिन सुबह नगर संकीर्तन सहित अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया एवं अंतिम दिन सुबह प्रभात रैली निकाली गई। जिसके बाद दोपहर में बाल विकास के बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया एवं शाम में केक काटकर बाबा का जन्मोत्सव मनाया गया। तत्पश्चात महामंगल आरती के बाद भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण किया गया। साथ ही ग्राम के वृध्दजनों को कंबल का भी वितरण भी किया गया है। श्री झंझाड़े ने बताया कि बाबा ने हमें शिक्षा दी है कि मानव सेवा ही माधव सेवा है, मनुष्य की सेवा भगवान की सेवा के बराबर है इसलिए मानव जीवन में आये है तो प्रत्येक व्यक्ति को अच्छे कर्म करते हुए जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए। इस अवसर पर श्री सत्य सांई सेवा समिति के जिलाध्यक्ष अमित तिवारी, जिला पदाधिकारी डॉ. शिव गौतम सहित श्री सत्य सांई सेवा समिति बुट्टा ह. के पदाधिकारी, सदस्यगण एवं श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहें।

औल्याकन्हार में लोक सांस्कृतिक 'धरोहर' छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत औल्याकन्हार में 23 नवंबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। इस वर्ष मेले का मुख्य आकर्षण छत्तीसगढ़ का सुप्रसिध्द



लोककला मंच महादेव हिरवानी कृत 'धरोहर' रहेगा, जिसमें आकाशवाणी एवं दूरदर्शन से जुड़े 35 कलाकार अपनी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। चर्चा में मंडई-मेला समिति के कोषाध्यक्ष सुरेश नागेश्वर ने बताया कि ग्राम में वर्षों से पारंपरिक रूप से मंडई मेले का आयोजन होता आ रहा है। गत वर्ष सर्वसमाज की सामूहिक बैठक में आपसी सहमति से चौदस मंडई आयोजित करने का निर्णय लिया गया था। ग्रामीणों के सहयोग से इस वर्ष मंडई को भव्य स्वरूप दिया जा रहा है। इस दिन-रात की मंडई के अवसर पर 23 नवंबर को रात 9 बजे से ग्रामीणजनों के राञ्जिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से कन्हारपुरी राजनांदगांव (छ.स.) के लोक सांस्कृतिक 'धरोहर' छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें गायक-गायिका एवं अन्य साथी कलाकारों के द्वारा सुमधुर स्वरों में छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुतियां दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील मंडई मेला समिति के अध्यक्ष धनेन्द्र पटले, उपाध्यक्ष मुकेश चौहान, सरपंच प्रतिनिधि ओ.पी. बिसेन, कोषाध्यक्ष सुरेश नागेश्वर, सचिव शरद धानेश्वर, राकेश नागेश्वर, संदीप गुनेश्वर (वार्ड पंच),मो. सुलेमान खान, महेंद्र चौहान, मनोज नागेश्वर, शिवप्रसाद राणा, दुर्गेश यादव, कृष्णा सहारे, रोहित हरिद्राज, प्रमेन्द उर्फ गोलू नागेश्वर, सुनील बिसेन, संतोष सोनवाने, अरूण बिसेन, हुसैन भाई, शीलू ब्रम्हे, कमल मेश्राम, दीपक यादव, विकेश चौहान, तपेश रंगारे, शांतनु भारद्वाज, अंकित भारद्वाज, राहुल ब्रम्हे, राजकुमार यादव, मंगल सहारे, संतोष नागेश्वर, विजय नागेश्वर, राजा हरिद्राज, सनम ब्रम्हे, लोकेश बिसेन, भवन ब्रम्हे, सम्पत यादव, दीपक वराड़े, विजेन्द्र मराठा, सुमित हरिद्राज, सतीश नागेश्वर, प्रहलाद बिसेन सहित समिति के सभी पदाधिकारी, सदस्य एवं ग्रामीणजनों ने की है।

डामेन्द्र धानेश्वर करेगें नर्मदा परिक्रमा, 24 नवंबर को ओंकारेश्वर से यात्रा का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाले शिक्षाविद् एवं कुशल कोच डामेन्द्र धानेश्वर आगामी 24 नवंबर से माँ नर्मदा की पैदल परिक्रमा पर निकलने जा रहे हैं। वे अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा का शुभारंभ पवित्र तीर्थस्थल ओंकारेश्वर से करेंगे। श्री धानेश्वर शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शन के क्षेत्र में एक जाना-पहचाना नाम हैं। उनके मार्गदर्शन और निर्देशन में सैकड़ों विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर शासकीय सेवाओं में चयनित हो चुके हैं तथा वर्तमान में प्रदेश के विभिन्न विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। युवाओं को सही दिशा, उचित मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत के लिए प्रेरित करना उनकी विशेष पहचान रही है। साथ ही डामेन्द्र धानेश्वर स्वयं भी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता की एक मिसाल रहे हैं। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय भर्ती परीक्षा 2009 में उन्होंने प्रदेश में टॉप किया था। इसके अतिरिक्त उनका चयन पटवारी एवं शिक्षक भर्ती परीक्षाओं में भी हुआ था। उन्होंने शासकीय सेवक के रूप में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ एवं जबलपुर की मुख्यपीठ तथा जिला न्यायालय बालाघाट में कार्य किया। हालांकि शासकीय सेवा में लंबे समय तक कार्य करने के बाद उन्होंने अपने जीवन की दिशा बदलने का निर्णय लिया। पारंपरिक नौकरी के बजाय उन्हें युवाओं के भविष्य निर्माण और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के कार्य में अधिक संतुष्टि दिखाई दी। इसके बाद उन्होंने शासकीय सेवा से अलग होकर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देना प्रारंभ किया। आज उनके मार्गदर्शन में सफल हुए सैकड़ों विद्यार्थी उनकी इस शैक्षणिक यात्रा की उपलब्धि हैं। अब श्री धानेश्वर अपने जीवन के एक नये अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं। माँ नर्मदा के प्रति अटूट श्रध्दा, आध्यात्मिक जिज्ञासा और आत्मिक शांति की अभिलाषा से प्रेरित होकर उन्होंने पैदल नर्मदा परिक्रमा का संकल्प लिया है। उनका मानना है कि नर्मदा परिक्रमा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि स्वयं को जानने, आत्मानुशासन विकसित करने और प्रकृति के साथ जुड़ने का अनुपम अवसर है। माँ नर्मदा भारतीय संस्कृति, आस्था और जीवनदायिनी प्रकृति की प्रतीक हैं। उनकी परिक्रमा के माध्यम से मनुष्य को त्याग, तपस्या, धैर्य, संयम और सेवा जैसे जीवन मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती है। श्री धानेश्वर ने बताया कि पैदल परिक्रमा के दौरान वे सादगी, अनुशासन और सात्विक जीवनशैली को अपनाते हुए माँ नर्मदा के तटों पर स्थित धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन करेंगे। साथ ही मार्ग में मिलने वाले संतों, साधुओं और श्रध्दालुओं से आध्यात्मिक विचारों का आदान-प्रदान भी करेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सैकड़ों युवाओं को शासकीय सेवा तक पहुंचाने वाले डामेन्द्र धानेश्वर का अब आध्यात्मिक यात्रा पर निकलना समाज के लिए एक प्रेरणादायी संदेश है। उनका यह कदम बताता है कि जीवन में सफलता केवल पद, प्रतिष्ठा और उपलब्धियों तक सीमित नहीं होती, बल्कि आत्मिक संतुष्टि, सेवा, संस्कार और स्वयं को बेहतर बनाने की यात्रा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।



लालबर्रा में भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है श्री सत्य सांई बाबा का जन्मोत्सव





पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पीछे अस्पताल कॉलोनी के मनकामेश्वर शिव मंदिर प्रांगण में गत 17 नवंबर से भगवान श्री सत्य सांई बाबा का 101 वां जन्म शताब्दी महोत्सव सप्ताह बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। इस सात दिवसीय जयंती समारोह के अंतर्गत प्रतिदिन विविध धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में महोत्सव के छठवें दिन 22 नवंबर को बाल विकास के बच्चों द्वारा नगर में भव्य रैली निकाली गई। कार्यक्रम स्थल से प्रारंभ हुई यह रैली नगर मुख्यालय के प्रमुख चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए वापस मंदिर प्रांगण पहुंचकर संपन्न हुई। इस रैली के माध्यम से बच्चों ने नगरवासियों को 'मानव सेवा ही माधव सेवा है' का संदेश दिया। साथ ही सबसे प्रेम करने, निःस्वार्थ सेवा करने, जरूरतमंदों की हरसंभव मदद करने और बाबा के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का आव्हान किया। साथ ही इस महोत्सव के दौरान प्रतिदिन सुबह 5.30 बजे से 6.30 बजे तक ओंकारम्, सुप्रभातम् और नगर संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। वहीं शाम 6.30 बजे से रात 8.30 बजे तक सुमधुर भजन, सांई कथा, आध्यात्मिक प्रश्नोत्तरी, बाल विकास के बच्चों की प्रस्तुतियां, सांई संदेश और महामंगल आरती संपन्न हो रही है। इस दौरान सांई बाबा के भक्तजन बड़ी संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है।

आज होगा समारोह का भव्य समापन

भगवान श्री सत्य सांई बाबा का 101 वां जन्म शताब्दी महोत्सव सप्ताह के अंतिम दिन 23 नवंबर को दोपहर 12 बजे ध्वजारोहण के पश्चात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (अस्पताल) में जाकर मरीजों की सेवा एवं फल वितरण किया जायेगा। जिसके बाद शाम 6.30 बजे से माँ सरस्वती प्रांगण लालबर्रा में विशेष भजन संध्या, बाल विकास के बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण का आयोजन होगा। वहीं अंत में महामंगल आरती और महाप्रसादी वितरण के साथ भगवान श्री सत्य सांई बाबा के 101 वें जन्म शताब्दी महोत्सव का समारोहपूर्वक समापन किया जायेगा। चर्चा में श्री सत्य सांई समिति के जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने बताया कि भगवान श्री सत्य सांई बाबा का 101 वां जन्मोत्सव सप्ताह 17 नवंबर से 23 नवंबर तक मनाया जा रहा है। जिसमें प्रतिदिन सुबह 5.30 बजे से 6.30 बजे तक ओमकारम्, सुप्रभातम्, नगर संकीर्तन, शाम 6.30 बजे से रात 8.30 बजे तक भजन, सांई कथा, आध्यात्मिक प्रश्नोत्तरी, बाल विकास बच्चों के कार्यक्रम, सांई संदेश, महामंगल आरती की जाती है एवं 22 नवंबर को बाल विकास के बच्चों की रैली निकाली गई। श्री तिवारी ने बताया कि 23 नवंबर को दोपहर 12 बजे ध्वजारोहण एवं अस्पताल का विजिट किया जायेगा, शाम 6.30 बजे से माँ सरस्वती प्रांगण लालबर्रा में विशेष भजन बाल विकास बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुरस्कार वितरण, महामंगल आरती के बाद प्रसादी का वितरण के साथ ही भगवान श्री सत्य सांई बाबा का 101 वें जन्म जयंती समारोह का समारोहपूर्वक समापन किया जायेगा। इस अवसर पर श्री सत्य सांई सेवा समिति लालबर्रा की महिलाएं एवं श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रामजीटोला के प्राचीन मंदिर में दिन-रात का मेला 24 को

दिनभर चलेंगे धार्मिक अनुष्ठान व पूजन, रात में छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच की होगी प्रस्तुति

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांडरवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम रामजीटोला स्थित प्राचीन बालाजी मंदिर में 24 नवंबर को दिन-रात का भव्य मेला आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर दिनभर मंदिर में विविध धार्मिक अनुष्ठान एवं पूजन कार्यक्रम संपन्न होगा एवं रात 9 बजे से धार्मिक, सांस्कृतिक, छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच (धरती के सिंगार) छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में मेला समिति के अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर रामजीटोला में दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रातः 11 बजे से मंदिर में पूजा पाठ किया जायेगा, दोपहर 2 बजे से कड़ाई (कथापूजन) का कार्यक्रम संपन्न होगा, जिसमें



क्षेत्र से आने वाले श्रध्दालु भक्तजन भी पूजन कार्य में शामिल होंगे, जिसके बाद रात 8 बजे से टीपुर और दीया जलाने का आयोजन किया गया है। श्री यादव ने बताया कि मेले के अवसर पर क्षेत्रीयजनों के राञ्जिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच 'धरती के सिंगार' भोथीपार कला सिंगोला राजनांदगांव (छ.ग.) का छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस सांस्कृतिक संध्या में गायक के रूप में विजेन्द्र साहू व नारायण महानंद तथा गायिका के रूप में पोति यादव व हीना साहू अपनी प्रस्तुति देंगे। यह कार्यक्रम शासकीय प्राथमिक शाला रामजीटोला के समीप आयोजित होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील मेला समिति अध्यक्ष मनोज यादव, सचिव भुनेन्द्र पंचेश्वर, कोषाध्यक्ष महेश माने, संरक्षक डॉ. रामप्रसाद पंचेश्वर, उपाध्यक्ष लेखराम माने, समिति सदस्यों में सेवकराम माने, दीपक कावरे (बी.डी.सी.), दिलचंद पंचेश्वर, प्रेमलाल ठाकरे, अशोक पंचेश्वर, तिलक मार्ते (वार्ड नं. 5), कृष्णा लहरे (वार्ड नं. 6), विनोद पंचेश्वर (वार्ड नं. 4), टीकाराम पंचेश्वर, रामजी माने, देवन पंचेश्वर, यशवंत बाहेश्वर, हरिश माने, चमन पंचेश्वर (छोटा), चमन पंचेश्वर (बड़ा), डेबूकलाल लहरे, किशोर लहरे, ईश्वरी सिंगनधुरे, अधिषेक यादव, मनोज यादव (छोटा), सपुरनलाल पंचेश्वर, विजेन्द्र पंचेश्वर, कैलाश माने, सुरेश रावुरकर, रंजन रावुरकर, भीवलाल माते, युवराज यादव, मुकेश यादव, सुनील यादव, दीपक श्रीवास्तव सहित अन्य पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।



मेंढ़की के प्रेम नगर में ढूटी नहर की फाल क्षतिग्रस्त

मिट्टी कटाव से बायपास मार्ग पर मंडराया खतरा, मरम्मत के बावजूद चंद दिनों में टूट रही फाल,निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल







पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मेंढ़की के प्रेम नगर में स्थित ढूटी नहर के घोटी एवं गर्रा माइनर की फ ाल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। फाल से पानी के तेज बहाव के कारण आसपास की मिट्टी का लगातार कटाव हो रहा है ,जिससे नहर के किनारे गहरे गड्ढे बनने की आशंका बढ़ गई है। वहीं मिट्टी कटाव के कारण नहर के ऊपर से गुजरने वाला कच्चा बायपास मार्ग भी प्रभावित हो रहा है। इससे ग्रामीणों और किसानों के आवागमन पर खतरा मंडराने लगा है। समस्या को लेकर किसानों में नाराजगी है और उन्होंने सिंचाई विभाग से फाल की गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कराने की मांग की है।

नहर पर बालाघाट बायपास हैं मार्ग

प्राप्त जानकारी के अनुसार ढूटी बांध से निकलने वाली नहर प्रेम नगर तक पहुंचती है जहां से यह दो शाखाओं में विभाजित होकर एक गर्रा और दूसरी घोटी की ओर जाती है। इन दोनों माइनरों की फाल पानी के लगातार बहाव के कारण क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इसके चलते ना केवल फाल की संरचना टूट फूट रही है बल्कि नहर की लाइनिंग को भी नुकसान पहुंच रहा है। सबसे गंभीर स्थिति आसपास की मिट्टी के कटाव की है जिससे नहर के ऊपर बना कच्चा मार्ग भी धीरे धीरे प्रभावित हो रहा है। नहर के ऊपर बना यह कच्चा मार्ग ग्रामीणों के लिए बायपास के रूप में उपयोग किया जाता है। इसी मार्ग से किसान अपने खेतों तक पहुंचते हैं वहीं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग बालाघाट व अन्य क्षेत्र में आवागमन करते हैं। ऐसे में मिट्टी का कटाव जारी रहने से मार्ग के धंसने और दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसमें बताया जा रहा है की सिंचाई विभाग के द्वारा संबधित फ ाल का अब तक करीब तीन बार निर्माण एवं मरम्मत कराई जा चुकी है, लेकिन हर बार कुछ ही दिनों में फाल फिर से क्षतिग्रस्त हो जाती है। बार बार निर्माण के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जबकि औपचारिक मरम्मत करने के बजाय तकनीकी रूप से मजबूत और गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराया जाना चाहिए ताकि पानी के बहाव से फाल दोबारा क्षतिग्रस्त ना हो और मिट्टी कटाव पर रोक लग सके। किसानों ने सिंचाई विभाग से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त फाल का स्थायी एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराया जाए। साथ ही नहर की क्षतिग्रस्त लाइनिंग को दुरुस्त करने और आसपास हो रहे मिट्टी कटाव को रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा कार्य किए जाएं। इसके अलावा नहर की समुचित साफ सफाई कर अंदर जमा गाद निकाली जाए ताकि कुलपाों का सुचारू संचालन हो सके और किसानों के खेतों तक पर्याप्त पानी पहुंच सके।

विभाग वाले सीमेंट और गिट्टी लाकर यहां थोप देते है-देवाराम गौतम

किसान देवाराम गौतम ने बताया कि नहर की फाल में पानी गिरता है तो लहर खलारती है जिससे मिट्टी का कटाव हो रहा है। लाइनिंग कार्य जो है वह भी टूट रहा है जबकि करीब तीन बार इसे बनाया जा चुका है फिर भी टूट जाता है। विभाग वाले सीमेंट और गिट्टी लाकर यहां पर थोप देते हैं फिर पानी गिरता है और कांक्रीट उखाड़ कर बह जाता है। ऐसा कटाव फिर चालू हो गया है इसमें गुणवत्ता की हमें जानकारी तो नहीं है किंतु तीन बार बन कर टूट चुका है। इसमें सरिया का उपयोग नहीं किया गया है केवल बेस लगा देते हैं इसे बेहतर बनाना चाहिए।

निर्माण के नाम पर केवल अनियमितता बरती जा रही है-छन्नूलाल राहगंडाले

किसान छन्नूलाल राहगंडाले ने बताया कि हमारे यहां एक नहर आती है जिससे दो माइनर निकल कर एक घोटी और दूसरा गर्रा की ओर जाते हैं। यहां पर जो पानी गिरता है उसे नहर की जो पार है उसका कटाव हो रहा है फाल भी पूरी तरह टूट चुकी है। यहां निर्माण के नाम पर केवल पतली परत बिछाते हैं वह बहाव सहन नहीं कर पाती है और टूट जाती है। ऊपर से लोग आना जाना करते हैं मोटरसाइकिल इस कटाव के कारण नहर में उतारने का डर है दुर्घटना होने का डर बना रहता है बालाघाट के लिए यह बायपास मार्ग है। ग्रामीण क्षेत्र के लोग यहीं से आना जाना करते है,किस तरह इसे बनाते हैं यह तो पता नहीं परंतु पक्का निर्माण करना चाहिए ताकि मिट्टी का कटाव ना हो और भविष्य में दिक्कत की स्थिति ना बने।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर बताया कि अभी हमारे समय वहां तो काम कराया नहीं गया है ।किंतु यदि ऐसी स्थिति है तो मौका निरीक्षण किया जाएगा और आवश्यक मरम्मत का प्रस्ताव तैयार कर क्षतिग्रस्त स्थान का निर्माण करने का प्रयास किया जाएगा।

कोमल गजभिये
एसडीओ सिंचाई विभाग

ग्राम कायदी के जोड़ापाट में आज सजेगी मंडई की रौनक

छत्तीसगढ़ी एवं रीमिक्स नाइट शो रहेगा मुख्य आकर्षण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम कायदी के जोड़ापाट में आज नवयुवक शिव शक्ति मंडई समिति के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी एक दिवसीय एवं रात्रिकालीन मंडई का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को लेकर समिति के द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंडई में ग्राम कायदी सहित आसपास के अनेक गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीणों के पहुंचने की संभावना है। मंडई के दौरान दिनभर मेले की रौनक रहेगी, वहीं रात्रि में रंगारंग सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इस वर्ष आयोजन को खास और यादगार बनाने के लिए समिति के द्वारा विशेष रूप से मुस्कान आंचलिक छत्तीसगढ़ी एवं रीमिक्स नाइट शो का आयोजन किया गया है। रात्रिकालीन कार्यक्रम में कलाकार छत्तीसगढ़ी गीत संगीत एवं रीमिक्स की शानदार प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। ग्रामीणों को एक ही मंच पर गीत संगीत और मनोरंजन का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। मंडई आयोजन की विशेष पहल के रूप में क्षेत्र के वरिष्ठ बुजुर्ग नागरिकों के सम्मान समारोह का आयोजन भी किया जाएगा। रात्रि ८ बजे आयोजित होने वाले इस समारोह में वरिष्ठजनों का सम्मान कर उनके अनुभव, सामाजिक योगदान एवं मार्गदर्शन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाएगी। समिति की यह पहल समाज में बुजुर्गों के प्रति सम्मान आदर और उनके योगदान को महत्व देने की दिशा में सराहनीय प्रयास है। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इंद्रजीत भोज अध्यक्ष श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला बालाघाट उपस्थित रहेंगे। वहीं विशेष अतिथि लोम हर्ष बिसेन जिला पंचायत सदस्य बालाघाट एवं समाजसेवी रितेश पटले शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जावेद अली अध्यक्ष राहुल गांधी विचार मंच जिला बालाघाट करेंगे। नवयुवक शिव शक्ति मंडई समिति के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने ग्राम कायदी सहित वारासिवनी क्षेत्र के आसपास के सभी गांवों के नागरिकों से २३ नवंबर को आयोजित दिवसीय एवं रात्रिकालीन मंडई में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। समिति ने ग्रामीणों से वरिष्ठ बुजुर्ग नागरिकों के सम्मान समारोह में सहभागी बनने के साथ ही मुस्कान आंचलिक छत्तीसगढ़ी एवं रीमिक्स नाइट शो का आनंद लेने का आग्रह किया है। समिति ने क्षेत्रवासियों से सपरिवार मंडई में पहुंचकर आयोजन की रौनक बढ़ाने और इसे सफल एवं यादगार बनाने में सहयोग प्रदान करने की अपील की है।

कार्तिक पूर्णिमा वार्षिक महोत्सव को लेकर ग्राम किन्ही में भव्य धार्मिक आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर ग्राम किन्ही स्थित हनुमान मंदिर ईदिरा आवास कॉलोनी में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा वार्षिक महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजन की शुरुआत मंगलवार की प्रात: १० बजे अखण्ड रामायण पाठ के शुभारंभ के साथ होगी। इसके पश्चात बुधवार को अखण्ड रामायण पाठ का समापन, दशोकाला एवं दिव्य हवन का आयोजन किया जाएगा। धार्मिक अनुष्ठानों के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी वितरण किया जाएगा। वहीं रात्रि में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विशेष श्रृंखला के तहत बाराह से पधारने वाले कलाकारों के द्वारा भव्य देवी जागरण एवं आकर्षक झाँकियों की शानदार प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम में फेमस क्रिएटर अर्जुन दमाहे एवं दुर्गेश लिल्हारे की विशेष प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। आयोजन ग्राम किन्ही की ओर से समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों से सपरिवार उपस्थित होकर धार्मिक महोत्सव में सहभागिता करने तथा पुण्य लाभ अर्जित करने की सादर अपील की गई है।

हमारी पुरानी परंपरा को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी-प्रदीप जायसवाल

चिचटोला में धूमधाम से संपन्न हुआ दुय्यम शायरी का आयोजन





पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी क्षेत्र में इन दिनों मेला मंडई का दौर चल रहा है। गांव गांव में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम मची हुई है। इसी कड़ी में विगत रवि ग्राम चिचटोला खैरलांजी में भव्य दुय्यम शायरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही ग्रामवासियों ने ढोल नगाड़ों और फूल मालाओं से उनका आत्मीय स्वागत किया। देर रात्रि तक चले इस शायरी कार्यक्रम में दूर-दूर से आए शायरों ने एक से बढ़कर एक हास्य और सामाजिक प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रोताओं को खूब हंसाया और जमकर तालियां बटोरीं। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने मंच से समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों को ग्यारस एवं द्वादशी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मेला मंडई का यह समय हमारी संस्कृति,भाईचारे और परंपरा को जीवित रखने का समय है। ऐसे आयोजनों से गांव में आपसी प्रेम एकता और भाईचारा बढ़ता है। हमारी पुरानी परंपरा को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। श्री जायसवाल ने कहा कि सरकार गांव गरीब किसान महिला और युवाओं के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने ग्रामवासियों से अपील की है की सरकार की योजनाओं की जानकारी लेकर उनका पूरा लाभ उठाएं जिसमें लाड़ली बहना योजना,प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत योजना,जल जीवन मिशन,उज्ज्वला योजना का लाभ लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि योजनाएं तभी सफल होंगी जब गांव का हर पात्र व्यक्ति उसका लाभ लेगा। अधिकारियों से भी उन्होंने कहा कि किसी भी जरूरतमंद को योजनाओं से वंचित ना रखा जाए। उन्होंने भगवान श्रीराम माता तुलसी एवं मां लक्ष्मी से सभी के जीवन में सुख समृद्धि खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य बनाए रखने की मंगलकामना की। साथ ही क्षेत्र के विकास किसानों की खुशहाली और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी प्रार्थना की। इस अवसर पर सोनू जायसवाल, नरेन्द्र साहू, शोभाराम लिल्हारे,हिरनलाल सुलखिया, जयप्रकाश सुलखिया, मनीष लिल्हारे, हरिचंद गराडे, गुलाब गराडे, दीपेंद्र लिल्हारे, योगेश लिल्हारे,गौतम कुम्भलवार, सदाशिव सुलखिया उपस्थित रहे।

मंड़ई में शामिल होने गया था परिवार सूने मकान में हुई चोरी

ताला तोड़कर जेवरात और नगदी ले उड़े चोर







पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम मांझापुर स्थित साहू टोला में अज्ञात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। परिवार के सभी सदस्य कनकी मंडई कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। इसी दौरान घर की सूनी हालत का फायदा उठाकर चोरों ने मकान के सामने के दरवाजे का ताला तोड़ा और अंदर प्रवेश कर अलमारी में रखे सोने चांदी के जेवरात एवं नगदी पर हाथ साफकर दिया। रात में जब परिवार वापस लौटा तो घर का सामान बिखरा देख चोरी की जानकारी सामने आई। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मांझापुर के साहू टोला निवासी पुनाराम बोरिकर अपने परिवार के साथ निवास करते हैं। शनिवार २१ नवंबर की रात करीब ८.३० बजे परिवार के सभी सदस्य घर पर ताला लगाकर कनकी मड़ई कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। इस दौरान अज्ञात चोरों ने मौके का फ ायदा उठाते हुए मकान के सामने के दरवाजे का ताला तोड़ दिया और घर के भीतर प्रवेश कर गए। चोरों ने घर में रखी अलमारी के ताले तोड़कर उसमें रखे सोने चांदी के जेवरात और नगद राशि चोरी कर ली। इधर रात करीब १० बजे जब पुनाराम बोरिकर परिवार सहित कार्यक्रम से वापस घर पहुंचे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ देखा। घर के भीतर प्रवेश करने पर सामान अस्त व्यस्त पड़ा मिला और अलमारी के ताले टूटे हुए थे। जब उन्होंने अलमारी की जांच की तो उसमें रखे जेवरात और नगदी गायब मिले। इसके बाद तत्काल डायल ११२ एवं वारासिवनी थाना पुलिस को घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलने पर रविवार सुबह पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण कर चोरी से जुड़े साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने पीड़ित परिवार से घटना के संबंध में जानकारी लेकर आसपास के क्षेत्र में भी पड़ताल की। वहीं वारदात को अंजाम देने वाले अज्ञात आरोपियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। इस प्रकार मंड़ई कार्यक्रम के दौरान परिवार की अनुपस्थिति में हुई इस चोरी की घटना से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चिंता बढ़ गई है।

छेड़छाड़ के मामले में आरोपी गिरफ्तार न्यायालय ने भेजा जेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र में २२ वर्षीय महिला की शिकायत पर दर्ज छेड़छाड़ एवं अन्य धाराओं के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता ने १९ नवंबर को वारासिवनी थाने में उपस्थित होकर अपने साथ हुई छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपराध क्रमांक ५९६/२६ के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा ६४(१),३३२(ब), ३५१,३ अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा ३,१ डब्ल्यू,३,२,५ के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया था। मामले में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी आयुष पिता स्व.राज भुरे २४ वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक २ मटका चौक ग्राम एकोट्टी थाना वारासिवनी को २१ नवंबर को गिरफ्तार किया। इसके बाद २२ नवंबर को आरोपी को विशेष न्यायाधीश



अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम बालाघाट के न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

भारत जापान की नई रणनीतिक धुरी से बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा

19 नवंबर 2026 को टोक्यो में हुई वैची भारत-जापान 2+2 विदेश एवं रक्षा मंत्रिस्तरीय वार्ता केवल दो देशों के बीच एक कूटनीतिक बैठक नहीं थी, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका का सशक्त संकेत थी। भारत की ओर से रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर तथा जापान की ओर से विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने जिस व्यापक रणनीतिक दृष्टि के साथ संवाद किया, उसने भारत-जापान संबंधों को सुरक्षा, तकनीक, समुद्री सहयोग, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक शासन के नए आयामों से जोड़ा है। इस वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि भारत अब केवल वैश्विक शक्ति-संतुलन का दर्शक नहीं, बल्कि उसे आकार देने वाली शक्ति बन रहा है। जापान के साथ बढ़ता सहयोग इसी परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। दोनों देशों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत की प्रतिबद्धता दोहराई तथा समुद्री और वायु क्षेत्र की निगरानी, सूचना-साझेदारी, खोज एवं बचाव, साइबर सुरक्षा, एआई तथा रक्षा उद्योग में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत में जापानी आत्मरक्षा बलों द्वारा फयर्सिग रेंज के उपयोग की दिशा में समझौता और 'डिजाइन विद जापान, मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने की सहमति इस साझेदारी को घोषणाओं से निकालकर व्यावहारिक धरातल पर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यहां रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की रक्षा नीति अब केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, उसका लक्ष्य देश को रक्षा उत्पादन, तकनीक, अनुसंधान और निर्यात की दृष्टि से सक्षम बनाना है। हाल ही में रक्षा मंत्री ने बताया कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है और रक्षा निर्यात 38,000 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा है। जापान के साथ रक्षा-तकनीक और औद्योगिक सहयोग इस आत्मनिर्भरता को अंतरराष्ट्रीय तकनीकी साझेदारी से जोड़ सकता है। दूसरी ओर डॉ. एस. जयशंकर भारत की उस विदेश नीति के प्रमुख सूत्रधारों में हैं जिसने भारत को 'किसी एक खेमे' की शक्ति के बजाय अपने हितों और सिद्धांतों के आधार पर विश्व के विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ संवाद करने वाली प्रभावशाली शक्ति बनाया है। जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद-प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है। लेकिन इस पूरी तस्वीर को समझने के लिए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यापक विदेश नीति और 'निकसित भारत' के संकल्प से जोड़कर देखना आवश्यक है। प्रधानमंत्री की विदेश नीति में सुरक्षा और अर्थव्यवस्था अलग-अलग विषय नहीं हैं। आज भारत जिस देश से रक्षा तकनीक लेता है, उसके साथ व्यापार बढ़ाता है। जहां निवेश आकर्षित करता है, वहां भारतीय उद्योग के लिए बाजार भी खोजता है और जहां रणनीतिक सहयोग करता है, वहां भारतीय प्रतिभा, तकनीक और संस्कृति की प्रतिष्ठा भी स्थापित करता है। यही विदेश नीति को आर्थिक शक्ति और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा से जोड़ने की नई भारतीय शैली है। 19 नवंबर को ही नई दिल्ली में फिक्की के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने उद्योग जगत के सामने इसी दृष्टि को अत्यंत स्पष्टता से रखा। फिक्की का सम्मेलन 'भारत 2047' की थीम पर हुआ और इसमें उद्योग जगत, राजनयिकों, नीति-निर्माताओं और वैश्विक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने उद्योग से कहा कि अगले 20 वर्षों के प्रत्येक दीर्घकालिक निवेश निर्णय का आधार 'इंडिया फर्स्ट' होना चाहिए।

मनीला में भारत का महा कूटनीतिक शक्ति प्रदर्शन!

वैश्विक स्तरपर 17 नवंबर 2026 का दिन अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बनकर सामने आया है फिलीपींस की राजधानी मनीला में एक ओर 23वें आसियान भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के माध्यम से भारत ने दक्षिण - पूर्व एशिया के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को नई दिशा देने का प्रयास किया,तो दूसरी में एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी महाराष्ट्र मीडिया के हवाले से बताना चाहूंगा कि मंगलवार 17 नवंबर 2026 को शाम 4 बजे ओर क्वाड के मंच पर भारत, अमेरिका जापान और ऑस्ट्रेलिया के साझा हितों का प्रश्न वैश्विक चर्चा के केंद्र में रहा,मनीला में भारतीय पीएम,अमेरिकी राष्ट्रपति जापान की पीएम और ऑस्ट्रेलिया के पीएम के बीच क्वाड नेताओं की महत्वपूर्ण बैठक हुई,बैठक में भारतीय पीएम ने क्वाड को भारत के लिए एक रचनात्मक और विश्वसनीय साझेदारी बताते हुए कहा कि समुद्री सुरक्षा,भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखलाओं, नई तकनीकों और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में यह हिंद-प्रशांत के लिए उपयोगी समाधान उपलब्ध करा सकता है।उन्होंने अगले चरण के सहयोग के लिए ठोस लक्ष्य निर्धारित करने की अपेक्षा जताई।अमेरिकी राष्ट्रपति ने मोदी को महान नेता और अपना मित्र बताते हुए चारों देशों के संबंधों को मजबूत बताया बैठक में महत्वपूर्ण खनिजों,दुर्लभ मृदा तत्वों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमी कंडक्टर समुद्री निगरानी और संयुक्त समुद्री गश्ती अभ्यासों पर सहयोग की चर्चा हुई।द्वंद्व ने नए कृत्रिम बुद्धिमत्ता त्वरक कार्यक्रम की घोषणा भी की।यह बैठक 19 नवंबर की प्रस्तावित ट्रंप-शी जिनपिंग- पुतिन वार्ता से पहले विशेष कूटनीतिक महत्व रखती है।दक्षिण चीन सागर में चीन का बढ़ता प्रभाव होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री सुरक्षा की चुनौती,वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की अनिश्चितता और 19 नवंबर को चीन के शेन्झेन में प्रस्तावित ट्रंप-शी जिनपिंग -पुतिन की त्रिपक्षीय बैठक ने इस कूटनीतिक हलचल को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है।सवाल यह है कि क्या भारत आसियान की आर्थिक ताकत और क्वाड की रणनीतिक साझेदारी के सहारे हिंद- प्रशांत में नया शक्ति संतुलन स्थापित कर पाएगा? साथियों बात अगर हम आसियान क्या है और भारत के लिए इसकी मित्रता क्यों महत्वपूर्ण है? इसको समझने को कर्ता तो,आसियान अर्थात दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन 8 अगस्त 1967 को स्थापित हुआ था। इसका उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आर्थिक विकास, क्षेत्रीय शांति,राजनीतिक स्थिरता, व्यापार,निवेश और सामाजिक - सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देना है।वर्तमान में इसके 11 सदस्य देशहैं,इंडोनेशिया,मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रूनेई, वियतनाम, लाओस म्यांमार, कंबोडिया और पूर्वी तिमोर(तिमोर-लेस्ते) । पूर्वी तिमोर अक्टूबर 2025 में इसका11वां सदस्यबना भारत आसियान का संवाद साझेदार और व्यापक रणनीतिक साझेदार है।भारत के लिए आसियान की मित्रता इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दक्षिण-पूर्व एशिया भारत को पूर्वी एशिया, प्रशांत क्षेत्र और वैश्विक समुद्री व्यापार से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण भौगोलिक सेतु है। साथियों भारत की एक्ट ईस्ट नीति का मूल उद्देश्य केवल पूर्वी देशों के साथ व्यापार बढ़ाना नहीं,बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक,तकनीकी,सामरिक और समुद्री संबंधों को मजबूत करना भी है।जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया तक पहुंच बनाने में भी यह क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।122 अरब डॉलर से अधिक बढ़ता आर्थिक रिश्ता और 2027 की ऐतिहासिक तैयारी, भारत और आसियान के बीच व्यापारिक संबंधों की मजबूती का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वित्त वर्ष 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार लगभग 123.12 अरब डॉलर रहा,जबकि 2025 -26 में यह बढ़कर 128.38 अरब डॉलर पहुंच गया। यह भारत के वैश्विक व्यापार में आसियान की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी को दर्शाता है।भारत इस क्षेत्र से इलेक्ट्रॉनिक सामान, मशीनरी रसायन,खाद्य तेल,कोयला और ऊर्जा संबंधित वस्तुओं का व्यापार करता है,जबकि भारतीय बाजार आसियान देशों के लिए भी विशाल अवसर उपलब्ध कराता है। दोनों पक्षों के बीच मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा यानी आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते को अधिक संतुलित और कारोबार के अनुकूल बनाने की प्रक्रिया भी महत्वपूर्ण है। वर्ष 2026 को आसियान- भारत समुद्री सहयोग वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। वर्ष 2027 में दोनों के बीच संवाद संबंधों के 35 वर्ष और व्यापक रणनीतिक साझेदारी के पांच वर्ष पूरे होंगे। इसका अर्थ है कि भारत केवल वर्तमान व्यापारिक लाभ नहीं देख रहा, बल्कि आने वाले दशकों के लिए एक मजबूत क्षेत्रीय आर्थिक व्यवस्था तैयार करना चाहता है। साथियों बात अगर हम दक्षिण चीन सागर पर भारत ने क्यों खोले अपने पत्ते?इसको समझनेको कर्ता तो,इस पूरे सम्मेलन का सबसे संवेदनशील मुद्दा दक्षिण चीन सागर है।यह समुद्री क्षेत्र चीन, फिलीपींस,वियतनाम,मलेशिया, ब्रूनेई और अन्य देशों के क्षेत्रीय दावों के कारण लंबे समय से विवादों में है। चीन इस क्षेत्र के बड़े हिस्से पर अपना दावा करता है, जबकि कई दक्षिण-पूर्व एशियाई देश उसके दावों को चुनौती देते हैं। चीन और आसियान के बीच लंबे समय से आचार संहिता यानी कोड ऑफ कंडक्ट तैयार करने पर बातचीत चल रही है, जिसका उद्देश्य समुद्री विवादों को नियंत्रित करना और टकराव की आशंका कम करना है। नवंबर 2026 में लगभग 80 प्रतिशत मसौदे पर अस्थायी सहमति की खबर सामने आई, लेकिन इसकी कानूनी बाध्यता और कुछ अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर मतभेद बने रहने के कारण अंतिम समझौता नहीं हो सका। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह इन क्षेत्रीय विवादों का पक्षकार नहीं है और न ही चीन-आसियान की आचार संहिता वार्ता में शामिल है। लेकिन इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं कि भारत इस क्षेत्र के घटनाक्रम से उदासीन है। भारत का स्पष्ट मत है कि दक्षिण चीन सागर में नौवहन की स्वतंत्रता, निर्बाध समुद्री व्यापार और अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान होना चाहिए।भारत चाहताहै कि कोई भी भावी आचार संहिता संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून अभिसमय(यूएनसीएलओएस) के अनुरूप हो और उन देशों के वैध अधिकारों को प्रभावित न करे जो इस वार्ता का हिस्सा नहीं हैं। भारत के लिए यह मुद्दा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मलक्का जलडमरूमध्य सहित इस क्षेत्र के समुद्री रास्ते भारत के ऊर्जा आयात, निर्यात और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से सीधे जुड़े हैं। साथियों बात अगर हम गुरु नानक जयंती से पहलेमनीला के गुरुद्वारे में प्रधानमंत्री का आध्यात्मिक संदेश-मनीला यात्रा का एक महत्वपूर्ण और भावनात्मक पक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ऐतिहासिक गुरुद्वारा खालसा दीवान पहुंचना भी रहा। 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती के अवसर पर विश्वभर में सिख संगतों द्वारा प्रभात फेरियों, कीर्तन और सेवा गतिविधियों की तैयारियां की जा रही हैं। ऐसे आध्यात्मिक वातावरण के बीच प्रधानमंत्री का मनीला स्थित गुरुद्वारे में पहुंचना भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने वाला सटिका से अवसर बना। साथियों बात अगर हम क्वाड की महाबैठक और मोदी- ट्रंप संबंधों की नई परीक्षाको समझने की कर्ें तो मनीला में क्वाड की बैठक भारत की विदेश नीति का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम है क्वाड यानी चतुर्भुज सुरक्षा संवाद भारत,अमेरिका,जापान और ऑस्ट्रेलिया का रणनीतिक सहयोग मंच है। इसे औपचारिक सैन्य गठबंधन या नाटो जैसी व्यवस्था नहीं माना जाता, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति,सुरक्षा,आर्थिक सहयोग और नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को मजबूत करने वाला मंच माना जाता है।इस बैठक में भारतीय पीएम अमेरिकी राष्ट्रपति जापान की पीएम और ऑस्ट्रेलिया के पीएम की भागीदारी विशेष महत्व रखती है। करीब पांच महीने बाद मोदी और ट्रंप की यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है,जब भारत-अमेरिका संबंधों में शुल्क,व्यापार, रणनीतिक प्राथमिकताओं और वैश्विक राजनीतिक मुद्दों को लेकर कई ऊार-चढ़ाव देखने को मिले हैं।इसलिए यह मुलाकात दोनों देशों के बीच संवाद, विश्वास और सहयोग को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है। विशेष बात यह है कि ट्रंप इसके दो दिन बाद चीन में शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन के साथ प्रस्तावित त्रिपक्षीय बैठक में शामिल होने वाले हैं। ऐसे समय में उनका मोदी और अन्य क्वाड नेताओं के साथ बैठना हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी की रणनीतिक प्राथमिकताओं का महत्वपूर्ण संकेत माना जा सकता है।क्वाड का एजेंडा समुद्री सुरक्षा से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक- क्वाड की प्राथमिकताओं में समुद्री सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति, सेमीकंडक्टर निर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता,साइबर सुरक्षा और आर्थिक सुरक्षा शामिल हैं।तिथिवार,कोबाल्ट निकेल और दुर्लभ मृदा तत्व इलेक्ट्रिक वाहनों,बैटरियों, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और रक्षा प्रौद्योगिकी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।इनकी वैश्विक आपूर्ति में चीन की बड़ी भूमिका होने के कारण चारों देश वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित करना चाहते हैं। इसके अलावा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री निगरानी, तटरक्षक सहयोग, बंदरगाहों और ब्रुनियादी ढांचे का विकास,जलवायु परिवर्तन तथा स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे विषय भी महत्वपूर्ण हैं। भारत के लिए क्वाड का सबसे बड़ा लाभ यह है कि उसे अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ तकनीकी,आर्थिक और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने का अवसर मिलता है। लेकिन भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत रणनीतिक स्वायत्तताहै।भारत किसी एक महाशक्ति के साथ पूरी तरह बंधने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर अलग-अलग देशों के साथ संबंध विकसित करता है। यही कारण है कि भारत क्वाड में सक्रिय रहते हुए भी रूस के साथ रक्षा और ऊर्जा संबंध बनाए रखता है तथा चीन के साथ आर्थिक और कूटनीतिक संवाद के रास्ते खुले रखता है।

साथियों बात अगर हम होर्मुज में टैंकर पर हमला भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए चेतावनी को समझने की कर्ें तो मनीला में कूटनीतिक गतिविधियों के बीच 16 नवंबर को पनामा के ध्वंड वाले एलपीजी टैंकर ठारा गैस की होर्मुज जलडमरूमध्य में निशाना बनाए जाने की घटना ने वैश्विक समुद्री सुरक्षा की चिंता बढ़ा दी। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री ने 17 नवंबर को जानकारी दी कि जहाज पर सवार सभी 25 चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं, जिनमें 24 भारतीय नागरिक शामिल हैं। किसी के घायल होने की सूचना नहीं दी गई।सरकार जहाज प्रबंधन कंपनी के संपर्क में रहकर स्थिति पर निगरानी रख रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा व्यापार का अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है,जहां से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचती है।यहां किसी भी प्रकार का सैन्य या समुद्री तनाव भारत के लिए चिंता का विषय है क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए आयात पर काफी निर्भर है। इसका असर तेल और गैस की कीमतों, परिवहन लागत, महंगाई, औद्योगिक उत्पादन और वैश्विक शेयर बाजारों तक पहुंच सकता है।

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

उत्तर प्रदेश में 2027 के चुनाव की तैयारी तेज

उत्तर प्रदेश की राजनीति में वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव अभी दूर है, लेकिन सत्ता और विपक्ष दोनों ने अपनी चुनावी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। देश के सबसे बड़े राज्य की सत्ता पर काबिज रहना किसी भी राजनीतिक दल के लिए प्रतिष्ठा का विषय है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने जहां सरकार की उपलब्धियों की जनता के बीच ले जाकर लगातार तीसरी बार भाजपा की सत्ता कायम रखने की चुनौती है, वहीं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव सत्ता में वापसी के लिए नए राजनीतिक समीकरण तैयार करने में जुटे हैं। गोरखपुर में उनका 20 किलोमीटर लंबा रोड शो इसी चुनावी तैयारी का एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह केवल भीड़ जुटाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के राजनीतिक प्रभाव वाले क्षेत्र में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने का प्रयास भी है।

गोरखपुर उत्तर प्रदेश की राजनीति में सामान्य जिला नहीं है। यह योगी आदित्यनाथ की कर्मभूमि और उनकी राजनीतिक पहचान का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां अखिलेश यादव का शक्ति प्रदर्शन करना समाजवादी पार्टी की रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है। पीडीए के माध्यम से पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों को जोड़ने की उनकी कोशिश कितनी सफल होगी, इसका फैसला आने वाले समय में होगा। रोड शो में उमड़ी भीड़ से पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह जरूर बढ़ा है, लेकिन भीड़ को मतों में बदलना अलग चुनौती है। राजनीति में कई बार बड़ी सभाएं और रोड शो चुनावी वातावरण तो बनाते हैं, मगर मतदान के समय जनता का निर्णय अलग भी हो सकता है। अखिलेश यादव का भाजपा को गोरखपुर में डबल जीरो मिलने का दावा राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रदर्शन है, लेकिन चुनावी परिणाम केवल दावों से तय नहीं होते।

अखिलेश यादव ने चौरी चौरा के स्वतंत्रता संग्राम और वहां के बलिदानियों को याद करके स्थानीय इतिहास से जुड़ने का प्रयास किया। स्वतंत्रता सेनानी बाबू बंधु सिंह सहित शहीदों को श्रद्धांजलि देना अच्छी बात है। देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों का स्मरण हर राजनीतिक दल और प्रत्येक नागरिक का



दायित्व है। हालांकि राजनीतिक दलों को शहीदों के सम्मान को केवल चुनावी मंच तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उनके आदर्शों को सार्वजनिक जीवन में भी अपनाना चाहिए। गोरखपुर के विकास पर अखिलेश की टिप्पणी और यूरोप के शहरों से तुलना भी राजनीतिक कटाक्ष का हिस्सा रही। लेकिन जनता के सामने असली सवाल यह है कि विकास की वास्तविक तस्वीर क्या है और आने वाले समय में कौन बेहतर परिणाम देने की क्षमता रखता है।

दूसरी ओर योगी आदित्यनाथ का आत्मविश्वास भाजपा की चुनावी रणनीति का महत्वपूर्ण आधार है। उनका मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व, भाजपा संगठन की व्यापक शक्ति और केंद्र तथा राज्य सरकार की योजनाएं पार्टी को फिर से जनादेश दिलाने में सहायक होंगी। भाजपा के लिए सबसे बड़ा मुद्दा विकास और कानून व्यवस्था रहेगा। योगी सरकार अपने कार्यकाल में सड़क, एक्सप्रेसवे, औद्योगिक निवेश, धार्मिक पर्यटन, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर रही है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद धार्मिक पर्यटन को मिली नई पहचान भी सरकार के लिए महत्वपूर्ण राजनीतिक विषय है।

योगी आदित्यनाथ बार-बार यह संदेश देते रहे हैं कि उत्तर प्रदेश में कानून का राज स्थापित करना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। उनका आरोप है कि समाजवादी पार्टी के शासन में अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलता था और प्रदेश में दंगे तथा अराजकता की स्थिति बनी रहती थी। भाजपा इसी तुलना को आगामी चुनाव में प्रमुखता से जनता के सामने रखेगी। हालांकि सरकार के लिए केवल पुराने शासन की कमियां गिनाना पर्याप्त नहीं होगा। उसे वर्तमान व्यवस्था में सुधार, अपराध नियंत्रण और आम नागरिकों की सुरक्षा के परिणाम भी सामने रखने होंगे। जनता विकास के दावों को अपने दैनिक अनुभवों के आधार पर परखती है।

लखनऊ में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड और उत्तर प्रदेश पुलिस के संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए योगी ने आंतरिक सुरक्षा को विकास से जोड़कर महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय पर जोर दिया। साइबर अपराध, नकली मुद्रा, हवाला और आतंकवादी गतिविधियों जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक है। प्रदेश में पुलिस भर्ती, साइबर थानों, फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं और सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था के विस्तार को सरकार अपनी उपलब्धियों में गिना रही है। सरकार का मानना है कि सुरक्षित वातावरण के बिना निवेश और रोजगार के अवसरों का विस्तार संभव नहीं है।आगामी चुनाव में भाजपा के सामने अपनी उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के साथ-साथ स्थानीय समस्याओं का समाधान करने की भी जिम्मेदारी होगी। बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की आय, शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं ऐसे मुद्दे हैं जिनसे मतदाता सीधे प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी को यह साबित करना होगा कि वह केवल भाजपा विरोध के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी ठोस नीतियों और विकास के वैकल्पिक मॉडल के आधार पर जनता का विश्वास जीत सकती है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच संभावित गठबंधन भी चुनावी गणित को प्रभावित कर सकता है। गठबंधन बनाना आसान है, लेकिन दोनों दलों के समर्थकों के मतों का एक-दूसरे के पक्ष में स्थानांतरण कराना बड़ी राजनीतिक परीक्षा होती है। सीटों का बंटवारा, नेतृत्व का सवाल और क्षेत्रीय प्रभाव जैसे विषय भी विपक्षी एकता की मजबूती तय करेंगे। भाजपा इन समीकरणों का मुकाबला अपने संगठन और सहयोगी दलों के माध्यम से करने की तैयारी करेगी। उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 का चुनाव योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव दोनों के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बनने जा रहा है। योगी के सामने अपने शासन की उपलब्धियों को दोहराने और जनता का विश्वास कायम रखने की चुनौती है, जबकि अखिलेश के सामने विपक्षी एकता को मजबूत करके सत्ता में वापसी का रास्ता तैयार करना है। गोरखपुर का रोड शो समाजवादी पार्टी की सक्रियता का संकेत जरूर है, लेकिन उसे चुनावी सफलता का पैमाना मानना जल्दबाजी होगी। लोकतंत्र में अंतिम फैसला जनता करती है। अभी तो चुनावी शतरंज की शुरुआती चालें चली जा रही हैं। आने वाले दिनों में राजनीतिक गठबंधन, जनसभाएं, विकास के दावे और आरोप-प्रत्यारोप इस मुकाबले को और रोचक बनाएंगे। उत्तर प्रदेश की जनता किसे अपना नेतृत्व सौंपेगी, इसकी तस्वीर 2027 के चुनाव में ही स्पष्ट होगी।

-कांतिलाल मांडोत

पर्व त्योहारों मे फ्लाइट की मनमानी का कारण है ट्रेन में ओवर लोड

-संजय गोरवामी

लौकिक जगत् के प्राणी के जीवन में अनेक उत्थान पतन आते हैं। उसे कभी सफलता मिलती है तो कभी विफलता। विफलता मिलती है तो वह रोता है। जीवन को सुख-दुःख का मिश्रण मानकर भगवन की शरण लेता है। उसकी आराधना करता है। उसके सामने मनौतीयाँ मानता है। उसकी पूजा करता है। व्रत रखता है । प्रभु का गुण-गान करता है और सुनता है । व्रतों को कथाओं के माध्यम से दैवी तथा असुरी वृतियों का परिचय पाकर आत्मा को शुद्ध करता है । भारतीय धर्म-साधना के परिवेश में वर्ष भर में शायद ही ऐसा कोई दिन हो जिस दिन त्यौहार न होता हों । यहाँ प्रत्येक दिन पर्व है । ये पर्व, हमारे आचार-व्यवहार, रहन-सहन, खान-पान, वेश-भूषा, लोक विश्वास तथा कर्मकाण्डों के परिचायक हैं। इन लोक पर्वों की कथाओं तथा अनुष्ठानों का उद्देश्य है समाज सुधर ,व्रतों से तात्पर्य मात्र भूखा रहना नहीं है । इनसे आत्मा की शुधि होती है । मन कलुषित भावनाओं से मुक्त होता है । जीवन में संयम बढ़ता है । आध्यात्मिक शक्ति विकसित होती है । अनेक रोग स्वतः नष्ट हो जाते हैं । हमारे लोक जीवन की अन्यतम विधृति-ये लोक ङ्कपर्व अब घिटने लगे हैं ।आज के वैज्ञानिक युग में लोगों की आस्था इनसे उठने लगी है, किन्तु इन लोक-पर्वों में शक्ति नहीं है, ऐसा नहीं खा जा सकता इनका भी वैज्ञानिक महत्व है .हमारे जीवन के ये प्रमुख अंग हैं।भारतीय संस्कृत को स्पष्ट करने के प्रमुख उपादान हैं ये हमारा पर्व .हमसे हमारी लोक समाज का विश्व स्वष्ट होता हैं इसलिए पर्व त्योहारों मे एक दूसरे की मदद और सभी का ख्याल रखना चाहिए लोक आस्था का पर्व छठ पूजन मे पहले से ही ट्रेन मे मारा मारी एजेंट का अवैध तरीके से टिकट का दाम लेना कोई 3 महीने पहले से भी ट्रेन का टिकट लिया हो कन्फर्म नहीं होता है कोई कोटा से लेता है तत्काल मे टिकट का ना मिलना एक सिस्टम की लापरवाही है छठ पूजन मे जो बिहार और उप में लोग बड़ी श्रद्धा से मानते हैं अधिकतर लोग जो महंगा टिकट नहीं ले पाते हैं वो इस शुभ काम में एक दूसरे का हाथ बटाने में असमर्थ हो जाते हैं जो महानगरो में नौकरी या व्यवसाय करते हैं कोई जनी को एक नहीं कई जगह ब्रेक कर किसी तरह थका। महसूस करता है ये उसी से पूछा जाय फ्लाइट का बाहर से घर आने और घर से पुनः बाहर जाने के लिए फ्लाइट का भाड़ा सामान्य से 4 से 6 गुना बढ़ जाता है छठ पूजा उत्तर भारत में इस साल 12 नवंबर से 15 नवंबर तक चला दीपावली 8 को थी उसके दूसरे दिन ही किसी भी फ्लाइट में बिहार यानी पटना और अन्य जगह का किराया करीब 15 से 25 हजार थी और जो 12-15 हजार तक थी वो डायरेक्ट नहीं एक स्टॉप का था जहाँ आने में करीब 6-10 घंटे लगता था नॉन स्टॉप 18 से 20 हजार था उसके बाद 12 तक लगातार भाड़ा बढ़ते हुए कम में ही था और बाद में और बढ़ता गया जो थोड़ा सस्ता था वो नॉन रिफंड वाला था डायरेक्ट फ्लाइट के टिकट का फायदा यह है कि अगर कैंसिल हुआ तो एक तरफ से ही कैंसिल करने का चार्ज लगता है और कभी भी 5000 रूपये के आस पास होता है ट्रेन में ये मिलसिसला था कि सारे ट्रेन में टिकट रिग्रेट था अतः ट्रेन में एक कन्फर्म टिकट पर 3-4 लोग जाते थे स्लीपर जनरल डिब्बा जैसा हाल था उसमें आने जाना का रास्ता ही क्लॉक और पानी नदारत लोग ऊपर निचे जहाँ तहाँ सोये होने पर आना जाना मुश्किल था जनरल बोगी में सांस लेना मुश्किल लगते दिखा अब आजादी के इतने दिनों के बाद भी लोग भेड़ बकरी की तरह ठूंस गए हो तो क्या लोग पर्व त्यौहार में बाहर से आएगा और जाएगा, अगर आप किसी तरह पहुँच भी गए तो लौटने में अलग परेशानी होगी लौटने का पटना या सहरसा से डायरेक्ट फ्लाइट में टिकट 28 से 45 हजार इकॉनमी क्लास का टिकट, खासकर 16 तारीख से लेकर 20 तारीख का ट्रेन में तत्काल का ५वेटलिस्ट भी कन्फर्म ना होना बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है और लोग ऐसे कर स्लीपर में बैठते है और ऐसे ही कार्यस्थल पर पहुंचने के लिए ट्रेन में भारी भीड़ देखने को मिलती है ट्रेन में बेठे भारत का नाम तो खूब सुना है लेकिन टिकट कब मिलता है और कहाँ कहाँ है इसपर ध्यान देने की जरुरत है बुलेट ट्रेन केवल कागजों पर दिख रहा है उसके लिए पटरी ट्रैक को बदलना पड़ता है ये वहाँ कहाँ प्रोजेक्ट चल रहा है जहाँ इसकी सही में जरूरत है जब से लगभग 40 सालों से वही पटरी और वही स्टेशन, केवल नाम बदलने और चमकाने रेनोवेशन से क्या होगा आम आदमी बार बार तो घर नहीं जाता, छठ पूजन और पर्व त्यौहारों में हो जाता है तो रेलवे में कहाँ परिवर्तन हुई भगवान राम ने कोई लेख या शिकायत लिख कर रावण को नहीं हराया बल्कि जमीनी स्तर पर कार्य किया और एक सेवा भाव वाली टीम का निर्माण किया और रावण के गढ़ लंका से माता सीता को छुड़ाने हेतु कम से कम समय में रामेश्वरम से लंका तक पूल बाँध दिया ये किसी भी देश की सेना के लिए एक आदर्श विचार है और इसी से जीत मिलती है माता सीता को पता करने के लिए अपने परम भक्त हनुमान को लंका भेजा जो एक युगचर का हिस्सा था और रावण का पता लगा बाद में हनुमान जी ने सारी बातें माता सीता को बताया और फिर भगवान राम ने रावण को समझाने हेतु दूत भेजा देखा अब कोई चारा नहीं है क्योंकि मूर्खों को समझाना नासुमकिन है इसलिए युद्ध छेड़ दिया और अंत में विजयी हुए यानि किसी भी सफलता हेतु जमीनी हकीकत जानना जरुरी है केवल कागजों और लेखों से नहीं बल्कि जनता को सही में मालूम होना चाहिए रेलवे में पर्व में केवल बैनरों और पोस्टर से नहीं कार्य करना होगा चुनियादी ढांचा को दुरुस्त कर खुद जाकर देखना भी चाहिए कि जनता का क्या हाल है इस तरह का माहौल में एयरलायनस इसका फायदा उठाती है और मनमाने ढंग से किराया वसूली करती है जो विदेश का भी उससे कम होता है ऐसे में अकेले जाना ही मुश्किल है तो परिवार का क्या हाल होगा जहाँ तक स्पेशल ट्रे

इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर। एजेंसी। आयातित मालों में बनी नरमी से आलीच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। किन्तु तिलहनों में बाजर सुर्ख रहे। दलहनों में चना सुस्त पड़ा। तुअर बाजार चटाकर बोले गये।

किराना- शनिवार को समाप्त हुए आलीच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार सामान्य से अच्छा रहा। बाजार में अब लगनसरा की ग्राहकी जोर पकड़ रही है। शक्कर में मांग-आपूर्ती के अंतर को सरकार द्वारा अच्छी तरह से प्रबंधन किये जाने से शक्कर में बाजार एक दायरे में अटक गये है। बीते सप्ताह शक्कर में बाजार 5450-5580 रू. प्रति क्विंटल पर रहे। खोपरा गोला 370-430 रू. प्रति किलो की सीमा में बना रहा। सूखे मेवों में अब मौसमी मांग शुरू हो गयी है। जिससे बादाम, काजू सहित अन्य सूखे मेवे मजबूती बनाये हुए है। समीक्षा सप्ताह के दौरान बादाम मगज में बाजार 1125-1150 रू. प्रति किलो पर आ गयी। नारियलों में लेवाली सामान्य ही है, जिसके चलते बाजार पूर्वस्तर पर मजबूत देखे गये। हल्दी में दिसावरी मजबूती का असर स्थानीय बाजार पर भी रहा। हल्दी में निजामाबाद क्वालिटी माल 325-350 रू. प्रति किलो पर मजबूत रहा।

तेल तिलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में कामकाज की मात्रा सामान्य ही रही। सींगदाना तेलों में बाजार 10 रू. प्रति 10 किलो से बढ़कर 1840-1860 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। सोया व कपास्या तेलों में 10-20 रू. प्रति 10 किलो की गिरावट आयी और सोया तेल रिफाईड मालों में बाजार 1418-1420 रू. प्रति 10 किलो से टूटकर 1385-1390 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। कपास्या तेलों में बाजार टूटकर 1350 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 7300-7500 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। सरसों व रायडा आगर 300-400 रू. प्रति क्विंटल से उछल गये। इस दौरान सरसों अच्छे मालों में 9400 रू. प्रति क्विंटल बिक गयी।

दाल दलहन- आलीच्य सप्ताह के दौरान दाल-दलहनों में व्यापार की मात्रा सामान्य देखी गयी। चने में ऊपरी स्तरों पर पुछपरख ठंडी पड़ने से बाजार 7700-7800 रू. प्रति क्विंटल के मध्य बने रहे। तुअर में नये मालों की आवकों के बाद भावों में टिकाव देखा गया। तुअर में बाजार 7700-9400 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। उड़द व मूंग में लेवाली से बाजार बड़त पर रहे। उड़द में बाजार 9200-9500 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। मूंग में बाजार 8300-8500 रू. प्रति क्विंटल पर बने रहे। मसूर में बाजार 6000 रू. प्रति क्विंटल पर टिके रहे।

देश के बढ़ते घरेलू यात्रा बाजार का लाभ उठाने एयरबीएनबी भारत में बढ़ाएगी मौजूदगी

नई दिल्ली। एजेंसी। देश के बढ़ते घरेलू यात्रा बाजार का लाभ उठाने के लिए वैश्विक आतिथ्य मंच एयरबीएनबी पारंपरिक पर्यटन स्थलों से आगे बढ़कर भारत में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करने पर ज़ोर देने जा रहा है। इसके तहत कंपनी होमस्टे खंड को मजबूत करने और अधिक स्थानीय उद्यमियों को अपने मंच से जोड़ने पर ज्यादा ध्यान दे रही है। एयरबीएनबी इंडिया के एक अधिकारी ने एक साक्षात्कार में कहा कि कंपनी की भारत में वृद्धि रणनीति गुणवत्तापूर्ण आवास बढ़ाने, अधिक समुदायों को पर्यटन में भागीदार बनाने और ठहरने की सुविधा से आगे बढ़कर अनुभवों तक सेवाओं के जरिये अपनी पेशकश में विविधता लाने पर केंद्रित होगी। उन्होंने कहा कि हम पारंपरिक अवकाश बाजारों तथा महानगरों के साथ-साथ आध्यात्मिक गलियारों और प्रकृति से जुड़े स्थानों जैसे उभरते गंतव्यों में भी गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति का विस्तार जारी रखेंगे। हम चाहते हैं कि यात्रियों के पास अधिक विकल्प हों और स्थानीय समुदायों को पर्यटन से लाभ मिले। उन्होंने बताया कि भारत वैश्विक स्तर पर एयरबीएनबी के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है, जिसमें घरेलू यात्रा वृद्धि का एक बड़ा आधार बनकर उभरी है। वर्ष 2026 की पहली छमाही में अभूतपूर्व मेहमानों द्वारा की गई 85 प्रतिशत से अधिक बुकिंग घरेलू थीं, जबकि इस दौरान पहली बार बुकिंग करने वाले लगभग 70 प्रतिशत लोग जेन जी (युवा पीढ़ी) से थे। उन्होंने कहा कि हमारी मौजूदगी पूरे भारत में है और यात्रा का नक्शा लगातार बड़ा हो रहा है, क्योंकि यात्री प्रकृति, संस्कृति, विरासत और स्थानीय अनुभवों के लिए पारंपरिक पर्यटन केंद्रों से आगे बढ़कर विकल्प देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पर्वतीय स्थलों के साथ ही कांगड़ा, पूर्वी खासी हिल्स और श्रीनगर जैसे स्थान लोगों का ध्यान खींच रहे हैं, जबकि वाराणसी और अमृतसर प्रमुख सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों के रूप में उभर रहे हैं।

बजट से पहले एल्युमीनियम उद्योगों की कच्ची धातु के शुल्क-मुक्त आयात की मांग

नई दिल्ली। एजेंसी। वित्त वर्ष 2027-28 के आम बजट से पहले एल्युमीनियम उत्पाद विनिर्माताओं ने घरेलू खपत को बढ़ावा देने और छोटे उद्योगों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार से कच्ची धातु के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति देने का आग्रह किया है। विनिर्माताओं के संगठन एल्एलईएमएआई ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर प्राथमिक एल्युमीनियम पर मूल सीमा शुल्क को घटाकर शून्य करने की मांग की है। संगठन का तर्क है कि मौजूदा 7.5 प्रतिशत शुल्क, जो सामाजिक कल्याण अधिभार सहित प्रभावी रूप से 8.25 प्रतिशत हो जाता है, घरेलू मूल्य संवर्धन को नुकसान पहुंचा रहा है। एल्युमीनियम एक्सट्रूजन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एल्एईएमएआई) ने पत्र में कहा कि हम सरकार से आगामी आम बजट में शुल्क शीर्षक 7601 के तहत प्राथमिक एल्युमीनियम पर मूल सीमा शुल्क को 7.5 प्रतिशत से घटाकर शून्य प्रतिशत करने का अनुरोध करते हैं। संगठन ने कहा कि इस कदम से देश के विनिर्माण तंत्र की प्रतिस्पर्धी क्षमता को मजबूत करने, घरेलू मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने, एमएसएमई को सहारा देने, निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करने और पूरी अर्थव्यवस्था में एल्युमीनियम की खपत बढ़ाने में मदद मिल सकती है। पत्र में कहा गया कि भारत ने वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी प्राथमिक एल्युमीनियम उद्योग स्थापित किया है और इसमें घरेलू एल्युमीनियम खपत बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं। हालांकि, बड़ी संख्या में एमएसएमई वाले एल्युमीनियम क्षेत्र को मुख्य कच्चे माल यानी प्राथमिक एल्युमीनियम पर मौजूदा शुल्क ढांचे के कारण नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

वैश्विक कारकों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

मुंबई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह दिग्गज कंपनियों में लिवाली के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों पर रहेगी और प्रमुख सूचकांकों में तेजी जारी रहने की उम्मीद है। पिछले सप्ताह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लिवाली के दम पर बाजार में जबरदस्त तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,327.26 अंक (2.85 प्रतिशत) चढ़कर 83,919.71 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 656.30 अंक यानी 2.61 प्रतिशत ऊपर 25,800.60 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों सूचकांकों का नौ महीने से अधिक का उच्चतम स्तर है। बाजार के जानकारों का कहना है कि बीते सप्ताह की जबरदस्त तेजी के बाद, आने वाले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार की चाल मुख्य रूप से



वैश्विक संकेतों, विदेशी निवेशकों के रुख और कच्चे तेल की कीमतों पर निर्भर करेगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि एशियाई और अमेरिकी बाजारों में हाल ही में तकनीकी और एआई शेयरों के मूल्यांकन को लेकर उतार-चढ़ाव देखा गया है। उनका कहना है कि इस सप्ताह अमेरिकी ब्याज दरों की दिशा और वैश्विक बॉन्ड यील्ड पर निवेशकों की कड़ी नजर रहेगी। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी भारतीय अर्थव्यवस्था र कॉरपोरेट मार्जिन के लिए सकारात्मक है। हालांकि, पश्चिम एशिया और यूक्रेन से जुड़े भू-राजनीतिक घटनाक्रम बाजार की धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। बाजार विश्लेषकों के अनुसार तेजी का रुख अभी बरकरार है। निफ्टी के लिए 25,500 के आसपास एक मजबूत सपोर्ट (सहारा) देखा जा रहा है, जबकि ऊपरी स्तर पर 26,000 एक महत्वपूर्ण निकट और तकनीकी बाधा के रूप में काम कर सकता है।

भारत का तेल एवं गैस आयात बिल अक्टूबर में 60 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। एजेंसी। पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत आने वाले पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों से मिली जानकारी के मुताबिक भारत का तेल एवं गैस आयात बिल अक्टूबर में 60 प्रतिशत बढ़कर 16 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। बेंट कच्चे तेल की औसत कीमत सालाना आधार पर लगभग दोगुनी होकर 124.77 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने के चलते आयात बिल बढ़ा। अक्टूबर 2025 में शुद्ध आयात बिल 10 अरब डॉलर था। हालांकि, मात्रा के हिसाब से कच्चे तेल का आयात केवल 11 प्रतिशत बढ़कर 2.33 करोड़ टन रहा। तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात पर 1.3 अरब डॉलर खर्च हुए, जबकि पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात से 6.3 अरब डॉलर की कमाई हुई। बेंट कच्चे तेल की औसत कीमत सितंबर में 116.77 डॉलर और अक्टूबर 2025 में 64.75 डॉलर प्रति बैरल थी। अक्टूबर में भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की औसत कीमत 119.91 डॉलर प्रति बैरल रही, जो एक साल पहले 65.08 डॉलर थी। अप्रैल-अक्टूबर के दौरान शुद्ध आयात बिल बढ़कर 97.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 70.3 अरब डॉलर था। इस दौरान मात्रा के हिसाब से कच्चे तेल का आयात 2.7 प्रतिशत बढ़ा, लेकिन इस पर 111 अरब डॉलर खर्च हुए, जबकि एक साल पहले यह खर्च 72.3 अरब डॉलर था। पीपीएसी के आंकड़ों के अनुसार तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की खपत अक्टूबर में 12.3 प्रतिशत और अप्रैल-अक्टूबर के दौरान 15.1 प्रतिशत घट गई। एक नवंबर को सक्रिय घरेलू एलपीजी ग्राहकों की संख्या 32.6 करोड़ रही, जो एक अप्रैल के 33.4 करोड़ से कम है।

दो पैन कार्ड रखने पर व्यापारी को इनकम टैक्स ने भेजा लाखों का नोटिस

नई दिल्ली। एजेंसी। गुजरात के एक पटाखा कारोबारी के साथ ऐसा मामला सामने आया है, जहां क्लर्क की कथित गलती से उनके नाम पर दो पैन कार्ड जारी हो गए थे। इस त्रुटि के बाद आयकर विभाग ने उनके एक पैन कार्ड के आधार पर 7.60 लाख रुपए की रकम को छिपी हुई आय मान लिया, जिससे व्यापारी कानूनी दांव-पेच में फंस गए। असेसमेंट ईयर 2020-21 के लिए उन्होंने एक पैन कार्ड से इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल किया था, जिसमें पटाखों के कारोबार से हुई पूरी कमाई की जानकारी और ऑडिट रिपोर्ट शामिल थी। हालांकि, आयकर विभाग ने उनके दूसरे पैन कार्ड नंबर के आधार पर दोबारा जांच शुरू कर दी। असेसिंग ऑफिसर ने 24 मार्च 2025 को कार्रवाई पूरी करते हुए 7.60 लाख रुपए को उनकी आय में जोड़ दिया। कारोबारी का तर्क था कि इस कमाई पर पहले ही दूसरे पैन के तहत दाखिल रिटर्न में टैक्स दिया जा चुका है, इसलिए एक ही रकम पर दोबारा टैक्स लगाना गलत है। व्यापारी ने अपने दावे के समर्थन में बैंक स्टेटमेंट, कारोबार से जुड़े लोगों के खाते की पुष्टि और अन्य दस्तावेज जमा किए। उन्होंने दो पैन कार्ड जारी होने की गलती को लेकर हलफनामा भी दिया। लेकिन पहली अपील के दौरान वह अपना पक्ष और जरूरी सबूत सही तरीके से पेश नहीं कर सके, जिसके चलते अपील अथॉरिटी ने आयकर विभाग के फैसले को बरकरार रखा। इसके बाद कारोबारी ने आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) अहमदाबाद का रुख किया। ट्रिब्यूनल ने अपील अथॉरिटी का पिछला आदेश रद्द करते हुए इस मामले को नए सिरे से जांच के लिए असेसिंग ऑफिसर के पास भेज दिया। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि 7.60 लाख रुपए की टैक्स बकाेरी पूरी तरह खत्म हो गई है। अंतिम फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि दोबारा जांच के बाद कारोबारी अपनी आय के संबंध में क्या सबूत पेश कर पाते हैं और क्या अधिकारी उनके तर्कों से संतुष्ट होते हैं।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए सफलता और उपलब्धियों के नए अवसर लेकर आ सकता है। लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण काम आखिरकार पूरा होने की संभावना है, जिससे मन को बड़ी राहत मिलेगी और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। परिवार में आपसी प्रेम, सहयोग और एकजुटता बनी रहेगी।

वृषभ- आज का दिन देखने में सामान्य लग सकता है, लेकिन इसके भीतर आपके लिए कई नए अवसर छिपे हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों के सामने किसी नई नौकरी का आकर्षक प्रस्ताव आ सकता है। हालांकि, केवल बेहतर पैकेज देखकर फैसला न करें। अपनी वर्तमान नौकरी, भविष्य की संभावनाओं और नई जिम्मेदारियों का आकलन करने के बाद ही कोई कदम उठाना बेहतर रहेगा।

मिथुन- आज आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होगी। पैसों के लेन-देन में छोटी-सी लापरवाही भी परेशानी का कारण बन सकती है, इसलिए किसी भी सौदे या भुगतान से पहले पूरी जानकारी जरूर हासिल करें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की संभावना है, जिससे बीते दिनों की यादें ताजा होंगी और मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियों से पीछे हटने के बजाय पूरे आत्मविश्वास के साथ उनका सामना करें।

कर्क- आज आपके जीवन में कोई संकारात्मक बदलाव दस्तक दे सकता है। लंबे समय से जिस परिस्थिति में सुधार की उम्मीद थी, उसमें अब धीरे-धीरे अनुकूलता आने के संकेत हैं। हालांकि, संतान के व्यवहार या उसकी गतिविधियों को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है। ऐसे में गुस्सा करने के बजाय प्यार और धैर्य से उसे समझाने का प्रयास करें।

सिंह- आज का दिन व्यस्तता और जिम्मेदारियों से भरा रह सकता है। आपको कई कामों को एक साथ संभालना पड़ सकता है, लेकिन आपकी मेहनत और कार्यक्षमता अच्छे परिणाम दिला सकती है। कारोबार में किसी नए व्यक्ति के साथ साझेदारी शुरू करने का अवसर मिल सकता है, जो भविष्य में लाभकारी साबित हो सकता है। हालांकि, किसी भी समझौते से पहले शर्तों और जिम्मेदारियों को स्पष्ट कर लेना जरूरी होगा।

कन्या- आज सफलता पाने का सबसे अच्छा तरीका यही रहेगा कि आप अपनी जिम्मेदारियों को समय पर और पूरी ईमानदारी से निभाएं। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली और अनुशासन आपको दूसरों से अलग पहचान दिला सकते हैं। परिवार के बुजुर्गों की सेहत और जरूरतों पर विशेष ध्यान दें। उनकी छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज करना ठीक नहीं होगा।

तुला- आज आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण रहेगा। आमदनी के अच्छे अवसर मिल सकते हैं, लेकिन यदि खर्चों पर नियंत्रण नहीं रखा तो आर्थिक दबाव बढ़ सकता है। इसलिए अपनी जरूरतों और भविष्य की बचत को ध्यान में रखते हुए बजट बनाएं। परिवार की निजी समस्याओं को सुलझाने में बाहरी लोगों की अनावश्यक सलाह लेने से बचें।

वृश्चिक- आज का दिन खुशियों, मुलाकातों और सकारात्मक बदलावों से भरा रह सकता है। दूर रहने वाला कोई प्रिय व्यक्ति अचानक आपसे मिलने आ सकता है, जिससे मन को गहरा सुकून मिलेगा और घर में रौनक बढ़ जाएगी। घर की सजावट, मरम्मत या रिनोवेशन से जुड़े कामों पर खर्च बढ़ सकता है, लेकिन इससे आपके घर का वातावरण और अधिक सुंदर तथा सुविधाजनक बनेगा।

धनु- आज तरक्की और आगे बढ़ने के कई अवसर आपके सामने आ सकते हैं। कारोबार को नई ऊंचाई देने के लिए बनाई गई योजनाएं उम्मीद से बेहतर परिणाम दे सकती हैं। यदि आप लंबे समय से किसी विस्तार या नई शुरुआत के बारे में सोच रहे हैं, तो उस दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कदम बढ़ा सकते हैं। दोस्तों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे कामकाज का तनाव कम होगा और मन प्रसन्न होगा।

मकर- आज आपकी प्रगति की रफ्तार तेज रह सकती है और आपकी मेहनत तथा कार्यक्षमता लोगों को प्रभावित कर सकती है। कार्यक्षेत्र में आप जिस तरह जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे, उससे वरिष्ठ अधिकारी भी प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि, आपकी सफलता और तेजी कुछ लोगों को पसंद नहीं आ सकती, इसलिए अनावश्यक प्रतिस्पर्धा या विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए पारिवारिक सुख, मानसिक शांति और खुशियों का अच्छा मेल लेकर आ सकता है। घर में आपसी एकता और सकारात्मक वातावरण बना रहेगा। संतान की परीक्षा या पढ़ाई से जुड़ा अच्छा परिणाम मिलने की संभावना है, जिससे आपकी लंबे समय से चली आ रही चिंता दूर हो सकती है। जीवनसाथी की प्रमोशन या करियर में प्रगति मिलने से परिवार में गर्व और खुशी का माहौल बनेगा।

मीन- आज छोटी-सी लापरवाही भी किसी काम को बिगाड़ सकती है, इसलिए हर महत्वपूर्ण कदम सोच-समझकर उठाएं। कार्यक्षेत्र में किसी व्यक्ति के साथ बहस या मतभेद होने की संभावना है। ऐसी स्थिति में गुस्से में आकर कोई ऐसा शब्द न कहें, जिसका बाद में पछतावा हो। अपनी बात स्पष्ट रखें, लेकिन भाषा में संयम बनाए रखें।

शब्दजाल - 8458

शब्द जाल में 'न' से शुरु होनेवाले 10 शब्दों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

नगमा, नजराना, नयनतारा, नदीश, नमस्कार, नयनाभिराम, नवज्योति, नवजीवन, नवनीत, नवनिर्माण.

न ज ग न व ज क व ल न
व ज य लि दा व का मौ रु ल य
ई रा व न ज वा ज्यो दा वं य ना
का ना वं र ता वी व ति त न भि
म इ दि म स रा र श न व रा
न म स्का र र क व ना श म
न बं दि श व क ज री ज प व
य र न ज मा व सी ब न प न
नी ल ज न वा रै न ज प र
त मी ल प द्यु या स वै व प जा
का न न वि नं म न ज प यं

शब्दजाल - 8457 का हल



दैनिक पंचांग

23 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

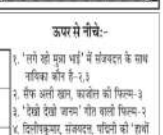

सोमवार 2026 वर्ष का 327 वा दिन
दिशाशूल पूर्व जहु शेमल।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास मार्गशिर्ष पक्ष शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 23.43 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 02.02 बजे रात को समाप्त।
योग परीधान 19.59 बजे को समाप्त।
करण रात 13.14 बजे तदनन्तर भद्रिका 23.43 बजे को समाप्त।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय
सूर्य	वृश्चिक में	धनु 08.09 बजे से
चंद्र	मेष में	मकर 10.14 बजे से
मंगल	सिंह में	कुंभ 12.01 बजे से
बुध	तुला में	मीन 13.34 बजे से
गुरु	सिंह में	मेष 15.04 बजे से
शुक्र	कन्या में	वृष 16.44 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन 18.42 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क 20.56 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह 23.12 बजे से

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

कन्या	01.24 बजे से
तुला	03.34 बजे से
वृश्चिक	05.49 बजे से

सन्यूयोग 13.7 घंटे
रवि कार्तिक दक्षिण 20° 18'
सूर्य परिभ्रमण 23.43 बजे को समाप्त।
कलि अहर्गण 1872902
जूलियन दिन 2461367.5
कलियुग संवत 5128
सप्तर्षि संवत 1972949128
यहुदि शहरीय संवत 1955865128
पारसियन्डिगा संवत 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उस्सानी सहरीख 12
विशेष पैकुण्ठ चतुर्दशी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	05.53 से 07.22 बजे तक	चर	05.43 से 07.14 बजे तक
काल	07.22 से 08.50 बजे तक	रोग	07.14 से 08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से 10.19 बजे तक	काल	08.45 से 10.17 बजे तक
रोग	10.19 से 11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से 11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से 01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से 01.19 बजे तक
चर	01.17 से 02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से 02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से 04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से 04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से 05.43 बजे तक	चर	04.22 से 05.53 बजे तक

पंचांगशुद्धि सुधाकर- सुधाकर श्रेष्ठ सूत्र, अयन व ऋतु, समय पर, अमृत चौघड़ि, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय को मध्य रेखा स्थित के आधार पर है आप अपने स्थानीय समयानुसार से © Jagrutidaw.com, Bangalore

प्रसंगतः अद्भुत तर्पिदान

य ह उस समय की बात है जब भीम के महान विद्वान ज्ञेलसंगेन भारत आए हुए थे। वह भारत की शिक्षा व संस्कृति से बेहद प्रभावित थे। उन्होंने लौटकर विश्वविद्यालय में भारतीय धर्मग्रंथों का गहन अध्ययन किया। अध्ययन करने के साथ-साथ उन्होंने अनेक धर्मग्रंथों का उल्था किया ताकि अपने देश वापस लौटने के बाद वह यहां इनके महत्व बता सकें। जब वह अपने देश की ओर रवाना हुए तो उसमें अपने साथ अनेक ग्रंथ और कई बहुमूल्य वस्तुएं रख लीं। लगभग एक सौ वर्ष पहली की इसलिए वह नौका में अपनी इस बहुमूल्य संपदा के साथ बैठ गए। पांच भारतीय छात्र भी उनके साथ थे। अभी वे कुछ ही दूर पहुंचे थे कि अचानक नदी में जोर का भंवर आया और नौका डगमगाने लगी। यह देखकर नौका सवारों ने कहा, 'यदि नौका में जो कुछ रखा सब कुछ नदी में फेंक दिया जाए तो नाव डूबने से बच सकती है।' यह सुनकर ज्ञेलसंग भिक्षा में पड़ा हुए जौट बोले, 'जब तो पुस्तकों के जहाजों को पानी में फेंकना ही होगा। इनके पानी में डूबने के साथ ही मेरा उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। वापस पहुंचने पर मैं अपने देश में भारत के महान धर्मशास्त्रों का प्रचार नहीं कर पाऊंगा। इतने संकट परिश्रम से एकत्रित किए गए धर्मशास्त्र व्यर्थ हो जाएंगे।' विद्वान ज्ञेलसंग की बात सुनकर पांचों भारतीय छात्र बोले, 'आप चिंतित न हों। आपका परिश्रम व्यर्थ नहीं होगा और न ही आपका उद्देश्य अधूरा रहेगा। सबसे पहले आपको धर्मशास्त्रों की अमूल्य धरोहर को बचाने के लिए नदी की ओर चलना होगा।' ज्ञेलसंग ने तीन पहुंच कर इन धर्मशास्त्रों का अनुवाद किया और इनकी रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान करने वाले छात्रों के प्रति जीवन भर कृतज्ञता व्यक्त करते रहे।

फिल्म वर्ग पहेली- 7392



ऊपर से नीचेः-

1. 'सगे रहो मुझ भाई' में संवादज के साथ नायिका कौन है-२,३
2. सैफ अली खान, करीना की फिल्म-३
3. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
4. दिलीपकुमार, संजयदत्त, फरीदा की 'हमी की चंद' गीत वाली फिल्म-३
5. अजय देवगन, अपारशक्ति की फिल्म-३
6. 'मोहरी लाया लहर' गीत वाली फिल्म-३
7. 'इक पै मत इल्जाम तमाम' गीत वाली झलिकपू, फरहा की फिल्म-३
8. अक्षय देवगन अभिषेक, विवाहा की 'ही सांग एक' गीत वाली फिल्म-३
9. 'विश्वोत्रि में २०३' में प्रान का नाम-२
10. देवानंद, मधुबाला की 'साल के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
11. 'शेल जैस रो देखें' गीत वाली पोविंद, सोनम की फिल्म-२
12. सवेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
13. 'डांचिया देव गली पर' गीत वाली मिथुन, ममती, मानसी की फिल्म-२
14. बॉबी, कविता की 'तुम क्या चाये दिल कहा' गीत वाली फिल्म-३
15. 'पाहर' में सनी का नाम क्या था-२
16. अक्षय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
17. 'हम तो दिल ले' गीत वाली फिल्म-२
18. दिलीप सेठ, हिमाला की फिल्म-३
19. 'गोपी पीपी सो' गीत वाली फिल्म-२
20. 'जो डालिंग ये है डिंडा' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

वायें से दायेंः-

1. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
2. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
3. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
4. 'जो तुझको जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
5. शत्रुघ्न सिन्हा, हमीला की फिल्म-३
6. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली कलाकार, गुल की फिल्म-२
7. अजय, जॉनी, लाल, ईशा की फिल्म-२
8. 'इसमे पहले कि यार' गीत वाली राकेश रोशन, ऐश्वर्या की फिल्म-४
9. भारतभूषण, गुल की फिल्म-३
10. फिल्म 'इन मीना डीका' में सूरी का नाम क्या है-२
11. विष्णुर, अमृत अग्निहोत्री, एक चुटकी 'ही विन में कुछ' गीतवाली फिल्म-३
12. 'चालू छा रे पे यार छाया' गीत वाली फिल्म-२
13. दिलीपकुमार, किमी की 'खेलो ये हमसे सेन' गीत वाली फिल्म-२
14. 'ये चादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-१
15. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मौनाक्षी की फिल्म-३
16. 'मैं नचूं बिन पायल' गीत वाली अनिल, कविता, नेहा की फिल्म-२
17. विनोद मेहरा, रेखा रश की 'दो पोलीस अफसरे' गीतवाली फिल्म-३
18. 'आंखियों से अडियूं' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
19. दिलीपकुमार, मौना की फिल्म-३
20. अमिताभ-जीतल अमान की हिट फिल्म की शहरुख, प्रिटिका स्टार रोमेक-२
21. 'ये दीवाना भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अमीमका की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7391



शब्द पहेली - 8916



बाएँ से दाएँ

1. अंगरखा-4
3. मान-सम्मान, इज्जत-3
5. शुभशांगीवाद, नियामत-4
8. केश-2
10. कसम, प्रतिज्ञा, वचन-2
11. बुरी आदत-2
13. मगरमच्छ-3
15. परिणाम-3
16. माँझी, स्टार्च-3
17. अक्षर (उर्दू-3)
19. रोम, केश-2
20. अधिकार, आरोप-2
21. सतह, स्तर, पटल-2
23. लूटपाट, डाका-4
25. सभ्यीकरण, विवेक-3
26. एक प्रसिद्ध कवि-4

ऊपर से नीचे

1. अनोखा, विचित्र, विलक्षण-3
2. नया, नवीन-2
3. इज्जत-2
4. कपोल-4
6. गमन, प्रेषित-3
7. पिता के पिता-2
9. चुनौती-4
13. गंदगी का ढेर-3
14. असावधानी-4
17. जेल, कालकोठरी-4
18. शोर, ध्वनि, कंपन-3
20. ताप, शत्रदाह-2
22. यज्ञ, आहुति दान-3
23. रक्तय-2
24. जल, पानी-3

शब्द पहेली -8915 का हल



सूडोकु नवताल- 7701

मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5		8		8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

सूडोकु नवताल 7700 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

Jagrutidaw.com, Bangalore

बिंझलगांव में बिंझलेश्वर महादेव मंदिर निर्माण का भूमि पूजन संपन्न





वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ शुभारंभ, मंदिर निर्माण को लेकर ग्रामीणों में उत्साह

पद्मेश न्यूज. लांजी।

धार्मिक आस्था, श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में रविवार 22 नवंबर 2026 को कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रदोष तिथि के पावन अवसर पर बिंझलगांव स्थित बिंझलेश्वर महादेव मंदिर के निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ। ग्राम के आराध्य देव भगवान भोलेनाथ के मंदिर निर्माण के शुभारंभ को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

पुरोहित श्री सुगलकिशोर पाण्डेय द्वारा वैदिक विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन की धार्मिक रस्में संपन्न कराई गईं। इस पावन अवसर पर मंदिर निर्माण समिति के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक, श्रद्धालु एवं बड़ी संख्या में माता-बहनें उपस्थित रहीं। सभी ने भगवान बिंझलेश्वर महादेव के चरणों में पूजा-अर्चना कर ग्राम की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं क्षेत्र की उन्नति की कामना की। भूमि पूजन के साथ ही मंदिर निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा।

ग्राम में मंदिर निर्माण को लेकर ग्रामीणों में उत्साह और धार्मिक उद्धास का माहौल है। मंदिर केवल पूजा-अर्चना का स्थान ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक परंपराओं और धार्मिक आस्था का केंद्र भी होता है। ऐसे में बिंझलेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण ग्रामवासियों के लिए विशेष महत्व रखता है। भूमि पूजन के इस शुभ अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने मंदिर निर्माण कार्य के सफलतापूर्वक पूर्ण होने की कामना की। भगवान भोलेनाथ के जयकारों और भक्तिमय वातावरण के बीच कार्यक्रम श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ।कार्यक्रम में बिंझलेश्वर महादेव मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष महेश पटेल धनवले, उपाध्यक्ष बिरज कार, राजेश गुरदे (कोषाध्यक्ष), नंदकिशोर डोरे (उपकोषाध्यक्ष), ओंकार कार (सचिव), दिनेश गुरदे (सह सचिव) एवं मानिक पटेल धनवले (उपाध्यक्ष) सहित समिति के अन्य सदस्य एवं ग्राम के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

कारंजा में पेंशनर्स एसोसिएशन का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

25 को मानेगांव में एवं 29 को लांजी में पेंशनर्स एसोसिएशन का दीपावली मिलन

पद्मेश न्यूज. लांजी। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के तत्वावधान में 22 नवंबर, रविवार को कारंजा सेक्टर में दीपावली मिलन समारोह ग्राम पंचायत भवन कारंजा में आयोजन किया गया। समारोह में पेंशनरों ने आपस में मिलकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं और एक-दूसरे का कुशलक्षेम जाना। साथ ही पेंशनरों से जुड़ी समस्याओं एवं उनके निराकरण के संबंध में भी चर्चा की गई।



कार्यक्रम एस आर ठाकरे के मुख्य आतिथ्य में व बी आर नाईक की अध्यक्षता में एवं आई एस चौहान, टी डी लिल्हारे, एस आर हरिनखेड़े के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। इस दौरान सभी पेंशनर साथियों ने आपसी मेल-मिलाप के साथ अपने अनुभव साझा किए और संगठन की गतिविधियों पर चर्चा की।

समारोह में पेंशनरों को आवश्यक जानकारी देते हुए बताया गया कि सभी पेंशनर नवंबर माह के अंत तक अपना जीवन प्रमाण पत्र संबंधित बैंक में अनिवार्य रूप से जमा करा दें, ताकि पेंशन भुगतान में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ ही 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके पेंशनरों को मिलने वाले अतिरिक्त लाभ के संबंध में भी जानकारी दी गई। ऐसे पेंशनरों से अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ संबंधित बैंक से संपर्क कर नियमानुसार लाभ प्राप्त करने की अपील की गई। इस अवसर पर नये सदस्यों यशोदा दहीकर, नंदकिशोर दोनोड़े, इनकलाब बिसेने का तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर आगामी दीपावली मिलन समारोहों के आयोजनों को लेकर भी चर्चा की गई। इसके तहत 25 नवंबर को भानेगांव एवं 29 नवंबर को लांजी मुख्यालय में मिलन समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। संगठन की ओर से क्षेत्र के सभी पेंशनर साथियों से इन आयोजनों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आपसी एकता, भाईचारे और संगठनात्मक भावना को मजबूत बनाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में एस आर ठाकरे, आई एस चौहान, टी डी लिल्हारे, एन एल बसेना, एन आर दहीकर, बी आर ढोक, धनश्याम रामटेककर, एस आर धारणे, के एच ब्रामहणकर, ज्ञानीराम भण्डारकर, उमंग प्रसाद कबीरे, सहस्रराम हरिनखेड़े, बी आर नाईक, एन डी बावनथड़े, जे डी राण्डेकर, डी आर बनोते, पन्नलाल नागपुरे, गजलाल दमाहे, ओंकार प्रसाद टैभरे, राजेन्द्र पशीने, आत्माराम गोटाफोड़े, के एल बनोते, मधुकर भंडारकर, प्रेमदास बोहने, जैराम गोटाफोड़े, सी एल मस्करे, अयोध्या प्रसाद उपाध्याय सहित अन्य पेंशनर साथी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

300 करोड़ मंजूर, फिर भी नर्मदा रिवर फ्रंट फाइलों में कैद

10 महीने से डिजाइन के बाद अब टेंडर का इंतजार, जनवरी 2025 में शुरू हुई थी कवायद

भोपाल। नर्मदा के किनारों को धार्मिक पर्यटन के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना सरकारी प्रक्रियाओं में उलझकर रह गई है। नर्मदा रिवर फ्रंट के पहले चरण के लिए 300 करोड़ रुपये की प्रशासकीय मंजूरी तो मिल गई, लेकिन निर्माण की दिशा में अब तक पहला कदम नहीं बढ़ पाया है। न निविदा जारी हुई और न ही काम शुरू होने की समयसीमा स्पष्ट है। करीब दो साल से डिजाइन और डीपीआर की कवायद के बाद भी परियोजना का जमीन पर नहीं उतरना अब सवाल खड़े कर रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब परियोजना की रूपरेखा तैयार हो चुकी है और पहले चरण के लिए बजट की मंजूरी भी मिल गई है, तो फिर निर्माण की प्रक्रिया किस स्तर पर अटकी है? शासन स्तर पर मामला होने की बात कहकर जिम्मेदार अधिकारी भी स्पष्ट जानकारी देने से बच रहे हैं। नतीजतन, 300 करोड़ रुपये की मंजूरी के बावजूद नर्मदा तट के कायाकल्प का इंतजार बना हुआ है।

छह घाटों को जोड़कर बनेगा धार्मिक पर्यटन का नया केंद्र

नर्मदा रिवर फ्रंट परियोजना के तहत खारीघाट, दरोगाघाट, गौरीघाट, उमाघाट, सिद्धघाट और जिलहरीघाट को एकरूप वास्तुशिल्पीय स्वरूप में विकसित करने की योजना है। उद्देश्य केवल घाटों का सौंदर्यीकरण करना नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं की सुविधाओं, धार्मिक गतिविधियों और पर्यटन को एक व्यवस्थित स्वरूप देना है। परियोजना में अयोध्या के सरयू घाट की तर्ज पर घाटों को विकसित करने की परिकल्पना की गई है। इससे नर्मदा तट पर आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ जबलपुर की धार्मिक पर्यटन पहचान को भी विस्तार मिलने की उम्मीद है। लेकिन फिलहाल यह पूरी परिकल्पना कागजों तक सीमित है। छह घाटों को जोड़ने और सुविधाओं का विस्तार करने की योजना के सामने सबसे बड़ी बाधा निर्माण की शुरुआत ही है।

गौरीघाट पर पांच मंचों से होगी संध्या आरती

परियोजना का सबसे आकर्षक हिस्सा गौरीघाट का विकास माना जा रहा है। यहां संध्या आरती के लिए पांच मंच बनाने का प्रस्ताव है। इनके सामने दर्शक दीर्घा विकसित की जाएगी, ताकि श्रद्धालु व्यवस्थित तरीके से आरती में शामिल हो सकें। बारिश से बचाव के लिए विशेष संरचना भी प्रस्तावित है। इसी तरह खारीघाट पर बिसर्जन कुंड, व्यवस्थित सीढ़ियां, चेंजिंग रूम, तीर्थ पुरोहितों के बैठने की जगह और मुंडन स्थल विकसित किए जाने हैं। दरोगाघाट पर बड़े नाव घाट की योजना है। यहां दीवारों पर मां नर्मदा की गाथा को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित करने का प्रस्ताव है। इससे घाट का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व भी उभरेगा।

800 मीटर का चैनल, पार्किंग और पैदल पथ भी प्रस्तावित

रिवर फ्रंट योजना में करीब 800 मीटर लंबा, 15 मीटर चौड़ा और एक मीटर गहरा चैनल बनाने की परिकल्पना है। इसके अलावा बहुस्तरीय पार्किंग, पैदल पथ, आकर्षक प्रकाश व्यवस्था और लैंडस्केपिंग भी परियोजना का हिस्सा हैं। इन सुविधाओं के विकसित होने से घाटों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही अधिक व्यवस्थित हो सकेगी। पार्किंग और पैदल पथ बनने से भीड़ प्रबंधन में मदद मिलेगी। वहीं, प्रकाश व्यवस्था और सौंदर्यीकरण से शाम के समय नर्मदा तट का आकर्षण बढ़ने की उम्मीद है।

जनवरी 2025 से चल रही थी डिजाइन की तैयारी

परियोजना की ड्राइंग और डिजाइन तैयार करने की प्रक्रिया जनवरी 2025 में शुरू हुई थी। विशेषज्ञों के परामर्श से कंसल्टेंसी ने इसका ब्लू प्रिंट तैयार किया। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने भी डीपीआर और डिजाइन को अंतिम रूप देने में रुचि ली थी। इसके बाद प्रशासकीय स्वीकृति की प्रक्रिया आगे बढ़ी और पहले चरण के लिए 300 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। माना जा रहा था कि मंजूरी के बाद निविदा जारी होगी और निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। लेकिन अब तक यह अगला चरण शुरू नहीं हो पाया है।

मंजूरी और निर्माण के बीच कहां अटका प्रोजेक्ट?

परियोजना की मौजूदा स्थिति में सबसे बड़ा सवाल प्रशासनिक प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर है। 300 करोड़ रुपये की स्वीकृति के बाद भी निविदा जारी नहीं होने से यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा कि देरी तकनीकी औपचारिकताओं के कारण है, वित्तीय प्रक्रिया के कारण या शासन स्तर पर किसी अन्य निर्णय का इंतजार है। अधिकारियों की चुप्पी ने भी अनिश्चितता बढ़ाई है। परियोजना की समयसीमा और टेंडर जारी होने की तारीख को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल जबलपुर के लोगों और नर्मदा भक्तों की निगाहें निविदा प्रक्रिया पर टिकी हैं।

मंत्री बनाएंगे दो साल का रोडमैप, सांसद मंत्रालयों से लाएंगे पैसा

2028 की चुनावी परीक्षा से पहले मोहन सरकार का मिशन मोड, केंद्र की योजनाओं के लिए मंत्री-सांसद-अफसरों का बनेगा त्रिस्तरीय समन्वय तंत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश में 2028 के विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए मोहन सरकार अब अपने कामकाज का रिपोर्ट कार्ड तैयार करने के साथ अगले दो साल का एजेंडा तय करने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार 13 दिसंबर को तीन साल पूरे करेगी। इसके बाद सरकार का फोकस उपलब्धियों के प्रचार से आगे बढ़कर उन अधूरे लक्ष्यों को पूरा करने पर होगा, जो भाजपा ने 2023 के विधानसभा चुनाव के संकल्प पत्र में जनता से किए थे। इसके लिए 21 और 22 दिसंबर को मंत्रियों का दो दिवसीय चिंतन शिविर आयोजित किया जाएगा। इसमें हर मंत्री को अपने विभाग की तीन साल की पांच प्रमुख उपलब्धियां, सामने आई चुनौतियां और आगामी दो वर्षों की कार्ययोजना प्रस्तुत करनी होगी। सरकार यह भी जानना चाहती है कि तय किए जाने वाले लक्ष्य जमीन पर कैसे उतरेंगे और उनका लाभ किन वर्गों तक पहुंचेगा। इसी रणनीति का दूसरा महत्वपूर्ण हिस्सा केंद्र सरकार से मिलने वाली योजनाओं और वित्तीय सहायता का पूरा लाभ प्रदेश तक पहुंचाना है। इसके लिए सभी 29 लोकसभा क्षेत्रों के भाजपा सांसदों को केंद्र सरकार के अलग-अलग मंत्रालयों से जोड़ने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। मंत्री, सांसद और अधिकारियों की संयुक्त टीम केंद्र और राज्य के बीच समन्वय बनाकर परियोजनाओं की मंजूरी और फंड आवंटन में तेजी लाने का काम करेगी।

संकल्प पत्र के अधूरे वादे होंगे सरकार की प्राथमिकता

2028 के विधानसभा चुनाव से पहले सरकार के पास कामकाज को जमीन पर उतारने के लिए लगभग ढेढ़ साल का प्रभावी समय बचा है। अंतिम छह महीने चुनावी गतिविधियों और आचार संहिता की तैयारियों में निकल सकते हैं। ऐसे में सरकार अब उन योजनाओं और घोषणाओं पर फोकस करना चाहती है, जिन्हें भाजपा ने 2023 के संकल्प पत्र में शामिल किया था, लेकिन अभी तक वे पूरी तरह अमल में नहीं आ पाई हैं। चिंतन शिविर में विभागवार समीक्षा के दौरान यह तय करने की कोशिश होगी कि कौन से वादे प्राथमिकता में रखे जाएं, किन योजनाओं में तेजी लाने की जरूरत है और किन लक्ष्यों को अगले दो साल में पूरा किया जा सकता है। सरकार का जोर केवल नई घोषणाएं करने पर नहीं, बल्कि पहले से तय लक्ष्यों की प्राप्ति पर रहेगा। इसके लिए विभागों को समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करनी होगी।

हर मंत्री बताएगा पांच उपलब्धियां और पांच बड़ी चुनौतियां

चिंतन शिविर का पहला दिन विभागीय प्रस्तुतियों के नाम रहेगा। प्रत्येक मंत्री अपने विभाग की तीन साल की पांच प्रमुख उपलब्धियां बताएगा। इसके साथ उन चुनौतियों का भी ब्योरा देना होगा, जिनकी वजह से योजनाओं के क्रियान्वयन या निर्धारित लक्ष्य हासिल करने में बाधा आई। मंत्रियों को आगामी दो वर्षों की लक्ष्य आधारित कार्ययोजना भी प्रस्तुत करनी होगी। इसमें केवल यह बताना पर्याप्त नहीं होगा कि कौन सी योजना शुरू की जाएगी या कितनी राशि खर्च होगी। उन्हें यह भी स्पष्ट करना होगा कि लक्ष्य कैसे हासिल होंगे, उसके लिए किस तरह की प्रशासनिक तैयारी चाहिए और इससे प्रदेश के किस वर्ग को लाभ मिलेगा। इससे सरकार विभागों की कार्यक्षमता, योजनाओं की प्रगति और भविष्य की जरूरतों का एक साझा आकलन तैयार कर सकेगी।

आठ समूहों में बंटेंगे मंत्री, दूसरे दिन बनेगा प्राथमिकताओं का खाका

चिंतन शिविर के दूसरे दिन मंत्रियों के आठ समूह बनाए जाएंगे। ये समूह कृषि, उद्योग, रोजगार, महिला सशक्तीकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित सरकार की प्राथमिकता वाले विषयों पर चर्चा करेंगे। हर समूह अपने विषय से जुड़े प्रमुख मुद्दों, चुनौतियों और संभावित समाधानों पर विचार कर अनुशंसाएं देगा। इन सुझावों के आधार पर आगामी दो वर्षों के कार्यक्रम और प्राथमिकताएं निर्धारित की जाएंगी। इससे पहले अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव और विभागाध्यक्ष स्तर के अधिकारी दो दिन तक बैठक कर चिंतन शिविर की तैयारियों पर मंथन करेंगे। अधिकारियों का यह स्तर मंत्रियों के सामने रखे जाने वाले विभागीय आंकड़ों, उपलब्धियों और चुनौतियों का आधार तैयार करेगा।

सरकार की रणनीति का एक बड़ा हिस्सा केंद्र सरकार की योजनाओं का अधिकतम लाभ मध्यप्रदेश को दिलाना है। इसके लिए मंत्रियों के नेतृत्व में विशेष समन्वय टीम बनाने की योजना है। इसमें केंद्र सरकार के प्रत्येक प्रमुख मंत्रालय के साथ एक भाजपा सांसद को जोड़ा जाएगा। सांसद दिल्ली में संबंधित मंत्रालय के समन्वयक के रूप में काम करेंगे। राज्य सरकार के संबंधित विभाग के मंत्री अपने विभाग की जरूरतों, नई परियोजनाओं और अतिरिक्त बजट की मांगों की सूची तैयार करेंगे। मुख्य सचिव और संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव तकनीकी दस्तावेज, प्रस्ताव और जरूरी फाइलें तैयार कर सांसदों और मंत्रियों के संपर्क में रहेंगे। इस व्यवस्था का उद्देश्य केंद्र और राज्य के बीच पत्राचार की मौजूदा प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना है।

दिल्ली में फाइलों की पैरवी, भोपाल में अफसरों से फॉलोअप

अभी प्रदेश के विभागों को केंद्र सरकार से परियोजनाओं की मंजूरी, वित्तीय स्वीकृति और योजनाओं की राशि जारी कराने के लिए संबंधित मंत्रालयों से अलग-अलग पत्राचार करना पड़ता है। कई बार प्रस्तावों पर निर्णय और फाइलों की प्रक्रिया में देरी होती है। नई व्यवस्था में विभागवार सांसदों की जिम्मेदारी तय होने से दिल्ली में प्रस्तावों की नियमित निगरानी और पैरवी की जा सकेगी। राज्य के मंत्री विभागीय जरूरतों और राजनीतिक स्तर पर समन्वय करेंगे, जबकि अधिकारी प्रस्तावों की तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी करेंगे। इस त्रिस्तरीय नेटवर्क की प्राथमिकता केंद्र सरकार की योजनाओं के तहत मध्यप्रदेश के लिए स्वीकृत राशि समय पर प्राप्त करना और उसका पूरा उपयोग सुनिश्चित करना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समय-समय पर इस व्यवस्था की समीक्षा करेंगे, ताकि केंद्र से मिलने वाली स्वीकृतियों और राशि के उपयोग की स्थिति पर नजर रखी जा सके।

हेमंत खंडेलवाल के सुझाव पर कोर कमेटी की मुहर

केंद्र और राज्य के बीच समन्वय का यह नया मॉडल भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पिछले महीने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में हुई पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में सुझाया था। बैठक में इस प्रस्ताव पर सहमति बनी थी। अब इसे अमलीजामा पहनाने के लिए आगे की रणनीति तैयार की जा रही है। मध्यप्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर भाजपा के सांसद हैं। पार्टी अब इस राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल केंद्र सरकार के मंत्रालयों के साथ बेहतर तालमेल बनाने में करना चाहती है। इसके जरिए सांसदों की भूमिका केवल संसदीय क्षेत्र तक सीमित न रहकर राज्य की विकास परियोजनाओं और केंद्रीय योजनाओं की निगरानी तक विस्तारित हो सकती है।

सरकार के सामने दोहरी चुनौती

मोहन सरकार की इस पूरी कवायद के सामने दो प्रमुख चुनौतियां हैं। पहली, भाजपा के संकल्प पत्र के अधूरे वादों को अगले डेढ़-दो साल में पूरा करना। दूसरी, केंद्र सरकार की योजनाओं और परियोजनाओं के लिए मिलने वाली स्वीकृतियों और वित्तीय सहायता का अधिकतम लाभ प्रदेश तक पहुंचाना। चिंतन शिविर में विभागों की उपलब्धियों और कमियों का आकलन होगा तो सांसदों की नई जिम्मेदारी से दिल्ली में समन्वय मजबूत करने की कोशिश होगी।

ग्राम पंचायतों के पिछले तीन वर्ष की खरीदी का विशेष ऑडिट करवाएं-जीतू पटवारी

भोपाल। प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में पिछले तीन वर्षों के दौरान हुई सामग्री खरीदी, निर्माण कार्यों और अन्य वित्तीय भुगतानों का विशेष ऑडिट करवाने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखा है। उन्होंने इसके लिए निम्न कदम तत्काल उठाए जाने की बात कही है- उच्चस्तरीय जांच मीडिया रिपोर्ट्स और पब्लिक डोमेन में सामने आए मामलों सहित प्रदेश की सभी सँदिग्ध पंचायतों के भुगतान की स्वतंत्र एजेंसियों से जांच करवाई जाए। बिलों का डिजिटल सत्यापन- पंचायत पोर्टल पर अपलोड प्रत्येक बिल स्पष्ट, पठनीय और मूल दस्तावेज के रूप में उपलब्ध होना अनिवार्य किया जाए। धुंधले अथवा अपूर्ण दस्तावेजों पर भुगतान की अनुमति न हो। बाजार दरों से तुलना- टेले, लाइट, वाटर कूलर, निर्माण सामग्री और अन्य वस्तुओं की खरीदी का वास्तविक बाजार मूल्य से मिलान करवाया जाए। सप्लायरों की जांच- संदिग्ध फर्मों के जीएसटी नंबर, पंजीयन, बैंक खातों, वास्तविक कारोबार और सामग्री आपूर्ति की जांच की जाए। एक ही फर्म से बार-बार हुई खरीदी का विशेष परीक्षण हो। जवाबदेही निर्धारित हो- भुगतान स्वीकृत करने वाले सरपंच, सचिव, जनपद एवं जिला पंचायत के संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच हो। दोष प्रमाणित होने पर विभागीय कार्रवाई के साथ आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाएं और सरकारी धन की वसूली हो।

सार्वजनिक निगरानी- पंचायतवार खरीदी, विक्रेता, वस्तु की मात्रा, प्रति इकाई कीमत और भुगतान का विवरण सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाए, ताकि ग्रामीण नागरिक भी अपने गांव के विकास कार्यों का हिसाब देख सकें। गांव की सड़क, पेयजल, रोशनी, स्वच्छता और सुनियादी सुविधाओं के लिए आने वाला पैसा सीधे ग्रामीणों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए होता है, लेकिन यदि इसी राशि का इस्तेमाल संदिग्ध खरीदी और अपारदर्शी भुगतान में होने लगे तो यह वित्तीय अनियमितता से कहीं बड़ा सवाल बन जाता है। खरीदी की कीमत में असामान्य अंतर- बाजार में जिस वस्तु की कीमत हजारों में है, उसे सरकारी रिकॉर्ड में लाखों रुपये का दिखाया जा रहा है। इससे सरकारी धन के संभावित दुरुपयोग की आशंका पैदा होती है। बिलों की विश्वसनीयता पर सवाल- जब भुगतान का आधार बनने वाले बिल ही धुंधले और अपठनीय हों, तो यह समझना मुश्किल हो जाता है कि किस वस्तु की कितनी मात्रा खरीदी गई, किस फर्म से खरीदी गई और वास्तविक भुगतान कितना हुआ। निगरानी तंत्र की भूमिका- पंचायत में भुगतान की प्रक्रिया एक व्यक्ति तक सीमित नहीं होनी। खरीदी, बिलों का सत्यापन, भुगतान की स्वीकृति और प्रशासनिक निगरानी में कई स्तर शामिल होने हैं। ऐसे में यदि सँदिग्ध भुगतान हो रहे हैं तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्रॉडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

परिवहन कार्यालयों में ट्रकों की चाबियां सौंपने और अनिश्चितकालीन चक्काजाम का ऐलान

पोर्टल की एक गड़बड़ी से प्रदेश में रोज 20 हजार वाहनों की फिटनेस प्रभावित, ट्रांसपोर्टरों ने दी हड़ताल की चेतावनी

भोपाल। सरकारी पोर्टल की तकनीकी खामी अब प्रदेश के परिवहन कारोबार पर भारी पड़ने लगी है। वाहनों की फिटनेस प्रक्रिया में आ रही दिक्कतों के कारण ट्रक मालिकों के सामने गाड़ियां सड़क पर चलाने और कारोबार जारी रखने का संकट खड़ा हो गया है। रोजाना हजारों वाहन फिटनेस प्रमाणपत्र के इंतजार में प्रभावित हो रहे हैं। इससे नाराज ट्रांसपोर्टर संगठनों ने अब सरकार को सीधा चेतावनी दे दी है। फिटनेस प्रमाणपत्र नहीं मिलने से वाहनों का संचालन भी प्रभावित हो रहा है।



दस साल से मान्य व्यवस्था पर अब सवाल क्यों?

ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि एक अक्टूबर 2015 के बाद वाहन निर्माताओं ने सरकारी निर्देशों के अनुसार वाहनों में स्पीड लिमिटिंग डिवाइस लगाए थे। इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर आरटीओ ने वाहनों का पंजीयन किया और वर्षों से फिटनेस प्रमाणपत्र भी जारी होते रहे। अब वाहन पोर्टल पर इसी व्यवस्था से जुड़े विवरण के कारण फिटनेस आवेदन की प्रक्रिया बाधित होने का आरोप लगाया जा रहा है। ट्रांसपोर्ट संगठनों के मुताबिक, एटीएस निरीक्षण अधिकारियों द्वारा बीएलडी/एसएलएस का विवरण अपडेट करने की सुविधा पोर्टल पर विकसित की जानी थी, लेकिन इसके बजाय फिटनेस की प्रक्रिया ही प्रभावित हो गई।

एसएनआईसी की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

ट्रांसपोर्ट संगठनों ने नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (एसएनआईसी) की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि पोर्टल में जरूरी तकनीकी सुविधा विकसित नहीं होने के कारण वाहन मालिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संगठनों का कहना है कि तकनीकी खामी का समाधान करने के बजाय पूरी प्रक्रिया को बाधित कर दिया गया है। इससे परिवहन व्यवसाय की नियमित गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। ट्रांसपोर्टर चाहते हैं कि पुराने वाहनों के वैध दस्तावेजों के आधार पर फिटनेस प्रक्रिया जारी रखने और पोर्टल की खामियों को दूर करने की व्यवस्था की जाए।

बैंक की किस्त, ड्राइवर की पगार और कारोबार पर संकट

फिटनेस प्रमाणपत्र नहीं मिलने का असर सिर्फ ट्रक मालिकों तक सीमित नहीं है। परिवहन व्यवसाय से जुड़े ड्राइवर, हेल्पर, लोडिंग-अनलोडिंग कर्मचारी और दूसरे कारोबारी भी इससे प्रभावित हो सकते हैं। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि ट्रक सड़क पर नहीं चलेंगे तो उनकी आमदनी रुक जाएगी, लेकिन बैंक की किस्त, बीमा, मेंटेनेंस और कर्मचारियों का वेतन जैसे खर्च जारी रहेंगे। ऐसे में गाड़ियां खड़ी रहने से आर्थिक नुकसान लगातार बढ़ेगा। उनका सवाल है कि जब सरकारी पोर्टल की तकनीकी समस्या के कारण वाहन फिटनेस नहीं करा पा रहे हैं, तो इसकी आर्थिक कीमत ट्रक मालिक क्यों चुकाएं?

सोमवार आखिरी मौका, मंगलवार को निर्णायक बैठक

ट्रांसपोर्ट संगठनों ने सरकार को सोमवार तक समस्या का स्थायी समाधान निकालने का समय दिया है। यदि इस अवधि में पोर्टल और एटीएस से जुड़ी दिक्कतें दूर नहीं होती हैं तो मंगलवार को इंदौर में प्रदेश के सभी ट्रांसपोर्ट संगठनों की बैठक बुलाई जाएगी। इस बैठक में सामूहिक चक्काजाम और अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लिया जा सकता है। ट्रांसपोर्टरों ने परिवहन कार्यालयों में वाहनों की चाबियां सौंपने और ट्रक खड़े करने की चेतावनी भी दी है। सरकारी सिस्टम की तकनीकी खामी अब सड़क पर बड़े परिवहन संकट की वजह बन सकती है। सोमवार तक समाधान नहीं निकला तो मंगलवार से इसका असर माल ढुलाई और परिवहन कारोबार पर दिखाई देने की आशंका है।

चार करोड़ का फोर्टिफाइड चावल एक साल से गायब

32 गाड़ियां जिलों में आज तक नहीं पहुंचीं, कटनी से हरदा, इंदौर और नीमच भेजा गया

कटनी। जिले से एक साल पहले दूसरे जिलों को भेजा गया लगभग चार करोड़ रुपये कीमत का फोर्टिफाइड चावल आज तक संबंधित जिलों को नहीं पहुंचा। जानकारी के मुताबिक प्रत्येक गाड़ी में 30 से 35 टन चावल लोड किया गया था। यह सार्वजनिक वितरण व्यवस्था से जुड़ा सरकारी खाद्यान्न था, जो पात्र हितग्राहियों को वितरित किया जाना था। मामला सामने आने के बाद अधिकारी उसे दबाए रहे और जांच के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। एक साल पुराने इस मामले में अब तक न तो जांच पूरी हो पाई है और न ही जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की गई है।

जानकारी के अनुसार मप्र राज्य नागरिक आपूर्ति निगम ने वर्ष 2025 में कटनी जिले से हरदा, इंदौर और नीमच जिलों को चावल की 32 गाड़ी भेजी थी। इनमें इंदौर में आठ गाड़ियों से 2641 क्विंटल, हरदा में 14 ट्रक से 4763 क्विंटल और नीमच में 10 ट्रकों में 3569 क्विंटल चावल भेजा था। नाम ने चावल परिवहन की जिम्मेदारी भाग्य लक्ष्मी रोड लाईंस को दी थी। तत्कालीन जिला प्रबंधक देवेन्द्र तिवारी की निगरानी में चावल से लदी गाड़ियों को रवाना किया गया था, लेकिन गाड़ी संबंधित जिलों तक नहीं पहुंचीं। मामले की न तो जांच की गई और न ही ट्रांसपोर्ट पर कार्रवाई की गई।

कागजों में दिखाई आवाजाही, रास्ते में खुर्द-बुर्द की आशंका

भाग्य लक्ष्मी रोड लाईंस में तीन साझेदार हैं। इनमें चाकघाट व छतरपुर निवासी दो लोग हैं, जबकि विभाग से ही जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी का नाम सामने आ रहा है। परिवहन के नाम पर कागजों में ही चावल की आवाजाही दिखाई गई या रास्ते में ही सरकारी खाद्यान्न खुर्द-बुर्द कर दिया गया, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। मामले को लेकर कलेक्टर आशीष तिवारी का कहना है कि मामला संज्ञान में आया है। प्रकरण की जांच कराई जा रही है। वहीं रविकांत ठाकुर, प्रभारी जिला प्रबंधक, राज्य नागरिक आपूर्ति निगम का कहना है कि कुछ दिन पहले ही मप्र राज्य नागरिक आपूर्ति निगम का प्रभार संभाला है। इस मामले की ज्यादा जानकारी नहीं है। मामला करीब एक साल पुराना है। दस्तावेजों की जांच करते हुए संबंधित जिलों से जानकारी मंगवाकर मामले की जांच करते हुए दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा की पीआर टीम बनकर काम कर रहा मेटा

-युवा कांग्रेसियों ने जलाया मार्क जुकरबर्ग का पुतला

भोपाल। फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप की पैरेंट कंपनी मेटा द्वारा विपक्षी नेताओं के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगाए जाने के खिलाफ राजधानी भोपाल में युवा कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। शहर के वोर्ड ऑफिस चौराहे पर जिला अध्यक्ष अमित खत्री के नेतृत्व में दर्जन भर से अधिक युवा कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्रित हुए और कंपनी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मेटा के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग का पुतला बनाया और नारेबाजी करते हुए उसका दहन किया।

प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर और नारेबाजी करते हुए मेटा पर केंद्र सरकार और सत्ता पक्ष के दबाव में काम करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने बीजेपी का बेटा - मेटा है जैसे नारे लगाते हुए कंपनी की नीतियों का विरोध किया और पुतला फूंककर अपना गुस्सा जाहिर किया। इस दौरान चौराहे पर कुछ देर के लिए गहमागहमी का माहौल बना रहा। विरोध प्रदर्शन में शामिल युवा कांग्रेस के जिला महासचिव अभय रामधनु ने मेटा की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मेटा एक कॉर्पोरेट कंपनी है, जो भारत में व्यापार कर पैसा कमाने आई है, इसलिए उसे पूरी तरह न्यूट्रल (निष्पक्ष) होकर काम करना चाहिए। अभय रामधनु ने आरोप लगाया कि बीते छह महीनों से मेटा लगातार विपक्ष की आवाज दबाने का काम कर रहा है और आज वह बीजेपी की पीआर टीम बनकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान ने हर नागरिक को अपनी आवाज उठाने की ताकत दी है, लेकिन सत्ता के दबाव में मेटा लोकतांत्रिक आवाज को दबाने की कोशिश कर रहा है। मेटा के खिलाफ यह आक्रोश केवल भोपाल तक सीमित नहीं है, बल्कि देश भर में युवा कांग्रेस के अकाउंट्स पर हुई कार्रवाई के बाद भड़का है। हाल ही में भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा के इंस्टाग्राम अकाउंट्स को भारत में प्रतिबंधित कर दिया गया था। इसके अलावा मध्य प्रदेश यूथ कांग्रेस का आधिकारिक सोशल मीडिया पेज भी बंद कर दिया गया। जिला महासचिव अभय रामधनु ने बताया कि करीब 15 दिन पहले बिना किसी ठोस कारण के उनकी खुद की आधिकारिक आईडी भी सस्पेंड कर दी गई थी। वहीं, देश भर में कई विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के अकाउंट्स और पोस्ट्स पर भी प्रतिबंध लगाए जाने का आरोप है।

आंदोलन की चेतावनी

युवा कांग्रेस नेताओं ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा के अकाउंट्स सस्पेंड होने के बाद जब दिल्ली, हैदराबाद और मुंबई समेत कई शहरों में मेटा के दफ्तरों पर विरोध प्रदर्शन हुआ, तब जाकर शीर्ष नेताओं के अकाउंट्स बहाल किए गए। अभय रामधनु ने चेतावनी दी कि युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु ने मेटा प्रबंधन की सभी प्रतिबंधित अकाउंट्स और पेजों को बहाल करने के लिए 7 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। यदि एक सप्ताह के भीतर मेटा ने अपनी नीतियों में सुधार कर स्पष्ट आदेश जारी नहीं किया, तो 7 दिन बाद पूरे भारत में एक साथ मेटा के खिलाफ बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी स्वयं कंपनी की होगी

7 दिन का अल्टीमेटम, देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

फसल बीमा में बैंक की मनमानी पर लगाम

गलती हुई तो बैंक ही देगा क्लेम; 18 लाख किसानों को बड़ी राहत

भोपाल। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों के साथ होने वाली बैंकिंग गड़बड़ियों पर अब मध्यप्रदेश सरकार ने शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। फसल बीमा का प्रीमियम काटने के बाद भी किसानों का डेटा पोर्टल पर अपलोड नहीं करने, फसल का गलत विवरण दर्ज करने या तकनीकी चूक के कारण किसानों को बीमा क्लेम से वंचित रखने वाले बैंकों और सहकारी समितियों को अब अपनी गलती की कीमत खुद चुकानी होगी। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि बैंक या प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति (पैक्स) की लापरवाही से किसान बीमा लाभ नहीं ले पाता है तो संबंधित संस्था को ही क्लेम की राशि का भुगतान करना होगा। इस फैसले से प्रदेश के लाखों किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है। खासतौर पर सहकारी समितियों और ग्रामीण बैंकों से जुड़े करीब 15 से 18 लाख ऐसे किसानों को फायदा होगा, जो किसी न किसी कारण से कर्ज के कगार पर हैं। अब बैंक पुराने कर्जों की वसूली या ब्याज में समायोजन का हवाला देकर उनका फसल बीमा प्रीमियम नहीं रोक सकेंगे।

फसल बीमा योजना में सबसे बड़ी समस्या बैंकों की लापरवाही को लेकर सामने आती रही है। कई मामलों में बैंक किसानों के खाते से बीमा प्रीमियम की राशि तो काट लेते थे, लेकिन राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल (एनसीआईपी) पर संबंधित किसान का विवरण अपलोड नहीं करते थे। कुछ मामलों में फसल का नाम, क्षेत्रफल या अन्य जरूरी जानकारी गलत दर्ज कर दी जाती थी। इसका नतीजा यह होता था कि प्राकृतिक आपदा के कारण फसल खराब होने पर किसान बीमा क्लेम के लिए दावा करता था, लेकिन पोर्टल पर सही जानकारी नहीं होने के कारण उसका दावा अटक जाता था। हर साल ओसतन एक से डेढ़ लाख ऐसे मामले सामने आते थे। किसान के खाते से पैसा कटने के बावजूद उसे बीमा सुरक्षा नहीं मिल पाती थी। अब सरकार ने इस व्यवस्था में जवाबदेही का नया प्रावधान किया है। बैंक की गलती से किसान को नुकसान होता है तो उसकी भरपाई भी बैंक को ही करनी होगी। इससे बैंकों पर प्रीमियम जमा करने और किसानों का सही विवरण दर्ज करने का दबाव बढ़ेगा।

पुराने कर्ज में प्रीमियम समायोजित करने पर रोक

नए प्रावधान में ऋणी किसानों के बीमा प्रीमियम को लेकर भी महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। अब संबंधित फसल सीजन में किसान को वास्तव में स्वीकृत ऋण के आधार पर बीमा प्रीमियम की राशि अतिरिक्त ऋण के रूप में स्वीकृत की जाएगी। यानी फसल बीमा का प्रीमियम पुराने बकाया कर्ज में चुक एडजस्टमेंट करके नहीं काटा जा सकेगा। दरअसल, सहकारी समितियों और ग्रामीण बैंकों से जुड़े किसानों के सामने यह समस्या लंबे समय से रही है। किसान ने पहले जो कर्ज लिया है, उसकी किस्त या ब्याज बकाया होने पर कई बार बैंक नए फसल सीजन के बीमा प्रीमियम को लेकर मनमानी करते थे। कहीं पुराने कर्ज की वसूली दिखाकर प्रीमियम नहीं लिया जाता था तो कहीं बीमा प्रीमियम को पुराने ब्याज में समायोजित कर दिया जाता था।

4.38 लाख करोड़ के बजट में ग्रीन बजट का अलग हेड

मप्र के आगामी बजट में पर्यावरण संरक्षण को मुख्य प्राथमिकताओं में शामिल करने की तैयारी

भोपाल। मध्यप्रदेश के आगामी बजट में इस बार सिर्फ विभागों की मांग और योजनाओं के लिए राशि तय करने पर ही जोर नहीं रहेगा, बल्कि सरकार पर्यावरण संरक्षण को भी बजट की मुख्य प्राथमिकताओं में शामिल करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए अलग-अलग विभागों में चल रही पर्यावरण संबंधी योजनाओं और उन पर होने वाले खर्च को एक साथ लाकर ग्रीन बजट का अलग हेड बनाने पर विचार किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2027-28 के बजट में इसके लिए अलग से राशि निर्धारित की जा सकती है। उधर, करीब 4.38 लाख करोड़ रुपए के मौजूदा बजट से आगे की वित्तीय रूपरेखा तैयार करने की प्रक्रिया भी तेज हो गई है। वित्त विभाग विभागों से मिले प्रस्तावों की समीक्षा के दो चरण पूरे कर चुका है। अब प्रस्तावों के संकलन और उनकी प्राथमिकता तय करने का काम चल रहा है। नवंबर के अंत तक यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद दिसंबर में सचिव स्तर पर बजट को लेकर तीसरे दौर की चर्चा होगी। इसके बाद जनवरी में वित्त मंत्री स्तर पर विभागवार बैठकें होंगी।

बजट तैयार करने की प्रक्रिया में अब तक दो चरणों में विभागवार चर्चा की जा चुकी है। पहले चरण में सभी विभागों से मिले प्रस्तावों पर प्रारंभिक विचार किया गया था। इसमें विभागों की जरूरतों, नई योजनाओं, पुराने कार्यक्रमों और अतिरिक्त बजट की मांगों को समझा गया। दूसरे चरण में उन चुनिंदा प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा हुई, जिनमें अधिक वित्तीय भार या विशेष समीक्षा की जरूरत थी। वित्त विभाग के अधिकारियों ने संबंधित विभागों के उप सचिवों के साथ बैठकर योजनाओं की उपयोगिता, आवश्यकता और प्रस्तावित खर्च का परीक्षण किया। अब चुनौती विभागों की मांग और सरकार के उपलब्ध वित्तीय संसाधनों के बीच संतुलन बनाने की है। विभागों ने अपनी जरूरत के हिसाब से राशि मांगी है, लेकिन सभी प्रस्तावों को बजट में जगह मिलना आसान नहीं होगा। इसलिए वित्त विभाग प्राथमिकता, वित्तीय भार और योजनाओं के संभावित परिणामों के आधार पर प्रस्तावों को व्यवस्थित कर रहा है।

दिसंबर में सचिव तय करेंगे बजट की प्राथमिकताएं

नवंबर के अंत तक प्रस्तावों का संकलन पूरा होने के बाद दिसंबर में सचिव स्तर पर तीसरे दौर की चर्चा होगी। इसमें विभागों की प्रमुख योजनाओं, नई घोषणाओं और अतिरिक्त वित्तीय जरूरतों पर विचार किया जाएगा। इस स्तर पर यह तय करने की कोशिश होगी कि आगामी वित्तीय वर्ष में किन योजनाओं को ज्यादा महत्व दिया जाए और किन प्रस्तावों को उपलब्ध संसाधनों के हिसाब से सीमित या चरणबद्ध किया जा सकता है। सचिव स्तर की चर्चा के बाद बजट निर्माण की प्रक्रिया वित्त मंत्री स्तर पर पहुंचेगी।

ग्रीन बजट से पर्यावरणीय खर्च का अलग लेखा-जोखा

आगामी बजट की सबसे बड़ी संभावित पहल ग्रीन बजट को लेकर है। अभी पर्यावरण संरक्षण से संबंधित खर्च अलग-अलग विभागों के बजट में शामिल रहता है। वन, नगरीय विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन और अन्य विभागों की योजनाओं में पर्यावरण से जुड़े प्रावधान तो होते हैं, लेकिन उनका एकीकृत वित्तीय लेखा-जोखा सामने नहीं आता। सरकार इन सभी विभागों में पर्यावरण संरक्षण से संबंधित योजनाओं और बजट प्रावधानों को एक जगह लाने की दिशा में काम कर रही है। इसके लिए ग्रीन बजट का अलग हेड बनाने पर विचार हो रहा है। यदि इसे आगामी बजट में लागू किया जाता है तो पर्यावरण संरक्षण पर होने वाले सरकारी खर्च की अलग से पहचान और समीक्षा की जा सकेगी। इस व्यवस्था के जरिए यह भी आकलन करना आसान होगा कि सरकार पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन और हरित विकास से जुड़ी गतिविधियों पर कितना पैसा खर्च कर रही है।

जनवरी में वित्त मंत्री स्तर पर होगा फैसला

बजट निर्माण की आगे की समय-सारिणी भी तय की गई है। दिसंबर में सचिव स्तर पर चर्चा के बाद जनवरी में वित्त मंत्री स्तर पर विभागवार बैठकें होंगी। इन बैठकों में विभागों के प्रस्तावों और वित्त विभाग की समीक्षा के आधार पर बजट आवंटन पर विचार किया जाएगा। विभागों को 15 जनवरी तक बजट भाषण के लिए जरूरी जानकारी भेजनी होगी। इसके बाद बजट दस्तावेजों और भाषण को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

दो अनुपूरक बजट के बीच अगले साल की तैयारी

एक तरफ सरकार 2027-28 के नियमित बजट की तैयारी कर रही है, वहीं दूसरी ओर चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के दूसरे अनुपूरक बजट पर भी काम चल रहा है। विभिन्न विभागों से मिले प्रस्तावों का परीक्षण किया जा रहा है। नवंबर के अंत तक इसे अंतिम रूप देने की तैयारी है। दूसरा अनुपूरक बजट 7 दिसंबर से शुरू होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पेश किया जाएगा। इसके जरिए चालू वित्तीय वर्ष में अतिरिक्त खर्च और विभागों की नई वित्तीय जरूरतों के लिए प्रावधान किए जाएंगे।

दो साल में 17 हजार करोड़ बढ़ा राज्य का बजट

प्रदेश का बजट लगातार बढ़ा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य का बजट 4.21 लाख करोड़ रुपए था, जो 2026-27 में बढ़कर 4.38 लाख करोड़ रुपए हो गया। यानी एक साल में करीब 17 हजार करोड़ रुपए की वृद्धि हुई। अब 2027-28 के बजट में सरकार के सामने विकास योजनाओं, विभागीय जरूरतों, नई घोषणाओं और वित्तीय अनुशासन के बीच संतुलन बनाने की चुनौती होगी। ग्रीन बजट के प्रस्ताव को जगह मिलती है तो आगामी बजट में पर्यावरण संरक्षण सरकारी खर्च की एक नई श्रेणी के रूप में सामने आ सकता है। बजट की असली तस्वीर दिसंबर और जनवरी की बैठकों में साफ होगी। फिलहाल विभागों ने अपनी मांगों का पिटारा खोल दिया है, अब वित्त विभाग की बारी है कि उपलब्ध खजाने में किसकी योजना को कितनी जगह मिलती है।

नए निजी कॉलेज खोलने की प्रक्रिया होगी ऑनलाइन

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2027-28 से नए निजी कॉलेज खोलने और पहले से संचालित कॉलेजों में नए विषय, संकाय और पाठ्यक्रम शुरू करने की प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन करने का निर्णय लिया है। इस नई व्यवस्था के तहत नए कॉलेज खोलने अथवा शैक्षणिक गतिविधियों का विस्तार करने के इच्छुक संस्थान 7 दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। कॉलेज संचालकों को आवेदन से लेकर अनुमति मिलने तक की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पूरी करनी होगी। ऑनलाइन प्रक्रिया से अनुमति देने में पारदर्शिता आएगी, दस्तावेज की जांच आसान होगी और अनावश्यक देरी पर रोक लगेगी। साथ ही आवेदन के हर चरण की निगरानी की जा सकेगी।

नई व्यवस्था में कॉलेज खोलने के लिए दिखाई जाने वाली जमीन के कागजात की भी ऑनलाइन जांच की जाएगी। संस्थानों को जमीन के स्वामित्व के दस्तावेज, खसरा या बी-1 और जमीन का नक्शा पोर्टल पर अपलोड करना होगा। इन दस्तावेज का भू-अभिलेख पोर्टल के माध्यम से सत्यापन किया जाएगा, जिससे फर्जी या गलत दावों की पहचान हो सकेगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि आवेदन शुल्क जमा करने और फॉर्म लॉक करने के बाद उसमें कोई बदलाव नहीं हो सकेगा। इसलिए संचालकों को आवेदन करने से पहले सभी विवरण ध्यानपूर्वक जांचने होंगे।

13 जिलों के कलेक्टर 1 जनवरी से होंगे प्रमोट

भोपाल। मध्यप्रदेश के 13 जिलों में पदस्थ कलेक्टरों को 1 जनवरी से प्रमोशन का लाभ मिलेगा। सामान्य प्रशासन विभाग दिसंबर में होने वाली विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक में इन कलेक्टरों के साथ भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 150 से अधिक अधिकारियों के प्रमोशन पर निर्णय लेगा। इनके अलावा भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय वन सेवा, राज्य प्रशासनिक सेवा, राज्य पुलिस सेवा, राज्य वन सेवा और राजस्व विभाग के अधिकारियों समेत करीब एक हजार अधिकारियों का भी प्रमोशन किया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने आईएएस और राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के प्रमोशन की तैयारी शुरू कर दी है। प्रमोशन का लाभ 1 जनवरी से मिलेगा।

प्रमोशन के बाद 2011 बैच की आईएएस अधिकारी और ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान सचिव बनेंगी। वहीं, 2014 बैच के 12 आईएएस अधिकारियों को अपर सचिव पद पर प्रमोट किया जाएगा। इनमें अशोकनगर कलेक्टर साकेत मालवीय, जबलपुर कलेक्टर अरुण विक्रमी, खंडवा कलेक्टर ऋषभ गुप्ता, देवास कलेक्टर नेहा मीना, नर्मदापुरम कलेक्टर आशीष वशिष्ठ, सिंगरौली कलेक्टर अंकित अस्थाना, बालाघाट कलेक्टर आदित्य सिंह, मुरैना कलेक्टर लोकेश जांगिड़, सागर कलेक्टर दिलीप कुमार यादव, अलीराजपुर कलेक्टर नीतू माथुर, डिंडोरी कलेक्टर अंजु पवन भदौरिया और निवाड़ी कलेक्टर अंजु पवन भदौरिया को शामिल हैं।

ये आईएएस बनेंगे प्रमुख सचिव

2003 बैच के आईएएस अधिकारी संजय गोयल, निशांत वरवड़े और ज्ञानेश्वर बी. पाटिल को प्रमुख सचिव पद पर प्रमोट किया जाएगा। पाटिल वर्तमान में महाराष्ट्र में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं। वहीं, 2011 बैच के अधिकारियों को अपर सचिव से सचिव पद पर पदोन्नति मिलेगी।

2011 बैच के जिन अधिकारियों को अपर सचिव से सचिव पद पर प्रमोट किया जाएगा, उनमें वीएस चौधरी कोलसानी, हरर्जिदर सिंह, रुचिका चौहान, सौरभ कुमार सुमन, नेहा मारव्या, विजय कुमार जे., अनुराग पी., बी विजय दत्ता, मोहित बुंदस, संजीव श्रीवास्तव, चंद्रमौली शुक्ला, मनोज पुष्प, उमाशंकर भार्गव, गौतम सिंह, प्रीति जैन, उषा परमार, सरिता ओमवाला प्रजापति, मुजीबुरहिमान खान, दिनेश जैन, गिरीश शर्मा, शिवराज सिंह वर्मा और वीरेंद्र कुमार के नाम शामिल हैं।

2014 बैच के इन अफसरों को मिलेगा अपर सचिव का वेतनमान

2014 बैच के आईएएस अधिकारियों को उपसचिव से अपर सचिव पद का वेतनमान देने के लिए प्रमोशन किया जाएगा। इनमें अवि प्रसाद, शोभला पटले, संकेत मालवीय, अरुण कुमार विश्वकर्मा, ऋषव गुप्ता, नेहा मीना, तन्वी हुड्डा, आशीष वशिष्ठ, अंकित अस्थाना, आदित्य सिंह, लोकेश जांगिड़, ऋषु बाफना, भव्या मित्तल, क्षितिज सिंघल, सलोनी सिडाना, दिलीप यादव, रानी बाटड़, चंद्रशेखर शुक्ला, दिलीप कुमार कापसे, बुद्धेश कुमार वैद्य, विनय निगम, अभय बेडेकर, सुधीर कोचर, अजयदेव शर्मा, नीतू माथुर, अंजू पवन भदौरिया और जमुना भिड़े शामिल हैं।

राप्रसे और मंत्रालय के कर्मचारियों की भी होगी डीपीसी

सामान्य प्रशासन विभाग राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की डिप्टी कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर और अपर कलेक्टर पद पर प्रमोट करेगा। राजस्व विभाग के सीनियर तहसीलदार और एसएलआर को भी डिप्टी कलेक्टर पद पर पदोन्नति मिलेगी। इसके अलावा मंत्रालय में पदस्थ कर्मचारियों की भी विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक होगी। इनमें निजी सचिव और स्टाफ ऑफिसर सहित अन्य कर्मचारी शामिल हैं। 31 दिसंबर तक सभी प्रमोशन आदेश जारी किए जाने हैं। 2018 बैच के आईएएस अधिकारियों को जूनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रेड और 2023 बैच के अधिकारियों को सीनियर टाइम स्केल में पदोन्नति देने की प्रक्रिया भी प्रस्तावित है।

पुलिस और वन विभाग में भी होंगे प्रमोशन

गृह विभाग में आईपीएस अधिकारियों को डीजी, स्पेशल डीजी, एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी और एसपी पद पर प्रमोट किया जाएगा। वहीं, राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों को एसडीओपी, सीएसपी और डीएसपी से एडिशनल एसपी पद पर पदोन्नति दी जाएगी। इसी तरह वन विभाग में भी अखिल भारतीय सेवा और राज्य वन सेवा के अधिकारियों के प्रमोशन की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

भारत ने लगाई जीत की हैट्रिक थाइलैंड को 7-0 से हराया

भोपाल। राजधानी भोपाल के नाथू बरखेड़ा में चल रही महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में मेजबान भारत ने जीत की हैट्रिक लगा दी। टूर्नामेंट के तीसरे दिन रविवार को भारतीय टीम ने थाईलैंड को 7-0 से हरा दिया।

भारतीय टीम ने थाईलैंड को 7-0 से करारी शिकस्त दी। भारत ने पहले क्वार्टर में तीन गोल दागकर मैच पर पकड़ बना ली। दीपिका ने 9वें और 10वें मिनट में लगातार दो गोल किए, जबकि नवनीत कौर ने तीसरे मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। इसके बाद मुमताज खान ने 27वें और सुनेलिता टोप्पो ने 31वें मिनट में गोल कर बढ़त 5-0 कर दी। तीसरे क्वार्टर में भारत ने एक और गोल किया, जबकि चौथे क्वार्टर में दीपिका ने 55वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। इसी मिनट नवनीत कौर ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर भारत की बढ़त 7-0 कर दी। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। दीपिका तीन गोल के साथ मैच की शीर्ष स्कोरर रहीं।

वहीं दिन के दो अन्य मुकाबलों में मलेशिया ने कोरिया को 3-1 से और जापान ने चीन को 3-1 से हराया।



एटीपी फाइनल्स में ज्वेरेव के सामने होंगे अल्कराज

ट्यूरिन। जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एटीपी फाइनल्स टेनिस 2026 के खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया है। यहां उनका सामना स्पेन के कार्लोस अल्काराज से होगा। इससे पहले हुए सेमीफाइनल में ज्वेरेव ने रूस के डेनियल मेदवेदेव को सीधे सेटों में 7-6(0), 6-4 से हराया। ज्वेरेव इस मुकाबले में हावी रहे और उन्होंने रुसी खिलाड़ी को कोई अवसर नहीं दिया। जर्मन खिलाड़ी को इसपूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट में हार नहीं मिली। इससे उनक शानदार फॉर्म का अंदाजा होता है। इस जीत के साथ उन्होंने इस सत्र की अपनी 69वीं जीत दर्ज की, जो इस साल एटीपी टूर पर किसी भी खिलाड़ी की सबसे अधिक जीत है। गौरतलब है कि ज्वेरेव इससे पहले 2018 और 2021 में एटीपी फाइनल्स का खिताब जीता था। अब उनका प्रयास तीसरी बार ये खिताब ट्रॉफी अपने नाम करना है, जिससे वह टेनिस इतिहास के कुछ खास खिलाड़ियों में शामिल हो जाएंगे। हालांकि में उनकी राह आसान नहीं है क्योंकि स्पेनिश स्टार अल्काराज किसी मामले में कम नहीं हैं। इससे पहले दोनों के बीच ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में मुकाबला हुआ था, जहां अल्काराज ने पांच सेट तक चले कड़े मुकाबले में ज्वेरेव को हराया था। दोनों के बीच अब तक हुए मुकाबलों में अल्काराज 7-6 से आगे हैं, जिससे यह फाइनल और भी रोमांचक होना तय है। वहीं इससे पहले एक अन्य सेमीफाइनल में अल्कराज ने अमेरिका के बेन स्टोन को हराया था।

कमिंस आईपीएल के सभी मैच नहीं खेलेंगे - रिपोर्ट



सिडनी ईएमएस। मिचेल स्टार्क और ट्रेविस हेड के आईपीएल 2027 सत्र में नहीं खेलने के फैसले के बाद अब कहा जा रहा है कि सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस भी सत्र में कुछ ही मैच खेलेंगे। । एक रिपोर्ट में ये बात सामने आई है जिसमें टीम के अनुभवी खिलाड़ी का हवाल दिया गया है। इस खिलाड़ी का कहना था कि कमिंट से बातचीत में उन्हें ये जानकारी मिली है।वहीं फ्रेंचाइजी का उन्हें रिलीज न करना इस बात का संकेत है कि वह आईपीएल 2027 में खेलेंगे। वहीं रिपोर्ट के अनुसार अब कमिंस ने भी पुष्टि कर दी है कि वह खेलेंगे पर उन्होंने संकेत दिया है कि वह कुछ मैचों में ही खेलते हुए नजर आ सकते हैं।

टीम के एक अनुभवी खिलाड़ी ने कहा , मेरी कमिंस से बात हुई, उन्होंने कहा है कि वह आईपीएल खेलने भारत जरूर आएंगे। अगर पूरे सत्र के लिए नहीं तो कुछ मैचों के लिए जरूर आएंगे। गौरतलब है कि कमिंस ने आईपीएल के पिछले संस्करण में भी कुछ मैचों में नहीं खेला था। तब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को देखते हुए उन्हें सभी मैच खेलने की अनुमति नहीं दी थी। ऐसे में उन्होंने केवल 8 मैच ही खेले थे। ऑस्ट्रेलिया का आगे का अंतरराष्ट्रीय सत्र बेहद व्यस्त है और उसे एशेज भी खेलना है। जिसको देखते हुए कमिंस तरोताजा रहना चाहेंगे।

इंग्लैंड को 3 विकेट से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त मिली

मेलबर्न । भारतीय मूल के निखिल चौधरी के ऑलराउंड प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में इंग्लैंड को 3 विकेट से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने इस प्रकार पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मेहमान टीम इंग्लैंड ने मेजबान टीम ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 188 रनों का लक्ष्य दिया था जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 19.5 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। जेक फ्रेजर-मैकगर्क केवल एक रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद कप्तान मिचेल मार्श और सैम हार्मर ने दूसरे विकेट के लिए 50 रन बनाकर पारी संभाली। हार्मर ने 15 गेंदों में 32 रन बनाये। वहीं मार्श 32 गेंदों में 37 रन बनाकर सैम करन का शिकार बने। वहीं चौथे नंबर चार पर बल्लेबाजी करने उतरे निखिल ने इसके बाद 32 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। निखिल ने 38 गेंदों में 66 रनों की पारी खेली। वहीं टिम डेविड ने 13 गेंदों में 20 रन बनाए। अंतिम ओवर में ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 11 रनों की जरूरत थी। जैक एडवर्ड्स ने ओवर की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया। इसके बाद अगली चार गेंदों पर 5 रन बनाकर एडवर्ड्स ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। एडवर्ड्स से 25 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं इंग्लैंड की ओर से गेंदबाजी में विल जैक्स ने 2, जबकि लियाम डॉसन, जेमी ओवरटन और सैम करन ने एक-एक विकेट लिया।



वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते इंग्लैंड ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 187 रन बनाये। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और फिल साल्ट एक भी रन बनाये बिना पेवेलियन लौट गये। इसके बाद इंग्लिश कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉम बैंटन संग मिलकर तीसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 97 रन बनाकर पारी संभाली। ब्रूक ने 20 गेंदों में अपने 50 रन पूरे किया। वह 28 गेंदों में 4 चौके और 6 छक्कों की मदद से 65 रन बनाकर निखिल की गेंद पर आउट हुए। वहीं, बैंटन 22 गेंदों में 39 रन बनाकर आउट हुए। सैम करन ने 21 जबकि जॉर्डन कॉक्स ने 27 रन बनाए। विल जैक्स 3 रन बनाकर आउट हुए। लियाम डॉसन ने 14 गेंदों में 17 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से गेंदबाजी में जैक एडवर्ड्स ने 3 ओवर में 27 रन देकर दो विकेट औद्ध निखिल चौधरी ने 4 ओवर में सिर्फ 21 रन देकर इतने ही विकेट लिए।

मेसी की इंटर मियामी एमएलएस कप में कोलंबस से 3-0 से हारी

मियामी। स्टार खिलाड़ी लियोन मेसी की इंटर मियामी टीम को एमएलएस कप फुटबॉल के प्लेऑफ के पहले ही मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। यहां खेले गए पहले दौर के मुकाबले में कोलंबस क्रू ने इंटर मियामी को 3-0 से हराया। इसी के साथ ही कोलंबस को तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त मिल गयी है। कोलंबस की ओर से गोंजालो तापिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले में गोल दागे। वहीं, ताहा हबरून ने भी एक गोल किया। । कोलंबस की टीम शुरुआत से ही हावी रही और और इंटर मियामी को उसने कोई अवसर नहीं दिया।



मुकाबले की शुरुआत में ही कोलंबस को पेनल्टी मिली जिसे गोंजालो तापिया ने गोल में बदलने में कोई गलती नही की और अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

इसके बाद इंटर मियामी ने वापसी के कई प्रयास किये पर असफल रही। लियोनेल मेसी ने भी गोल करने के मौके बनाने की कोशिश की, लेकिन कोलंबस के गोलकीपर पैट्रिक शुल्टे ने उन्हें विफल कर दिया।

दूसरे हाफ में कोलंबस ने 52वें मिनट में ताहा हबरून के गोल से स्कोर 2-0 कर दिया। इसके महज छह मिनट बाद गोंजालो तापिया ने अपना दूसरा गोल दागते हुए स्कोर 3-0 कर दिया। इसके बाद इंटर मियामी की हार तय हो गयी। मुकाबले से पहले लियोनेल मेसी को 2026 गोल्डन बूट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्होंने नियमित सीजन में 26 गोल करके यह पुरस्कार हासिल किया। इसके साथ ही वह लगातार दो सीजन में गोल्डन बूट जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

बुमराह ने दोनो पारियों के पहले ही ओवर में विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

वेलिंग्टन। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की दोनो ही पारियों के पहले ही ओवर में मेजबान टीम के कप्तान टॉम लेथम को पवेलियन भेजकर एक खास उपलब्धि अपने नाम की है। न्यूजीलैंड की पहली पारी में, बुमराह ने पहले ओवर की तीसरी गेंद पर कीवी कप्तान लेथम को शून्य पर आउट कर दिया था। वहीं दूसरी पारी में भी बुमराह ने पहली ओवर में ही पारी में ही आउट कर दिया। लेथम दोनो ही पारियों में खाता नहीं खोल पाये। इसी के साथ ही बुमराह उन गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने किसी टेस्ट मैच की दोनों ही पारियों में पहले ओवर में ही विकेट लिया है। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज हैं।

भारत ने 2026 शताब्दी हॉकी सीरीज 1-0 से जीती

ऑकलैंड। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को यहां हुआ तीसरा मैच 2-2 से बराबरी पर रहा। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने तीन मैच तीन मैचों की 2026 शताब्दी हॉकी सीरीज 1-0 से जीत ली है। तीसरे मुकाबल में कड़ा संघर्ष हुआ। इस मैच में कप्तान संजय राणा और सेल्वम कार्थी ने भारतीय टीम की ओर से खेल किये। वहीं मेजबान टीम की ओर से डायलन थॉमस और सैम हिहा ने एक-एक गोल किया। मुकाबले की शुरुआत में ही मेजबान टीम को पेनाल्टी कार्नर मिला। नौवें मिनट में ही थॉमस ने इसे गोल में बदल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद संजय राणा ने 16वें मिनट में एक गोल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।



भारत ने दूसरे क्वार्टर में बेहतर प्रदर्शन करते हुए आक्रामक रुख अपनाया। 18 वें मिनट में सेल्वम कार्थी ने एक मैदानी गोल कर भारतीय टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी। इसके बाद मध्यांतर तक भारतीय टीम की बढ़त बनी रही। वहीं तीसरे क्वार्टर में भी भारतीय खिलाड़ियों ने मजबूत रक्षापंक्ति का प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड के सभी हमलों को विफल कर दिया।

न्यूजीलैंड की ओर से सैम हिहा ने अंतिम क्वार्टर में एक गोल कर मुकाबला 2-2 से बराबरी पर ला दिया।

भारतीय टीम ने तीन मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड को 3-2 से हराया था। वहीं दूसरा मुकाबला बराबरी पर रहा। इस सीरीज का आयोजन दोनों देशों के बीच खेल संबंधों के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में किया गया था।

आरसीबी ने मजबूत टीम बरकरार रखी, लगातार तीसरी आईपीएल ट्रॉफी जीतने पर नजर

नई दिल्ली। आईपीएल 2027 की तैयारियों के बीच मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपनी टीम को लेकर भरोसा जताया है। फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर का मानना है कि टीम ने पिछले सीजन में खिताब जीतने वाले प्रमुख खिलाड़ियों को बरकरार रखकर मजबूत आधार तैयार किया है। अब टीम की कोशिश आगामी मिनी नीलामी में जरूरत के अनुसार कुछ नए खिलाड़ियों को शामिल कर अपनी ताकत बढ़ाने की होगी। आरसीबी की नजर लगातार तीसरी आईपीएल ट्रॉफी जीतकर इतिहास रचने पर है। एंडी फ्लावर ने टीम की रिटेंशन रणनीति पर संतोष जताते हुए कहा कि पिछले दो वर्ष फ्रेंचाइजी के लिए काफी शानदार रहे हैं। अब टीम इस चक्र के तीसरे वर्ष में प्रवेश कर रही है और मौजूदा संयोजन को लेकर प्रबंधन आश्वस्त है। उन्होंने कहा कि कुछ खिलाड़ियों को रिलीज किया गया है, लेकिन नीलामी के जरिए टीम को बेहतर बनाने की कोशिश जारी रहेगी।

मुख्य कोच ने स्वीकार किया कि आगामी नीलामी में आरसीबी के पास कुछ दूसरी टीमों की तुलना में खर्च करने के लिए सीमित राशि होगी। हालांकि, उन्हें इसकी चिंता नहीं है, क्योंकि टीम ने अपने ज्यादातर प्रमुख



खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। उनके अनुसार, इन खिलाड़ियों ने पिछले कुछ वर्षों में टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है और आगामी सत्र में भी उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2027 के लिए कुल 20 खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इनमें विराट कोहली, रजत पाटीदार, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, फिल सॉल्ट, क्रुणाल पांड्या और देवदत्त पडिक्कल जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। इनके अलावा अभिनंदन सिंह, जैकब डफी, जितेश शर्मा, जॉर्डन कॉक्स, कनिष्क चौहान, नुवान तुषारा, रसिख डार, रोमारियो शेफर्ड, सुयश शर्मा, टिम डेविड, वेंकटेश अय्यर, विक्की ओस्तवाल और यश दयाल को भी टीम में बरकरार रखा गया है।

रिटेंशन प्रक्रिया के दौरान आरसीबी ने छह खिलाड़ियों को रिलीज किया है। इनमें इंग्लैंड के बल्लेबाज जैकब बेथेल के अलावा मंगेश यादव, रिचर्ड ग्लीसन, सात्विक देसवाल, स्वप्निल सिंह और विहान मल्होत्रा शामिल हैं। टीम के पास 16 दिसंबर को गोवा में होने वाली मिनी नीलामी के लिए 14.15 करोड़ रुपये शेष हैं। आरसीबी को अपने पांच खाली स्थान भरने हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन सीमित बजट में उपयोगी खिलाड़ियों को शामिल करने की रणनीति पर काम करेगा। कोच एंडी फ्लावर को उम्मीद है कि मौजूदा मजबूत टीम और कुछ नए विकल्पों के साथ आरसीबी 2027 में भी खिताबी प्रदर्शन दोहरा सकेगी।

पिंक बॉल टेस्ट : इन 5 गेंदबाजों का रहा है दबदबा

नई दिल्ली। डे-नाइट टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के साथ गेंदबाजों का दबदबा एक अलग ही रोमांच पैदा करता है, खासकर जब फ्लडलाइट्स की रोशनी में गेंद स्विंग और सीम करने लगती है। पिंक बॉल क्रिकेट के इतिहास में सबसे घातक और सफल गेंदबाजों में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों का परचम सबसे ऊपर लहराता है। दिन-रात के टेस्ट में सर्वाधिक विकेट लेने का महारिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के स्टार तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के नाम दर्ज है, जिन्हें पिंक बॉल टेस्ट का निर्विवाद बादशाह कहा जाता है। उन्होंने साल 2015 से 2025 के बीच 15 मुकाबलों की 29 पारियों में 89 विकेट अपने नाम किए हैं, जिसमें उनका गेंदबाजी औसत 17.11 और इकोनॉमी रेट 3.11 का रहा है। उन्होंने 6 बार एक पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट झटके हैं। इस लिस्ट में दूसरा स्थान ऑस्ट्रेलिया के वर्तमान कप्तान पैट कमिंस का आता है। कमिंस ने 2017 से 2025 के दौरान 9 डे-नाइट टेस्ट मैचों की 17 पारियों में 43 विकेट हासिल किए, जिसमें उनका गेंदबाजी औसत 17.34 और इकोनॉमी रेट 2.79 का रहा। उन्होंने 2 बार एक पारी में 5 विकेट और



1 बार मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा किया। गुलाबी गेंद से केवल तेज गेंदबाज ही नहीं बल्कि स्पिनर भी अपना जादू चला सकते हैं, यह ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने साबित किया है, जो तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 2015 से 2024 के बीच 13 टेस्ट मैचों की 22 पारियों में 43 विकेट लिए हैं, जिनका औसत 25.62 और इकोनॉमी 2.57 रही।

चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलियाई पेस अटैक के एक और मजबूत स्तंभ जोश हेजलवुड का कब्जा है। हेजलवुड ने 2015 से 2025 के दौरान 9 मुकाबलों की 17 पारियों में 40 बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। उनका गेंदबाजी औसत 18.50 और इकोनॉमी रेट 2.56 का बेहद प्रभावशाली रहा। उन्होंने 2 बार एक पारी में 5 विकेट चटकाए। इस लिस्ट में शीर्ष पांच गेंदबाजों में ऑस्ट्रेलिया के बाहर का एकमात्र नाम इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का है। एंडरसन ने 2017 से 2023 के बीच 6 डे-नाइट टेस्ट मैचों की 10 पारियों में 16.25 के शानदार औसत और 2.12 की बेहद कसी हुई इकोनॉमी से 24 विकेट हासिल किए। इस सूची में सबसे बेहतरीन इकोनॉमी रेट एंडरसन का ही रहा है।

भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बनाया अब तक का सबसे बड़ा स्कोर

वेस्टइंडीज के तीन दशक पुराने रिकार्ड को तोड़ा

वेलिंगटन। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी पहली पारी 9 विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित कर दी। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। यह भारतीय टीम का मेजबान टीम के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे बड़े स्कोर के वेस्टइंडीज के तीन दशक पुराने एक रिकार्ड को तोड़ दिया। वेस्टइंडीज ने साल 1995 में वेलिंगटन में ही 5 विकेट पर 660 रन बनाये थे। थी।



भारतीय टीम ने मेजबान टीम के खिलाफ 720 रन बनाते ही अब तक का अपना तीसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया है। इससे पहले भारतीय टीम ने साल 2016 में चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ 7 विकेट पर 759 रन बनाकर घोषित की थी। भारत का दूसरा सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर 2009 में श्रीलंका के खिलाफ ब्रेबोर्न स्टेडियम में बना था। तब भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 9 विकेट पर 726 रन बनाये थे। वहीं तीसरा सबसे बड़ा स्कोर साल 2010 में श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में 707 रन बनाया था। वहीं साल 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में भारत ने 7 विकेट पर 705 रन बनाये थे। घोषित की वही टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम ने पांचवी बार 700 से अधिक रन बनाये हैं। सबसे अधिक 7 बार श्रीलंका ने टेस्ट क्रिकेट में 700 या उससे अधिक रन बनाये हैं। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज ने 4-4 जबकि ने 2 जबकि ने 1 एक बार 700 से अधिक रन बनाये हैं।

वनडे में पारी के अंत तक नाबाद रहे ये 5 सलामी बल्लेबाज

नई दिल्ली । वनडे क्रिकेट में पारी की पहली गेंद से लेकर अंतिम गेंद तक क्रीज पर टिके रहना और नाबाद पवेलियन लौटना एक ऐसी असाधारण उपलब्धि है, जिसे 'कैरीइंग द बैट' कहा जाता है। यह असाधारण धैर्य, तकनीक और मानसिक मजबूती से ही हासिल की जा सकती है। वनडे क्रिकेट के तेज रफ्तार दौर में ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है, लेकिन कुछ दिग्गज बल्लेबाजों ने यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर अपनी टीमों के लिए अकेले किला लड़ाया है। 15 दिसंबर 1994 को सिडनी में जिम्बाब्वे के ग्रैंट फ्लावर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी टीम के लिए यह कारनामा किया। उन्होंने संयमित अंदाज में नाबाद 84 रनों की पारी खेली, जबकि उनकी टीम 205 रनों पर सिमट गई। यह वनडे इतिहास में पहला मौका था जब किसी बल्लेबाज ने पूरी पारी में अपना बल्ला संभाले रखा और अंत तक नाबाद रहा। इसके कुछ ही महीनों बाद, 22 फरवरी 1995 को हरारे में पाकिस्तान के सईद अनवर ने लक्ष्य का पीछा करते हुए इतिहास रचा। उन्होंने 103 रनों की शतकीय पारी खेली, लेकिन पाकिस्तान की पूरी टीम 219 रनों पर ऑलआउट हो गई, और अनवर नाबाद मैदान से बाहर आए। लक्ष्य का पीछा करते हुए यह कारनामा करने वाले वह पहले और इकलौते बल्लेबाज बने।

1 सितंबर 1996 को नॉटिंघम में इंग्लैंड के निक नाइट ने पाकिस्तान के घातक तेज गेंदबाजों वसीम अकरम और वाकार यूनिस के सामने



डटकर मुकाबला किया। उन्होंने नाबाद 125 रन बनाए और टीम का स्कोर 246 तक पहुंचाया। वह पारी की शुरुआत करने आए थे और अंतिम गेंद तक बिना आउट हुए क्रीज पर डटे रहे। 1999 के क्रिकेट विश्व कप में 30 मई 1999 को मैनचेस्टर में वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज रिडले जैकब्स ने ग्लेन मैक्ग्रा और शेन वॉर्न की कातिलाना गेंदबाजी के आगे अविश्वसनीय संघर्ष दिखाया। वेस्टइंडीज की पूरी टीम महज 110 रनों पर ढेर हो गई, लेकिन जैकब्स 49 रन बनाकर नाबाद रहे। यह पहला मौका था जब किसी बल्लेबाज ने बिना अर्धशतक बनाए 'कैरीइंग द बैट' का कारनामा किया। इसी कड़ी में 3 मार्च 2000 को ऑकलैंड में ऑस्ट्रेलिया के डैमियन मार्टिन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 116 रनों की नाबाद पारी खेलकर अपनी क्लास का प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 191 रनों पर सिमट गई, लेकिन मार्टिन शुरुआत से अंत तक नाबाद रहे। उनकी इस जुझारू पारी ने साबित किया कि कठिन परिस्थितियों में एक बल्लेबाज का धैर्य टीम के लिए कितना मायने रखता है।

माउंट आबू में ओस जमी, मप्र-छत्तीसगढ़ और बिहार में बारिश; यूपी के 24 जिलों में घना कोहरा

बारिश से हाईवे बना दलदल...जाम में फंसे मरीज की मौत

नई दिल्ली/भोपाल। दिल्ली, राजस्थान समेत देश के कई राज्यों में ठंड बढ़ गई है। राजस्थान के 6 शहरों में शनिवार रात न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। माउंट आबू में पारा 0 डिग्री तक पहुंच गया। ठंड के कारण गाड़ियों पर ओस जम गई। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार में चक्रवात 'अकवान' के चलते बारिश होने और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मौसम बदल गया है। मप्र के जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है। बिहार में रविवार सुबह नालंदा और भागलपुर में बारिश हुई। पिछले 24 घंटे में पटना समेत 9 जिलों में बारिश दर्ज की गई। उत्तर प्रदेश के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। उधर, मप्र के उमरिया में नेशनल हाईवे-43 के मोर्चा फाटक पर फैले कीचड़ और दलदल के कारण रविवार को लगातार दूसरे दिन भी भीषण जाम लगा रहा। इसमें



फंसने से एक मरीज की मौत हो गई। मृतक की पहचान रवि के रूप में हुई है। घटना के बाद सड़क पर ही पति के शव से लिपटकर बिलखती महिला का वीडियो सामने आया है।

मृतक के साले विनोद ने बताया कि रवि को पीलिया था और उनकी तबीयत काफी खराब थी। परिजन उन्हें बाइक पर बैठाकर पाली से शहडोल ले जा रहे थे। इसी दौरान वे मोर्चा फाटक के पास लगे भारी जाम में फंस गए। समय पर अस्पताल न पहुंच पाने के कारण रवि ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मोर्चा फाटक पर ओवरब्रिज निर्माण के लिए सड़क पर मिट्टी डाली गई थी। बेमौसम बारिश के बाद यह मिट्टी दलदल में तब्दील हो गई, जिससे वाहनों के पहिए फिसलने लगे और रास्ता पूरी तरह बाधित हो गया। शनिवार सुबह से लगे इस जाम में हाईवे के दोनों तरफ करीब तीन-तीन किलोमीटर तक 200 से अधिक वाहन फंसे हुए हैं। भारी वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद है। जाम की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने घुनघुटा में वाहनों को रोकना शुरू कर दिया है और शहडोल जाने वाले वाहनों को छोटी तुम्मी, बड़ी तुम्मी और मानपुर के रास्ते डायवर्ट किया जा रहा है।

सालों से अधूरा

उमरिया से शहडोल के बीच नेशनल हाईवे-43 पर 336 करोड़ रुपए की लागत से चार ओवरब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है। यह प्रोजेक्ट 2017 से प्रस्तावित है और इसका निर्माण 2018 में शुरू होकर दिसंबर 2026 तक पूरा होना है, लेकिन सुस्त रफ्तार और अव्यवस्थाओं के कारण राहगीरों की भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। एमपीआरडीसी के संभागीय प्रबंधक अवधेश स्वर्णकार ने बताया कि रास्ता दुरुस्त करने के लिए मशीनें लगाई गई हैं और वे स्वयं इसकी निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सड़क व्यवस्थित न रखने को लेकर ठेका कंपनी को नोटिस जारी किया गया है और जांच के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी।

336 करोड़ का प्रोजेक्ट

जज की जगह ओवैसी को गार्ड ऑफ ऑनर, जांच के आदेश

- सहारनपुर में प्रोटोकॉल में बड़ी लापरवाही

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक अजीबोगरीब वाकया सामने आया है, जहाँ शनिवार को पुलिसकर्मियों ने एक न्यायाधीश को दिए जाने वाले गार्ड ऑफ ऑनर की गलती से एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी को दे दिया। इस गंभीर प्रोटोकॉल में लापरवाही के बाद, जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। एक पुलिस अधीक्षक को इस मामले की विस्तृत जांच सौंपी गई है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह गलती किन परिस्थितियों में और कैसे हुई। यह घटना सहारनपुर सर्किट हाउस में घटी, जब सांसद ओवैसी आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद के घर छटमलपुर जाने से पहले वहां पहुंचे थे। पुलिस प्रोटोकॉल के तहत एक न्यायाधीश के आगमन की तैयारी चल रही थी, जिन्हें सहारनपुर के एक गांव में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना था। लेकिन न्यायाधीश के आने से पहले ओवैसी के पहुंचने पर, वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें आते ही औपचारिक सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दे दी, जिसे ओवैसी ने भी बड़े ही सहज भाव से पुलिसकर्मियों के सामने सावधान की मुद्रा में खड़े होकर स्वीकार कर लिया। हालांकि, सलामी के कुछ ही देर बाद पुलिसकर्मियों को अपनी गलती का अहसास हुआ। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अपनी सहारनपुर यात्रा के दौरान ओवैसी ने कई राजनीतिक मुद्दों पर भी बात की। उन्होंने सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में भाजपा सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून के बजाय बंदूक का राज चल रहा है। भाजपा की बी टीम होने के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के गठन की बात कही और दावा किया कि सपा-कांग्रेस गठबंधन भाजपा को हराने में सक्षम नहीं है।

संसद का मानसून सत्र बना नया रिकॉर्ड्

100 दिन बाद भी नहीं हुआ सत्रावसान

नई दिल्ली । भारतीय संसद का हालिया मानसून सत्र एक नया और अभूतपूर्व रिकॉर्ड बना चुका है। सत्र की अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुए 100 दिन से भी अधिक हुए हैं, लेकिन अब तक औपचारिक रूप से समाप्त (सत्रावसान) नहीं किया गया है। इससे पहले, वर्ष 2008 में संसद का एक सत्र बिना औपचारिक समापन के 87 दिनों तक चला था, जो अब तक का सबसे लंबा अंतराल था।

यह मानसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था और लोकसभा व राज्यसभा दोनों की कार्यवाही को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। अब जबकि शीतकालीन सत्र की घोषणा का समय करीब आ चुका है, इस लंबे अंतराल ने सभी को ध्यान खींचा है। इस असाधारण देरी के पीछे महिला आरक्षण कानून लागू करने के लिए प्रस्तावित परिसीमन से जुड़े संवैधान संशोधन विधेयक पर संसद का एक विशेष या विस्तारित सत्र बुलाने की संभावना भी एक बड़ा कारण मानी जा रही है, हालांकि सरकार ने अभी तक इसकी तारीख और अवधि घोषित नहीं की है।

प्रस्तावित संविधान संशोधन के तहत, परिसीमन के माध्यम से लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 करने की योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का मार्ग प्रशस्त करना है। दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करने के लिए, सरकार हर राज्य में लोकसभा सीटों की संख्या 50 प्रतिशत तक बढ़ाने या 1971 की जनगणना के आधार पर राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात बरकरार रखने जैसे विकल्पों पर विचार कर रही है, हालांकि इस पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।

इस बीच, दिसंबर के पहले हफ्ते में शीतकालीन सत्र शुरू होने की संभावना है। मौजूदा सत्र को आगे बढ़ाने के लिए कम से कम दो दिन का नोटिस देना आवश्यक होता है, जबकि एक नया सत्र बुलाने के लिए कम से कम 14 दिन का नोटिस देना पड़ता है। ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि संविधान में किसी सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के कितने समय बाद उसका सत्रावसान होना चाहिए, इसकी कोई तय सीमा निर्धारित नहीं की गई है। इसलिए, लंबे समय तक सत्रावसान न करना अपने आप में किसी संवैधानिक या प्रक्रियागत नियम का उल्लंघन नहीं माना जाता।

हालिया मानसून सत्र में संसद की उत्पादकता काफी कम रही। लोकसभा की कुल 19 बैठकें हुईं, जिनमें लगभग 114 घंटे कार्यवाही होनी थी। हालांकि, सदन की कार्यवाही केवल 17 घंटे 30 मिनट ही चली, जिससे लगभग 96 घंटे 30 मिनट का समय बर्बाद हुआ। इसी तरह, राज्यसभा में भी 114 घंटे की संभावित कार्यवाही में से केवल 37 घंटे 24 मिनट ही काम हो सका, यानी लगभग 76 घंटे 36 मिनट का समय बिना काम के बीत गया। यह सत्र विभिन्न मुद्दों पर हंगामे और व्यवधानों के कारण चर्चा से अधिक गतिरोध के कारण याद किया जाएगा।

नितिन नवीन के नेतृत्व में भाजपा की रैली आज

हैदराबाद। तेलंगाना में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और विपक्षी दलों के 'वोट चोरी' के आरोपों के जवाब में भारतीय जनता पार्टी सोमवार को बड़ी रैली आयोजित करेगी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन इस रैली का नेतृत्व करेंगे। केंद्रीय मंत्री और करीमनगर से लोकसभा सदस्य बंडी संजय कुमार ने रविवार को कहा कि रैली ऐतिहासिक होगी और इसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता तथा आम लोग शामिल होंगे।

बंडी संजय कुमार ने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके लोगों को मतदान का अधिकार देना है। इसके साथ ही मतदाता सूची में एक से अधिक बार दर्ज नामों, मृत लोगों और अवैध घुसपैठियों के नाम हटाना भी इसका उद्देश्य है। उन्होंने एसआईआर को रोकने की कोशिश करने वालों पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसे लोग देश के खिलाफ हैं। बंडी संजय ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के उस बयान को भी खारिज किया, जिसमें उन्होंने सत्तारूढ़ कांग्रेस की मुख्य प्रतिद्वंद्वी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को बताया था। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस और बीआरएस एक साथ हैं और दोनों राज्य में भाजपा के बढ़ते प्रभाव को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि बीआरएस का लोकसभा में एक भी सदस्य नहीं है और उसे एक भी नगर निगम में जीत नहीं मिली है, तो वह कांग्रेस की मुख्य प्रतिद्वंद्वी कैसे हो सकती है। संजय ने दावा किया कि भाजपा 2028 के विधानसभा चुनाव के बाद तेलंगाना में सरकार बनाएगी। यहां बताते चलें कि इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो नवंबर को हैदराबाद में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा का नेतृत्व किया था। भाजपा 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर देश के विभिन्न शहरों में रैलियां कर रही है।



बगैर ब्रेक के 463 किमी तक दौड़ती रही वंदे भारत ट्रेन!

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे में सुरक्षा को लेकर एक बेहद गंभीर लापरवाही सामने आई है। अक्टूबर महीने में एक खाली वंदे भारत ट्रेन का रैक खराब ब्रेकिंग सिस्टम के बावजूद झारखंड से उत्तर प्रदेश तक करीब 463 किलोमीटर का लंबा सफर तय करता रहा। हैरानी की बात यह है कि रास्ते में लोको पायलटों की बार-बार की चेतावनी के बाद भी ट्रेन को नहीं रोका गया। मामला उजागर होने के बाद दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने इसे एक बड़ी सुरक्षा में लापरवाही मानते हुए विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। यह घटना 24 अक्टूबर की है, जो हाल ही में असम में हुई कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस के पटरी से उतरने की दुर्घटना से ठीक कुछ दिन पहले हुई थी, जिसमें भी इसी तरह की लापरवाही के आरोप लगे थे।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस खाली वंदे भारत चेयर कार वाले रैक को एक मालगाड़ी के इंजन की मदद से झारखंड के हटिया से उत्तर प्रदेश के झांसी ले जाया जाना था। नियमों के मुताबिक, पूरे सफर के लिए पैसेंजर ट्रेन के ब्रेकिंग सिस्टम को मालगाड़ी के इंजन के ब्रेकिंग सिस्टम से पूरी तरह जोड़ा (इंटरोट) जाना अनिवार्य था, लेकिन संबंधित रेलकर्मियों ने इस आवश्यक एकीकरण की अनदेखी कर दी। दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने इस चूक को बेहद गंभीर बताते हुए कहा है कि पर्याप्त ब्रेक पावर के बिना ट्रेन चलाना सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है, जिससे कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इससे कर्मचारियों और यात्रियों की जान जोखिम में पड़ सकती है और रेल संचालन की सुरक्षा प्रभावित होती है। जोन ने रांची के मंडल रेल प्रबंधक को इस पूरे मामले की विस्तृत जांच करने का आदेश दिया है। 7 नवंबर को जारी आधिकारिक दस्तावेज में इस लापरवाही की पूरी कहानी दर्ज है। 24 अक्टूबर को हटिया से रवाना होने के बाद हटिया-रांची सेक्शन में पहले लोको पायलट ने तय नियमों के तहत ब्रेक फोर्स और ब्रेक पावर टेस्ट किया। टेस्ट में पता चला कि ट्रेन की ब्रेक पावर बेहद कमजोर और बेअसर है। रांची स्टेशन पहुंचते ही लोको पायलट ने सेक्शन कंट्रोलर और ट्रैक्शन लोको कंट्रोलर समेत संबंधित अधिकारियों को लिखित में इसकी शिकायत दी। लेकिन समस्या को ठीक करने के बजाय ट्रेन को उसी हाल में आगे बढ़ने की अनुमति दे दी गई। आगे मुरी स्टेशन पर जब दूसरे लोको पायलट ने ट्रेन की कमान संभाली, तो उसे भी यही समस्या मिली। उसने भी कंट्रोलर्स को अलर्ट किया और साफ बताया कि प्रेशर रिलीज करने पर भी ब्रेक काम नहीं कर रहे हैं। इसके बावजूद ट्रेन को नहीं रोका गया। रास्ते भर रक्सं की चेतावनियों को नजरअंदाज करने के बाद जब यह रैक उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पहुंचा, तब जाकर रेलकर्मियों ने इसकी जांच की। जांच में जो सच सामने आया, उसने सबके होश उड़ा दिए- ट्रेन के सभी कोचों के ब्रेकिंग सिस्टम बंद थे, यानी कोचों में ब्रेक काम ही नहीं कर रहे थे। 463 किलोमीटर के इस लंबे सफर के दौरान पूरी ट्रेन सिर्फ इंजन के ब्रेक और रीजेनरेटिव ब्रेकिंग के भरोसे दौड़ती रही।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने वैश्विक कॉर्पोरेट रिपोर्टिंग में नंबर-1 स्थान बरकरार रखा

उदयपुर। विश्व की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक और शीर्ष दस चांदी उत्पादक कंपनियों में शामिल हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने वैश्विक कॉर्पोरेट रिपोर्टिंग के क्षेत्र में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। कंपनी की वित्त वर्ष 2026 की इंटीग्रेटेड एनुअल रिपोर्ट को एलएसीपी, लीग ऑफ अमेरिकन कम्युनिकेशंस प्रोफेशनल्स स्पॉटलाइट अवार्ड्स 2026 में विश्व में चौथा स्थान हासिल हुआ है। यह पहली बार है जब किसी भारतीय इंटीग्रेटेड एनुअल रिपोर्ट ने दुनिया की शीर्ष पांच रिपोर्टों में अपनी जगह बनाई है। इसके साथ ही कंपनी ने लगातार दूसरे साल भारत में अपना नंबर-वन स्थान बरकरार रखा है, जिससे यह रिपोर्ट वैश्विक स्तर पर सर्वोच्च रैंकिंग वाली इंटीग्रेटेड एनुअल रिपोर्ट बनकर उभरी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुस्तान जिंक को इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में 100 में से 99 स्कोर के साथ प्लैटिनम वर्ल्डवाइड सम्मान और बेस्ट बिजुअल डिजाइन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस साल की स्पॉटलाइट अवार्ड्स ग्लोबल कम्युनिकेशंस प्रतियोगिता में करीब एक दर्जन देशों से 500 से ज्यादा प्रविष्टियां मिली थीं, जिनमें हिंदुस्तान जिंक ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई।

डीयू में चुनाव : 4 फरवरी को ईसी-एसी की 28 सीटों पर शिक्षकों में महामुकाबला

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में अब शिक्षकों के बीच प्रतिनिधित्व की लड़ाई विश्वविद्यालय की नीतियों और फैसलों तक पहुंचने वाली है। 4 फरवरी 2027 को होने वाले कार्यकारी परिषद और अकादमिक परिषद के चुनाव में 28 शिक्षक प्रतिनिधि चुने जाएंगे। इन प्रतिनिधियों की भूमिका केवल शिक्षकों के मुद्दे उठाने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक ढांचे, अकादमिक नीतियों, पाठ्यक्रम और शैक्षणिक व्यवस्था से जुड़े फैसलों में भी अहम होगी। वहीं, ऐसे में चुनाव को शिक्षक संगठनों के बीच प्रभाव और प्रतिनिधित्व की परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है।

इस चुनाव में सबसे ज्यादा नजर अकादमिक परिषद को 26 सीटों पर रहेगी। इसकी वजह यहां अलग-अलग वर्गों को दिया गया प्रतिनिधित्व है। विश्वविद्यालय ने कम से कम चार विश्वविद्यालय की और से नियुक्त व्यक्तियों, चार महिला शिक्षकों, मेडिकल साइंस फैकल्टी से एक शिक्षक और गैर-मेडिकल फैकल्टी के प्रोफेशनल कोर्स संचालित करने वाले विभागों से एक शिक्षक का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया है। इससे चुनाव में महिला शिक्षकों और विशेष संकायों की भूमिका भी अहम हो जाएगी। वहीं, कार्यकारी परिषद में दो प्रतिनिधियों का चुनाव होगा। इसके लिए प्रोफेसर जूनियर और उससे ऊपर के रैंक के शिक्षक और लाइब्रेरी स्टाफ के कर्मचारी पात्र होंगे। हालांकि, फैकल्टी के डीन, कालेजों के प्रिंसिपल और प्राक्टर इस चुनाव के दायरे से बाहर रहेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक विश्वविद्यालय ने चुनाव संबंधी अधिसूचना जारी की है। दोनों निकायों की जिम्मेदारियां अलग-अलग हैं। एग्जीक्यूटिव काउंसिल प्रशासनिक और नीतिगत निर्णयों में अहम भूमिका निभाती है, जबकि अकादमिक परिषद शैक्षणिक फैसलों की प्रमुख संस्था है। ऐसे में इन चुनावों में जीत हासिल करने वाले प्रतिनिधियों के जरिए शिक्षक विश्वविद्यालय के फैसलों में अपनी भागीदारी मजबूत कर सकेंगे।

भारत-चीन के बीच टकराव को कम करने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा

कमांडर स्तर की 10 दिन तक चलीं बैठकें

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश से सटी सीमा पर कड़ाके की ठंड की शुरुआत से ठीक पहले भारत और चीन के वरिष्ठ दूसरे दौर की कोर कमांडर स्तर की सैन्य वार्ता पूरी हो गई है। दिवाली के बाद 8 नवंबर को शुरू हुई यह बेहद गोपनीय बातचीत करीब दस दिनों तक चली। इसका मुख्य उद्देश्य सीमा पर बढ़ते तनाव को कम करना और दोनों देशों के बीच संवाद के रास्ते खुले रखना था। इस वार्ता में भारतीय पक्ष का नेतृत्व सेना की तीसरी कोर (स्पीयर कोर) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया ने किया। इस कोर का मुख्यालय नागालैंड के दीमापुर के पास रंगापहाड़ में है। उनके साथ चीनी सेना के प्रतिनिधिमंडल के अलावा भारत सरकार के विदेश मंत्रालय का एक प्रतिनिधि भी शामिल रहा।

सूत्रों के मुताबिक, बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच संपर्क के नियम तय करना था। इसके अलावा, सीमा के पास सैनिकों के आमने-सामने आने से होने वाले टकराव को टालना भी महत्वपूर्ण था। इस क्षेत्र में दोनों देशों ने बड़ी संख्या में सैनिक तैनात कर रखे हैं। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि जिन बातों पर सहमति बनी है उन्हें भीषण सर्दी शुरू होने से पहले जमीन पर लागू किया जा सकेगा या नहीं, क्योंकि इस दौरान वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों के लिए रसद पहुंचाना बेहद कठिन हो जाता है। पूर्वी सेक्टर में भारत और चीन के बीच पहले दौर की कोर कमांडर स्तर की वार्ता इसी साल 6 और 7 सितंबर को वाचा-दमाई बॉर्डर मीटिंग पॉइंट पर हुई थी। किबिथू सेक्टर में स्थित वाचा भारत का सबसे पूर्वी सीमा पर मीटिंग पॉइंट है। यह बैठक ऊपरी सुबनसिरी जिले के ताकसिंग इलाके में तनाव की खबरों के बाद बुलाई गई थी। इससे पहले अगस्त में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने बीजिंग में सीमा विवाद को लेकर विशेष प्रतिनिधियों की बैठक की थी। सीमा पर विवाद का एक बड़ा कारण 1914 में ब्रिटिश भारत और तिब्बत के बीच तय हुई मैकमोहन रेखा को चीन द्वारा मान्यता न देना है। अक्टूबर में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक राजुकीत कपूर ने कहा था कि अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों पर भारतीय और चीनी सैनिकों का आमना-सामना हुआ है। इस पर विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि जब चीनी सैनिक तय गश्त के नियमों से भटकते हैं तो एलएसी पर स्थिति समय-समय पर बिगड़ जाती है। मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए सीमावर्ती इलाकों में शांति और स्थिरता बनाए रखना जरूरी है।

स्पाइसजेट की मनमानी, उड़ानों के लिए बिना चेतावनी के टिकटों की बुकिंग जारी

नई दिल्ली। गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रही बजट एयरलाइन स्पाइसजेट की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। विमान ईंधन की ऊंची कीमतों, घटते विमानों के बेड़े और नियामक संस्थाओं की सख्ती के बीच कंपनी की उड़ानें लगातार रद्द या लेट हो रही हैं। हैरानी की बात यह है कि इसके बावजूद एयरलाइन अपनी वेबसाइट पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए बिना किसी चेतावनी के टिकटों की बुकिंग जारी रखे हुए है यहां तक कि उन रूट्स पर भी जहां वह फिलहाल उड़ान भरने में असमर्थ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 24 नवंबर के लिए दिल्ली-दुबई फ्लाइट का टिकट 30,284 रुपए में उपलब्ध था और बुकिंग की प्रक्रिया बिना किसी रुकावट के सीधे पेमेंट पेज तक पहुंच गई। इस दौरान वेबसाइट पर कहीं भी उड़ान में देरी या रद्द होने की लेकर कोई चेतावनी नहीं दिखाई गई। यह मामला इसलिए गंभीर है क्योंकि दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने ग्राउंड-हैंडलिंग कंपनी डनाटा के करीब 35.8 करोड़ रुपए के बकाया भुगतान न होने के कारण 12 नवंबर से ही स्पाइसजेट की चेक-इन सेवाएं निलंबित कर रखी हैं। इसके चलते दुबई से दिल्ली, मुंबई,



अमृतसर और जयपुर की कई उड़ानें लगातार रद्द हो रही हैं। मुंबई-दुबई फ्लाइट पिछले एक हफ्ते से उड़ान नहीं भर रही है, फिर भी इसके टिकट वेबसाइट पर बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

अंतरराष्ट्रीय के साथ-साथ घरेलू रूट्स पर भी स्पाइसजेट की सेवाएं चरमरा गई हैं। 19 से 21 नवंबर के बीच दिल्ली-मुंबई रूट पर दोनों तरफ से कम से कम 8-8 उड़ानें रद्द की गईं, फिर भी 23 नवंबर और उसके बाद की तारीखों के लिए बिना किसी चेतावनी के बुकिंग ली जा रही है। लगातार हो रही देरी और उड़ानों के रद्द होने से एयरपोर्ट पर यात्रियों का सब्र टूट रहा है। 19 नवंबर को दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दिल्ली-मुंबई फ्लाइट घंटों की देरी के बाद रद्द कर दी गई, जिसके बाद नाराज यात्रियों ने एयरलाइन के खिलाफ चोर-चोर के नारे लगाए थे। एक अन्य घटना में देरी से परेशान यात्रियों और एयरलाइन कर्मचारी के बीच तीखी बहस हुई, जहां कर्मचारी ने यात्री को बाहर मिल, फिर बताता हूं तक कह दिया।

इस बीच, एयरलाइन पायलट एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने चेतावनी दी है कि स्पाइसजेट की खराब आर्थिक स्थिति का सीधा असर उड़ान सुरक्षा और विमानों के रखरखाव पर पड़ सकता है। संगठन के अध्यक्ष सैम थॉमस ने कहा कि कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है और स्पेयर पार्ट्स व मेंटेनेंस कंपनियों को भुगतान न होने से सुरक्षा मानकों से समझौता होने का खतरा है। उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए से इस मामले में दखल देने की मांग की है। दूसरी ओर, आर्थिक संकट से उबरने के लिए स्पाइसजेट के बोर्ड ने 18 नवंबर को विभिन वित्तीय माध्यमों से 5,500 करोड़ रुपए तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है, हालांकि यह राशि अभी जुटाई नहीं जा सकी है। पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री सुरेश प्रभु ने भी इस संकट पर चिंता जताते हुए कहा कि विमानन क्षेत्र में यात्रियों को बेहतर सुविधा और उचित किराए के लिए मजबूत प्रतिस्पर्धा जरूरी है, और उड़ान रद्द होने पर यात्रियों को समय पर जानकारी व मदद मिलनी ही चाहिए।

महादेव मंदिर में पूजा के तय समय का पालन नहीं कर रहे पुजारी, हाईकोर्ट ने जताई चिंता

कोट्टायम। केरलम हाईकोर्ट ने कोट्टायम जिले के वैकोम महादेव मंदिर में पुजारियों द्वारा पूजा के तय समय का पालन नहीं किए जाने पर चिंता जताई और जावणकोर देवस्वओम बोर्ड को इस रिपोर्ट पर निश्चित रूप से तत्काल ध्यान देने को जरूरत है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मंदिर में लेखाकार का पद नवंबर 2022 से खाली है जिसके कारण किसी अन्य की इसका प्रभार सौंपना पड़ा। इसके बाद धन के गबन के आरोप सामने आए हैं, जिनमें विशेष रूप से 34 लाख रुपए के गबन का आरोप शामिल है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 'कझकम' विभाग में एक पद आठ साल से अधिक समय से खाली है और इससे संबंधित कार्य 'नालंबलम' में पुजारी कर रहे हैं। पूजा करते हैं, जिसके कारण कई शिकायतें मिली हैं। पीठ ने कहा कि देवस्वओम बोर्ड को इस रिपोर्ट पर निश्चित रूप से तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मंदिर में लेखाकार का पद नवंबर 2022 से खाली है जिसके कारण किसी अन्य की इसका प्रभार सौंपना पड़ा। इसके बाद धन के गबन के आरोप सामने आए हैं, जिनमें विशेष रूप से 34 लाख रुपए के गबन का आरोप शामिल है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पुजारी अपनी मनमर्जी के मुताबिक अधिकतम आयुक्त ने यह भी दावा किया कि मान्यता प्राप्त पुजारियों के बजाय कई ऐसे पुजारी धार्मिक अनुष्ठान कर रहे हैं, जिन्हें बोर्ड ने न तो अधिकृत किया है और न ही मान्यता दी है। उन्होंने सभी रिक्त पदों को नियमानुसार भरने का निर्देश देने का अनुरोध किया। बोर्ड ने पीठ को आश्वासन दिया कि रिपोर्ट में उठाए गए मुद्दों पर गौर किया जाएगा और मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। कोर्ट ने मंदिर की स्थिति को लेकर स्वतः संज्ञान लेते हुए शुरू की गई कार्यवाही में ये टिप्पणियां कीं और निर्देश दिया। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और एक प्रसिद्ध तीर्थस्थल है।

बालाघाट
सोमवार 23 नवम्बर 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

हिर्री की मंडई में मंचूरियन-चाउमिन खाने से बच्चे सहित 118 से अधिक लोग बीमार

फूड पॉइजनिंग की आशंका से मेला परिसर में अफरा-तफरी, 45 बच्चे और 12 महिलाओं का रिफर पर जिला अस्पताल में चल रहा उपचार,

4 ठेले जप्त, एफआईआर की चल रही तैयारी, बिना लाइसेंस के 12 वर्षो से ठेला लगा रहा दुकानदार, खाद्य विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल



पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम हिर्री में आयोजित मंडई मेले में उस समय हड़कंप मच गया, जब मंचूरियन और चाउमिन खाने के बाद बच्चों सहित 118 से लोगो की तबीयत बिगड़ गई उन्हें अचानक पेट दर्द और उल्टियां होने लगीं। एक के बाद एक की तबीयत बिगड़ने से मेले में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। घबराए परिजन बच्चों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों द्वारा उनका उपचार किया गया। स्थिति को देखते हुए कुछ बच्चों को बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय बालाघाट रिफर किया गया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में चिंता और आक्रोश का माहौल है। वहीं इस घटना ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा विभाग की निगरानी व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

मंचूरियन-चाउमिन खाने के बाद बिगड़ी तबीयत

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हिर्री की मंडई में लगे खानपान के स्टॉल से बच्चों ने मंचूरियन और चाउमिन खाया था। इसके कुछ समय बाद ही बच्चों को पेट दर्द, उल्टियां, दस्त और अन्य तकलीफें होने लगीं। देखते ही देखते बीमार बच्चों की संख्या बढ़ने लगी। बताया जा रहा है कि 118 से अधिक बच्चे व वयस्क इसकी चपेट में आए हैं। अचानक इतनी बड़ी संख्या में लोगो के बीमार होने की खबर मिलते ही परिजनों में हड़कंप मच गया। बच्चों को तत्काल किरनापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद कुछ बच्चों की स्थिति को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रिफर किया गया।

खाद्य विभाग की कार्यवाही पर उठे सवाल

इस घटना ने खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर मंडई मेले में खुलेआम खाद्य सामग्री बेचने वाले दुकानदारों की जांच किसकी जिम्मेदारी थी? क्या मेले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, इसेमाल किए जा रहे तेल, पानी और सामग्री की शुद्धता की जांच की गई थी? यदि खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा समय रहते निरीक्षण किया गया होता तो क्या इस तरह की घटना को रोका जा सकता था? एक साथ 118 से अधिक लोगो के बीमार होने की जानकारी सामने आने के बाद विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। मंडई जैसे बड़े आयोजनों में अस्थायी खाद्य स्टॉल बड़ी संख्या में लगाए जाते हैं, लेकिन इनकी खाद्य गुणवत्ता और स्वच्छता की नियमित जांच कितनी होती है, यह जांच का विषय है।

9 एम्बुलेंस की मदद से बीमारों को लाया गया जिला अस्पताल

अचानक बच्चों की तबीयत बिगड़ने और पेट दर्द की शिकायत के बाद उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर में भर्ती कराया गया। स्थिति गंभीर होने पर 45 बच्चों सहित 12 वयस्कों को जिला चिकित्सालय बालाघाट रैफर किया गया।घटना की सूचना मिलने पर 108 एम्बुलेंस सेवा ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए कुल 9 एम्बुलेंस को मौके पर रवाना किया। रात्रि करीब 1:30 बजे जिला समन्वयक पवन जैतवार से संपर्क कर घटना की जानकारी दी गई सूचना मिलते ही जिला समन्वयक द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एम्बुलेंस की व्यवस्था एवं मरीजों के सुरक्षित परिवहन के लिए आवश्यक समन्वय किया गया।108 एम्बुलेंस टीम ने तत्परता से कार्य करते हुए ग्राम हिर्री से मरीजों को स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर पहुंचाया। इसके साथ ही किरनापुर अस्पताल में भर्ती किए गए मरीजों को एम्बुलेंस के माध्यम से जिला चिकित्सालय बालाघाट पहुंचाकर भर्ती कराया गया।पूरे घटनाक्रम के दौरान 108 एम्बुलेंस सेवा की टीम ने आपातकालीन स्थिति में 9 एम्बुलेंस की त्वरित उपलब्धता से मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में मदद मिली।

बच्चों की सेहत प्राथमिकता, जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग

एक ही मेले में इतनी बड़ी संख्या में बच्चों की तबीयत बिगड़ने की घटना ने अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। अब लोगों की मांग है कि प्रशासन तत्काल मामले की गंभीरता से लेते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग से जांच कराए। जिन खाद्य स्टॉलों से बच्चों ने सामग्री खरीदी थी, उनकी पहचान कर नमूने लिए जाएं और लापरवाही सामने आने पर संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। फिलहाल प्रभावित लोगो का बेहतर उपचार उपलब्ध कराना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। जिसको लेकर कलेक्टर एसपी थाना प्रभारी सहित अन्य ने जिला अस्पताल पहुचकर बीमार बच्चो वयस्कों और उनके माता पिता से बातचीत की, सवाल यह है कि आखिर इस लापरवाही की जवाबदेही किसकी तय होगी?

खाद्य सुरक्षा विभाग ने चाऊमीन विक्रेता से लिए 13 नमूने, खाद्य सामग्री जब्त

मंडई के दौरान चाऊमीन खाने से 118 बच्चों एवं युवाओं के बीमार होने के मामले में खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। जिला चिकित्सालय बालाघाट में 45 बच्चों एवं 12 युवतियों का उपचार किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर आदित्य सिंह ने खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम गठित कर घटनास्थल पर खाद्य सामग्री के नमूने एकत्र करने तथा उनकी जांच कराने के निर्देश दिए थे।जिनके निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश डोंगरे एवं श्रीमती गीता टोडेकर की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। थाना किरनापुर पुलिस द्वारा चिन्हित किए गए खाद्य विक्रेता चंद्र कुमार भोंगाड़े एवं उसके भाई भूपेन्द्र भोंगाड़े, निवासी कांदीकला, संचालक हर्षित फास्ट फूड सेंटर से पूछताछ की गई। पूछताछ में विक्रेता द्वारा मंडई में चाऊमीन बेचने की बात स्वीकार की गई।वहीं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने विक्रेता के प्रतिष्ठान एवं मौके से चाऊमीन बनाने में उपयोग होने वाली सामग्री के कुल 13 नमूने एकत्र किए हैं। इनमें तैयार चाऊमीन, कच्चे एवं उबले हुए नूडल्स, गरम मसाला, नूडल्स मसाला, रेड चिली सॉस, ग्रीन चिली सॉस, डार्क सोया सॉस, फूड कलर, अजीनीमोटो, नमक, खाद्य तेल एवं मिर्च पाउडर शामिल हैं। सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। कार्रवाई के दौरान मौके पर उपलब्ध खाद्य सामग्री भी जब्त की गई है।

बिना लाइसेंस संचालित हो रही थी दुकान

जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि संबंधित विक्रेता बिना खाद्य पंजीयन के कारोबार कर रहा था। इस संबंध में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा अलग से प्रकरण तैयार किया गया है। वहीं, थाना किरनापुर पुलिस ने भी संबंधित विक्रेता के विरुद्ध कार्रवाई की है तथा जांच के लिए नमूना सुरक्षित रखा है।खाद्य सुरक्षा प्रशासन के प्रारंभिक निरीक्षण में अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य सामग्री तैयार करने और बासी सामग्री के उपयोग की आशंका सामने आई है। हालांकि, फूड प्वाइजनिंग के वास्तविक कारणों की पुष्टि प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार नमूनों की जांच रिपोर्ट एवं विवेचना में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीगढ़ी कार्यक्रम के दौरान मचा बवाल

कार्यक्रम देख रहे युवक के साथ सामुहिक रूप से की गई मारपीट

करीब एक दर्जन युवको ने रूपेंद्र को पीटा, घायल का जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नवेगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम चिखला में रविवार की अल सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब मंडई में आयोजित छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम देखने के दौरान एक युवक के साथ, गांव के ही करीब एक दर्जन युवकों ने मारपीट शुरू कर दी।जहां कथित लात घूसो ऊंकाी, व लाठी डंडों से की गई मारपीट में ग्राम चिखला निवासी 26 वर्षीय युवक रूपेंद्र पिता विरेंद्र रनगिरे गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे नवेगांव पुलिस व परिजनों द्वारा उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार जारी है।हालांकि गांव के ही 8 से 10 लोगों ने युवक रूपेंद्र के साथ मारपीट क्यों की गई। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है।बताया गया कि रूपेंद्र की ना ती अन्य युवको से कोई पुरानी रंजिश थी और ना ही पुराना विवाद था। फिर भी गांव के ही 8 से 10 युवकों ने छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम देख रहे युवक रूपेंद्र की जमकर पिटाई कर दी। जिससे युवक के सर में गम्भीर चोट आई है।इस घटना के बाद घायल युवक व उसके परिजनों द्वारा नवेगांव थाना पहुचकर, मामले की शिकायत की गई है।जिसके आधार पर पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि खबर लिखे जाने तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया था कि गांव के 8-10 युवकों ने रूपेंद्र के साथ मारपीट क्यों कि।

छत्तीगढ़ी कार्यक्रम के दौरान हुई मारपीट

प्राप्त जानकारी के अनुसार चिखला निवासी युवक रूपेंद्र रनगिरे कालेज में बीएससी की पढ़ाई करता है। बताया गया कि शनिवार को ग्राम चिखला में मंडई का आयोजन किया गया था।जिसमें छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम रखा गया था जिसे देखने के लिए रूपेंद्र भी गया हुआ था।जानकारी के अनुसार रात भर चले कार्यक्रम में रविवार की अल-सुबह करीब 5:30 बजे वह स्टेज के पास खड़ा होकर कार्यक्रम देख रहा था, तभी 8 से 10 युवक रूपेंद्र के पास आए और बोले कि तुझसे कुछ बात करना है बाहर आ, जिस पर रूपेंद्र ने मना कर दिया। इसी दौरान युवक आक्रोश में आ गए और उन्होंने गाली गलौज के साथ रूपेंद्र के साथ मारपीट शुरू कर दी।

मारपीट का वीडियो शोशल मीडिया पर वायरल

कार्यक्रम के दौरान मचे इस बवाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। हालांकि वायरल हो रहे इस वीडियो की पीएमवी रूप पुष्टि नहीं करता ,लेकिन यह वीडियो ग्राम चिखला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुई मारपीट का बताया जा रहा है।जिसमे कुछ युवक रूपेंद्र के साथ मारपीट करते हुए नजर आ रहे हैं। शोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो की स्वयं घायल वीरेंद्र ने पुष्टि की है।इधर घायल व उनके परिजनों से मिली शिकायत के आधार पर नवेगांव पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

न पुरानी रंजिश, न विवाद, फिर क्यों बनाया निशाना?

इस घटना में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर कार्यक्रम देखने पहुंचे रूपेंद्र के साथ इतनी बेरहमी से मारपीट क्यों की गई? परिजनों और घायल पक्ष के अनुसार रूपेंद्र का आरोपित युवकों से कोई पुराना विवाद या रंजिश नहीं थी। इसके बावजूद करीब एक दर्जन युवकों द्वारा उसे घेरकर पीटे जाने की बात सामने आई है। घटना के पीछे की वास्तविक वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस जांच के बाद ही मारपीट के कारणों और इसमें शामिल युवकों की भूमिका का खुलासा हो सकेगा।

बंजर नदी किनारे पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका मिला पांच दिन से लापता व्यक्ति का शव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर थाना क्षेत्र अंतर्गत टाटीघाट स्थित बंजर नदी के किनारे एक पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका 40 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान ग्राम हर्राघाट निवासी भजनलाल पिता स्वर्गीय चरणसिंह पन्दे के रूप में हुई है। वह पिछले पांच दिनों से घर से लापता था। जिसके द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या की जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भजनलाल खेती-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके परिवार में पत्नी देवकीन बाई पन्दे 35 वर्ष, दो बेटे और एक बेटी हैं। बताया जाता है कि दीपावली के त्यौहार के समय से ही भजनलाल की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह असामान्य हरकतें करने लगा था। परिजनों ने उसका पंडा-पुजारी से उपचार भी करवाया लेकिन उसकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। परिजनों के अनुसार, 16 नवंबर की सुबह करीब 4 बजे जब परिवार के सदस्य सोकर उठे तब भजनलाल असामान्य हरकतें कर रहा था। परिजनों ने उसे समझाने का प्रयास किया लेकिन वह अंधेरे में घर से कहीं चला गया। इसके बाद से ही परिवार के लोग उसकी लगातार तलाश कर रहे थे। इसी बीच 22 नवंबर की टाटीघाट स्थित बंजर नदी के किनारे एक पेड़ पर एक व्यक्ति का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। जिसकी पहचान भजन लाल पिता स्व. चरण सिंह पंन्दे 40 वर्ष हर्रा घाट निवासी के नाम से उसके परिजनों को घटना की सूचना मिलने पर उसकी पत्नी देवकीन बाई पन्दे ने बैहर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। भजनलाल द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या की जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है।सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव बरामद किया तथा पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।





स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट